



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1986/श्रावण 18, 1908  
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1986/SRAVANA 18, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

### विधि और न्याय मंत्रालय

(विधिवार्ता विभाग)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1986

सूचना

का.आ. 2749—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में  
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एन.बी. अग्रवाल,  
एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी की उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक  
आवेदन इस बात के लिए किया है कि उसे किरकी (पूणे) व्यवसाय करने के  
लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार  
का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में  
मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(52)/86-न्या.]

आर.एन. पोद्दार, सक्षम अधिकारी

### MINISTRY OF LAW & JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 21st July, 1986

### NOTICE

S.O. 2749.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,  
that application has been made to the said Authority, under  
rule 4 of the said Rules, by Shri N. B. Agarwal, Advocate  
for appointment as a Notary to practise in Kirkee (Pune).

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(52)/86-Judl.]

R. N. PODDAR, Competent Authority

### गृह मंत्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1986

का.आ. 2750—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधि-  
नियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा  
प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है  
कि उक्त अधिनियम की धारा 33 के अधीन उनके द्वारा प्रयोग की जाने  
वाली शक्तियों का श्री मुहम्मद अलतम, उपसचिव, गृह मंत्रालय (पुनर्वास  
विभाग), द्वारा प्रयोग किया जायेगा।

2. यह आदेश भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग)  
की अधिसूचना संख्या-1(6)/विशेष सेल/83-एस.एम.-II, दिनांक 5-4-83  
का अधिग्रहण करता है।

[सं. 1(10)/विशेष सेल/86-एस.एस.-II-क]

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 17th July, 1986

S.O. 2750.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (C&R) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby direct that the powers exercisable by it under Section 33 of the said Act shall be exercisable by Shri M. Aslam, Deputy Secretary Ministry of Home Affairs, (Rehabilitation Division).

2. This supersedes erstwhile Ministry of I&R (Department of Rehabilitation) Notification No. 1(6)/Spl. Cell/83-SS.II dated 5-4-1983.

[No. 1(10)/Spl. Cell/86-SS.II(A)]

का. प्रा. 2751.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गृह मंत्रालय (पुनर्वास प्रभाग) के उपसचिव श्री मु. असलम को उक्त अधिनियम के अधीन प्रथम उसके द्वारा संयुक्त मुख्य बन्दीवस्त आशुक्त को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के लिए संयुक्त मुख्य बन्दीवस्त आशुक्त नियुक्त करती है।

2. यह आदेश भूतपूर्व श्रम तथा पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की अधिसूचना संख्या-1(8)/83-वि. सैल. एस. एस. II (ख) दिनांक 8-5-1983 का अधिकरण करता है।

3. यह आदेश इस विभाग की अधिसूचना संख्या-1 (3)/वि. सैल./86-एस. एस. II (क) दिनांक 16-5-1986 का भी अधिकरण करता है।

[संख्या-1(10)/वि. सैल/86-एस. एस. II (ख)]

S.O. 2751.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (C&R) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Govt. hereby appoint Shri M. Aslam, Deputy Secretary in the Ministry of Home Affairs (Rehabilitation Division), as Joint Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Joint Chief Settlement Commissioner by or under the said Act.

2. This supersedes erstwhile Ministry of I&R (D.O.R.) notification No. 1(8)/83-Spl Cell/SS.II(B) dt. 8-5-1983.

3. This also supersedes this Deptt.'s Notification No. 1(3)/Spl. Cell/86-SS.II(A) dated 16-5-86.

[No. 1(10)/Spl. Cell/86-SS II(B)]

का. प्रा. 2752.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 का 44) के खण्ड-34, उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निवेश देती है कि उक्त अधिनियम के खण्ड 24 के उपखण्ड-4 के अंतर्गत उक्त द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियां गृह मंत्रालय आन्तरिक सुरक्षा विभाग पुनर्वास प्रभाग में उप सचिव श्री मुहम्मद असलम द्वारा प्रयोग की जाएगी।

2. इससे भूतपूर्व श्रम व पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की अधिसूचना संख्या-1 (8)/83-विशेष कक्ष/एस. एस. II (क) तारीख 18-5-1983 का अधिकरण हो जाता है।

3. यह इस पुनर्वास भाग के तारीख 16-5-1986 अधिसूचना संख्या 1(3)/विशेष कक्ष/86-एस. एस. II (ख) अधिकरण में है।

[संख्या-1(10)/विशेष कक्ष/86-एस. एस. II(ग)]

जी.पी.एस. साहू, संयुक्त सचिव

S.O. 2752.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (C&R) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Govt. hereby direct that the powers exercisable by it under sub-section (4) of Section 24 of the said Act shall be exercisable by Shri M. Aslam, Deputy Secretary in the Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, Rehabilitation Division.

2. This supersedes erstwhile Ministry of I&R (Department of Rehabilitation) notification No. 1(8)/83-Spl. Cell/SS. II(A) dated 18-5-1983.

3. This also supersedes this Deptt.'s Rehabilitation Division's notification No. 1(3)/Spl. Cell/86-SS.II(B) dated 16-5-1986.

[No. 1(10)/Spl. Cell/86-SS.II(C)]

G.P.S. SAHI, Jt. Secy.

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2753.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1980 की धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली के निदेशक श्री ए. वा. मीरचन्दानी को पहली अगस्त, 1986 से विजया बैंक के निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[संख्या एक. 9/7/86-बी. ओ.-1]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 16th July, 1986

S.O. 2753.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management of Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby re-appoints with effect from 1-8-1986 Shri C. W. Mirchandani, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi, as a Director of Vijaya Bank.

[No. F. 9/7/86-BO.I]

S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2754.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (4) के माध्यम से उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (iv) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री टी. एन. बरुआ, प्रबंध निदेशक, असम वित्तीय निगम, गुवाहाटी को तत्काल भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निदेशक नामित करती है।

[सं. एक. 7/19/85-बी. ओ.-1]

एस. एस. सीतारामन, अवसर सचिव

New Delhi, the 22nd July, 1986

S.O. 2754.—In pursuance of sub-clause (iv) of clause (c) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri T. N. Baruah Managing Director, Assam Financial Corporation, Gauhati as Director of the Industrial Development Bank of India with immediate effect.

[No. F. 7/19/85-BO.I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2755.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकरिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दिनांक 31 मार्च, 1987 तक गिरिडीह सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, गिरिडीह (बिहार राज्य) पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. सं. 8-3/86-ए. सी.]

New Delhi, the 22nd July, 1986

S.O. 2755.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Giridih Central Co-operative Bank Ltd., Giridih (Bihar State) from the date of publication of this notification in the official Gazette to 31 March, 1987.

[F. No. 8-3/86-AC]

का. प्रा. 2756.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकरिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दिनांक 31 मार्च, 1988 तक भूपाल डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. सं. 8-3/86-ए. सी.]

S.O. 2756.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Bharatpur District Central Co-operative Bank Ltd. from the date of publication of this notification in the official Gazette of 31 March, 1988.

[F. No. 8-3/86-AC]

का. प्रा. 2757.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकरिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दिनांक 31 मार्च, 1988 तक भूपाल डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. सं. 8-3/86-ए. सी.]

S.O. 2757.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Dungarpur District Central Co-operative Bank Ltd. from the date of publication of this notification in the Official Gazette of 31st May, 1988.

[F. No. 8-3/86-AC]

का. प्रा. 2758.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकरिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख

से दिनांक 31 दिसम्बर, 1987 तक सीतामढ़ी सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सीतामढ़ी (बिहार राज्य) पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. सं. 8-3/86-ए. सी.]

के. पी. पान्डियन, भ्रवर सचिव

S.O. 2758.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Sitamarhi Central Co-operative Bank Ltd., Sitamarhi (Bihar State) from the date of publication of this notification in the Official Gazette of 31st December, 1987.

[F. No. 8-3/86-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

## कार्यालय समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मध्य प्रदेश

इन्दौर, 22 जुलाई, 1986

अधिसूचना संख्या 7/86

का. आ. 2759.—समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क इन्दौर के निम्नलिखित प्रशासनिक अधिकारी समूह 'ख' उनके नाम के आगे बर्णित गई शक्तियों को शासकीय सेवा से स्वेच्छिक सेवा-निवृत्त हुए:—

क्र. सं.	नाम	तिथि
1.	श्री एम. ए. घाटपाण्डे	31-5-86 (अपराह)
2.	श्री एस. व्ही. साठे	30-6-86 (अपराह)

[प. सं. II(3) 2-गोप/86/3728]

एस. व्ही. रामकृष्णन, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: (M.P.)

Indore, the 22nd July, 1986

NOTIFICATION NO.7/86

S.O. 2759.—The following Administrative Officers of Central Excise Group 'B' of Central Excise Collectorate, Indore have voluntarily retired from Govt. Service on the dates as given against each:—

S.No.	Name of the Officer	Date
1.	Shri M.A. Ghatpande	31.5.86(AN)
2.	Shri S.V. Sathe	30.6.86(AN)

[C.No.II(3)2/Con/86/3728]

S.V. RAMAKRISHNAN, Collector

## बाणिज्य संचालय

(सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्गत का कार्यालय)

पटना, 29 नवम्बर, 1985

विषय:—निरसन आदेश।

का. प्रा. 2760.—मैसर्स बकसी पंपर इण्डस्ट्रीज प्रा. लि., बकसी इण्डस्ट्रीज एरिया डाकघर सिलाय, जिला बेगूसराय, बिहार को नीचे विषय अनुसार एक सी. जी. लाइसेंस दिया गया था:—

लाइसेंस सं.	कीमत	वैधता	मर्दे
और दिनांक		अवधि	
पी/सी जी/293-384/सी	51434456 रु. (11900)	24 महीने	(1) एम. जी सिलिङर—एक नग
दिनांक 24-9-1985	डालर)		(2) एम जी सिलिङर प्रेशर रोल—एक नग
			(3) एम जी के लिए दो डाक्टर का—एक नग युप

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमानुक्त प्रयोजन एवं विनियम नियंत्रण प्रतियों दोनों की अनुलिपि प्रतियों को जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन

किया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमानुलूक प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना गुम हो गया है/अस्थानस्त हो गया है/ अनुलिपि प्रतियां पूर्ण मूल्य के लिए अनुरोध किया गया है।

2. आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 के पैरा-86 के अंतर्गत उन्होंने अपने आवेदन के पत्र में विधिवत् प्रत्येक पटना नोटरी से प्रमाणित किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि ऊपर वर्णित लाइसेंस की सीमानुलूक प्रयोजन एवं विनिमय नियंत्रण प्रतियां दोनों ही गुम हो गई हैं/अस्थानस्त हो गई हैं।

3. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(घ) यथा संशोधित के अंतर्गत मुझे प्रदान किए गए प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा ऊपर वर्णित लाइसेंस की दोनों प्रतियों को निरस्त करने के आदेश देता हूँ। लाइसेंस (सीमानुलूक एवं विनिमय नियंत्रण प्रतियां) की अनुलिपि प्रदान करने के उनके मामले पर आयात निर्यात, नियम और प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा-85 के अनुसार प्रलग विचार किया जाएगा।

[सं. सी पी 266/ए यू/ए एम-85/सी जी/60]

बी. सी. बागची, सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Asstt. Chief Controller of Imports and Export)

Patna, the 29th November, 1985

Subject:—Cancellation Order.

S.O.2760—M/s. Barauni Paper Industries Pvt. Ltd., Barauni Industrial Area, P.O. Tilrath, Dist. Begusarai. Bihar was granted a C.G. licence as per details given below:—

Licence No. & Date	Value	Validity period	Items
P/CG/2083984/ C dt. 24.9.85	Rs. 1434456 \$(114900)	24 Months	(1) MG Cylinder 1 No. (2) MG Cylinder Pressure Roll 1 No. & (3) Group of Two Doctors for MG 1 No.

They have requested for issue of duplicate copies of both Customs Purpose and Exchange Control copies of the said licence, on the ground that the original licence has been lost/misplaced without being registered with any Customs Authorities. The duplicate copies have been requested for full value.

2. In support of their request, they have filed affidavit duly sworn in before the Notary Patna in terms of Para 86 of the 'Hand Book of Import Export Procedures 1985-88. I am satisfied that both Customs Purpose and Exchange Control copies of the licence mentioned above have been lost misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(d) of Import (Control) Order, 1955 as amended I hereby order cancellation of both copies of the licence quoted above. Their case will be considered separately for grant of duplicate licence (Customs and Exchange Control copies) in accordance with Para 85 of the Hand Book of Rules and Procedures 1985-88.

[No. CP 266/AU/AM 85/CG/60]

B.C. BAGCHI, Asstt. Chief Controller of Imports & Export

#### उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1986

का. आ. 2761.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मेसर्स एशियन पेंट्स (इंडिया) लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय "निर्मल" 5 वीं मंजिल, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021 है, के पंजीकरण का निरस्तीकरण कथित अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित करती है (पंजीकरण सं. 1728/84 का प्रमाण पत्र)।

[सं. 16/12/86-एम. 3]

धार. डी. मखीजा, सचिव

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 23rd July, 1986

S.O. 2761.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Asian Paints (India) Ltd. having its registered office at 'Nirmal' 5th floor Nari-man Point, Bombay-400021 under the said Act (Certificate of Registration No. 1728/84).

[No. 16/12/86-M.III]

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

#### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1986

का. आ. 2762.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1141 तारीख 13-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस सूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करता है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है:

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से और प्राकृतिक



गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

सोभासन सी. टी. एक से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : साबरकाठा तालुका : प्रमंतीज

गांव	सर्वे न.	हेक्टर	आरे	सेन्टी- यर
1	2	3	4	5
वाघपुर	356	1	14	81
	267	0	22	64
	276	0	27	48
	275/पी	0	16	96
	274/4	0	11	62
	274/3	0	12	60
	274/2	0	23	93
कार्ट ट्रैक	0	01	54	
191	0	17	50	
195	0	10	98	
192	0	03	25	
193	0	11	71	
194	0	00	08	
187/5	0	14	35	
186	0	14	70	
कार्ट ट्रैक	0	01	14	
185	0	00	14	
12	0	03	88	
15	0	19	47	
14/सी/2	0	10	84	
14/सी/1+2/पी	0	14	52	
2	0	03	08	
356/50	0	05	50	
18	0	14	80	
356/41	0	04	92	
356/40	0	03	22	
356/39	0	05	67	
356/38	0	05	13	
356/37	0	06	00	
356/14	0	03	68	
356/18	0	08	27	

[सं. O-12016/33/86/ओ एन जी-डी 4]

#### MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 21st July, 1986

S.O. 2762.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1141 dated 13-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTS TO SABAR DAIRY  
STATE: GUJARAT DISTRICT : SABARKANTHA  
TALUKA PRAMTIJ

Village	Survey	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
WAGHPUR	356	1	14	81
	267	0	22	64
	276	0	27	48
	275/P	0	16	96
	274/4	0	11	62
	274/3	0	12	60
	274/2	0	23	93
	Cart track	0	01	54
	191	0	17	50
	195	0	10	98
	192	0	03	25
	193	0	11	71
	194	0	00	08
	187/5	0	14	35
	186	0	14	70
	Cart track	0	01	14
	185	0	00	14
	12	0	03	88
	15	0	19	47
	14/C/2	0	10	84
	14/B/1+2/P	0	14	52
	2	0	03	08
	356/50	0	05	50
	18	0	14	80
	356/41	0	04	92
	356/40	0	03	22
	356/39	0	05	67
	356/38	0	05	13
	356/37	0	06	00
	356/14	0	03	68
	356/18	0	08	27

[No. O-12016/33/86-ONG-D 4]

का.प्र. 2763—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा, पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.प्र.सं. 1135 तारीख 13-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों

में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अग्रता आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बाधना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी.एफ. से, नाबरहेरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : साबरकांठा	तालुका : हिमतनगर				
गांव	ब्लॉक नं.	सर्वे. नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर	
हाजीपुर	325	248	0	25	09	
	328	247/पी	0	09	14	
	329	249	0	01	01	
	333	254/1	0	19	24	
	334	254/2	0	04	41	
	332	253/पी	0	09	11	
	338	259/1	0	11	61	
	337	259/2/पी	0	11	44	
	339	260	0	16	42	
	341	261	0	18	60	
	341	265	0	13	28	

[सं. O-12016/27/86-ओ एन जी-डी 4]

S.O. 2763.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1135 dated 13-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY  
STATE : GUJARAT DISTRICT : SABARKANTHA  
TALUKA : HIMATNAGAR

Village	Block No.	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Haajipur	325	248	0	25	09
	328	247/P	0	09	14
	329	249	0	01	01
	333	254/1	0	19	24
	334	254/2	0	04	41
	332	253/P	0	09	11
	338	259/1	0	11	61
	337	259/2/P	0	11	44
	339	260	0	16	42
	341	261	0	18	60
	341	265	0	13	28

[N.O-12016/27/86-ONG-D4]

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1986

का.श्रा. 2764—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.के.ई.यू. से रेलवे क्रॉसिंग तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में बिछाई कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुर रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एन.के.ई.यू. से रेलवे क्रॉसिंग तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : चिरमगांव				
गांव	सर्वे. नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर		
बाल सासन	398	0	19	60		

[सं. O-12016/112/86-ओ एन जी-डी-4]

New Delhi, the 23rd July, 1986

S.O. 2764.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of the petroleum from NKEU to Rly crossing in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from NKEU to Rly. Crossing

State : Gujarat District : Ahmedabad : Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centi-are
Balsasan	398	0	19	80

[No. O-12016/112/86-ONG-D4]

का.प्रा. 2765:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.एन.सी.टी. से एस.एन.ए.ओ. (47) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए,

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतत्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है :

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह बहु चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

#### अनुसूची

एस.एन.सी.टी. से एस.एन.ए.ओ. (47) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला व तालुका : मेहसाणा			
गाँव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
कसलपुरा	623	0	00	60
	620	0	05	28
	616	0	06	60
	615	0	04	80
	614	0	01	92

[सं. O-12016/11/86-ओ एन जी-बी-4]

S.O. 2765.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNCT to SNAO (47) in Gujarat

State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission Construction and Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara, (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from SNCT to SNAO (47)

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Acre	Centi-are
Kasalpura	623	0	00	60
	620	0	05	28
	515	0	06	60
	615	0	04	80
	614	0	01	92

[No. O-12016/111/86-ONG-D4]

का.प्रा. 2766:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.बी.डी.जे. से एस.ओ.बी.सी.टी.एक तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस पाइप आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतत्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है :

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह बहु चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## अनुसूची

एस.बी.बी.ओ. से एस.ओ.बी.सी.टी.एफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : मेहसाना

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	घर	सेन्टीयर
हेबुया	102	0	03	24
	104	0	06	36

[नं. O-12016/110/86-अ एन जो-डो-4]

S.O. 2766.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBDJ to SOB CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from SBDJ to SOB. CTF

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi-tare
Hebuya	102	0	03	24
	104	0	06	36

[No. O-12016/110/86/ONG-D4]

का. प्रा. 2767:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.एन.सी.आई.—एस.एन.सी.एस.—एस.एन.सी.बी. से एस.एन.ए. के. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बतत कि उक्त भूमि में हितरुद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि से होने वाले पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और, देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वाडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगे ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, निम्निष्ठितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह सह्य चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी का मार्फत।

## अनुसूची

एस.एन.सी.आई.—एस.एन.सी.एस.—एस.एन.सी.बी. से एस.एन.ए.के. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : मेहसाना

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	घर	सेन्टीयर
कसलपुरा	483	0	05	64
	478	0	08	16
	475	0	22	56
	476	0	12	12
काटे ट्रैक		0	02	04
432	0	08	72	
काटे ट्रैक	0	02	04	
632	0	00	84	
634	0	10	20	
645	0	09	12	
645	0	08	16	
651	0	09	96	

[सं. O-12016/109/86-अ एन जो-बी-4]

S.O. 2767.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNCI-SNCS-SNCB to SNAK in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying each pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from SNCI-SNCS-SNCB to SNAK

State : Gujarat District Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi-tare
1	2	3	4	5
Kasalpura	483	0	05	64
	478	0	08	16
	475	0	22	56
	476	0	12	12

1	2	3	4	5
	Cart track	0	02	04
	432	0	06	72
	Cart track	0	02	04
	632	0	00	84
	634	0	10	20
	645	0	09	12
	645	0	08	16
	651	0	09	96

[No. O-12016/109/86-ONG-D4]

का.पा. 2768:-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में इन्फ्यू.एस.एस.ऐ. से जी.जी.एस.एस.ओ.बी. 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

अतः कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वैश्वभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ;

अनुसूची

इन्फ्यू.एस.एस.ऐ. से जी.जी.एस.एस.ओ.बी.-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	घर.	सेन्टीयर
हेडवा हनुमन्त	161	0	06	10
	221	0	01	40
	223	0	03	60
	224	0	04	00
	225	0	10	10
	226	0	09	00
	227	0	07	70
	228	0	07	50
	230	0	29	10
	2	0	45	00
	3	0	25	20
	5	0	08	50
	9	0	07	20
	8	0	08	70
	30	0	15	60

[सं. O-12016/108/86-ओ एन जी-बी 4]

S.O. 2768.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from WSSA to GGS SOB-1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from WSSA to GGS SOB.1

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Hedva-Hanmant	161	0	06	10
	221	0	01	40
	223	0	03	60
	224	0	04	00
	225	0	10	10
	226	0	09	00
	227	0	07	70
	228	0	07	50
	230	0	29	10
	2	0	45	00
	3	0	25	20
	5	0	08	50
	9	0	07	20
	8	0	08	70
	30	0	15	60

[No. O-12016/108/86-ONG-D4]

का.पा. 2769:-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.के.एफ.एस. से एन.के.जी.जी.एस. II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

अतः कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वैश्वभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी कबन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एम.के. एफ. एस. से एन.के.जी.जी.एस. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : विरमगाम

गांव	सर्वे नं.	हैक्टर	आर	सेन्टीयर
बालसासन	36	0	01	20
	36/1/2	0	09	24
	37/1/4	0	04	44
कार्ट ट्रैक		0	03	12
38		0	11	64
39		0	02	28
कार्ट ट्रैक		0	00	72

[सं. O-12016/107/86-ओ एन जी-डी 4]

पी.के. राजगोपालन, डेस्क प्र

S.O. 2769.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKFM to NK GGS II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from NKFM to NK GGS. II.

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Balsasan	36	0	01	20
	37/1/2	0	09	24
	37/1/4	0	04	44
	Cart track	0	03	12
	38	0	11	64
	39	0	02	28
	Cart track	0	00	72

[No. O-12016/107/86-ONG-D4]

मई दिल्ली, 25 जुलाई, 1986

का.आ. 2770—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में उबका जी.पी.एस. से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी साधनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के मालिक पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

उबका जी.पी.एस. से सरसवणी पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : बडोदरा तालुका : चावर

गांव	कोटन नं.	हैक्टर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
आमला	1223	0	00	48
	1224	0	05	28
	1222	0	05	20
	1219	0	06	00
	1218	0	06	08
	1212	0	05	36
	1189	0	06	00
	1199	0	01	60
	1193	0	06	50
	1192	0	05	12
	1168	0	04	64
	1165	0	06	00
	990	0	04	80
	991	0	03	20
	324	0	05	60
	985	0	05	12
कार्ट ट्रैक		0	00	60
	986	0	04	00
	922	0	05	25
	920	0	05	12
	915	0	05	30
	913	0	14	40
कग्रस		0	01	60
	828	0	05	60
	831	0	07	00
	836	0	11	20

1	2	3	4	5
	कार्टट्रैक	0	00	40
	841	0	04	32
	773	0	13	60
	843	0	09	00

[सं. O-12016/114/86-ओ एन जी डी 4]

New Delhi, the 25th July, 1986

S.O. 2770.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dabka GCS to Sarsawin in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from DABKA G.C.S. to Saraswani

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padara

Village	Block No.	H c- tare	Arc tiare	C n- tiare
1	2	3	4	5
Amla	1223	0	00	48
	1224	0	05	28
	1222	0	05	20
	1219	0	06	00
	1218	0	06	08
	1212	0	05	36
	1189	0	06	00
	1199	0	01	60
	1193	0	06	50
	1192	0	05	12
	1168	0	04	64
	1165	0	06	00
	990	0	04	80
	991	0	03	20
	324	0	05	60
	985	0	05	12
	Cart track	0	00	60
	986	0	04	00
	922	0	05	25
	920	0	05	12
	915	0	05	30
	912	0	14	40
	Kans	0	01	60
	828	0	05	60
	831	0	07	00
	836	0	11	20

1	2	3	4	5
	Cart track	0	00	40
	841	0	04	32
	773	0	13	60
	843	0	09	00

[No. O-12016/114/86-ONG D4]

का.आ.2771.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डबका जी.सी.एस. से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उस भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्यात और देवभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड़, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

## अनुसूची

डबका जी.सी.एस. से सरसवणी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : बड़ोदरा तालुका : पादरा

गांव	प्लॉक नं.	हेक्टर	बार	सेटीयर
1	2	3	4	5
जलानपुर	476	0	06	40
	477	0	06	40
	कार्टट्रैक	0	01	68
	489	0	01	60
	488	0	03	20
	490	0	04	40
	493	0	03	60
	493	0	04	48
	494	0	06	32
	496	0	07	60
	कार्ट ट्रैक	0	00	50
	497	0	00	68
	498	0	05	60
	499	0	02	08
	510	0	12	80
	509	0	01	20
	कार्ट ट्रैक	0	00	80
	31	0	09	52
	63	0	10	40
		0	00	25

1	2	3	4	5
	62/पी	0	10	72
	61	0	04	58
	60	0	05	00
	59	0	04	00
	58	0	00	80
	135	0	08	00
	136	0	08	00
	कार्ट ट्रैक	0	00	56
	137	0	03	20
	139	0	09	80
	140	0	02	08
	160	0	00	96
	159	0	04	48
	158	0	06	08
	157	0	04	52
	156	0	09	44
	153	0	03	12
	152	0	07	20

[सं. ओ-12016/115/86-ओएनजी-डी-4]

1	2	3	4	5
	499	0	02	08
	510	0	12	80
	509	0	01	20
	Cart track	0	00	80
	11	0	09	52
	63	0	10	40
	Cart track	0	00	25
	62/P	0	10	72
	61	0	04	56
	60	0	05	00
	59	0	04	00
	58	0	00	80
	135	0	08	00
	136	0	08	00
	Cart track	0	00	56
	137	0	03	20
	139	0	09	80
	140	0	02	08
	160	0	00	96
	159	0	04	48
	158	0	06	08
	157	0	04	52
	156	0	09	44
	153	0	03	12
	152	0	07	20

[No. O-12016/115/86-ONG D4]

S.O. 2771.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dabka GCS to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Dabka G.C.S. to Saraswani  
State: Gujarat District: Baroda Taluka: Padara

Village	Block No.	Hec- tare	Area	Con- tinue
1	2	3	4	5
Jalalpur	476	0	06	40
	477	0	06	40
	Cart track	0	01	68
	489	0	01	60
	488	0	03	20
	490	0	04	40
	493	0	03	60
	493	0	04	48
	494	0	06	33
	496	0	07	60
	Cart track	0	00	50
	497	0	00	68
	498	0	05	60

का.आ. 2772.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डबका जी.सी.एस. से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन लेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है:

बताते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, लेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और रखरखाव प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

डबका जी.सी.एस. से सरसवणी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।  
राज्य : गुजरात जिला : बड़ोदरा तालुका : पादरा

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	संटीयर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जलालपुर	221	0	01	60
	कार्ट ट्रैक	0	02	40
	223	0	05	76
	222	0	09	28



1	2	3	4	5
	219	0	10	00
	217	0	12	32
	कार्ट ट्रैक	0	01	92
	164	0	05	60
	163	0	03	76
	162	0	06	08
	161	0	05	60
	151	0	00	80
	120	0	08	50
	109	0	13	36
	107	0	01	60
	106	0	02	88
	101	0	14	88
	100	0	02	00

[सं. प्रो-12016/116/86- बी एन जी-बी 4]

S.O. 2772.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dabka GCS to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid, by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Dabka G.C.S. to Saraswani

State: Gujarat District: Baroda Taluka: Padara

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Ambada	221	0	01	60
	Cart track	0	02	40
	223	0	05	76
	222	0	09	28
	219	0	10	00
	217	0	12	32
	Cart track	0	01	92
	164	0	05	60
	163	0	03	76
	162	0	06	08
	161	0	05	60
	151	0	00	80
	120	0	08	50
	109	0	13	36
	107	0	01	60
	106	0	02	88
	101	0	14	88
	100	0	02	00

[No. O-12016/116/86-ONG D4]

का.आ. 2773.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पच्छिम एस.प्रो. बी. 2 से एस.प्रो.बी.-3 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाकड़ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पदार्थलाहन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है:

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवृद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

पच्छिम एस.प्रो.बी.-2 से एस.प्रो.बी.-3 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य : गुजरात जिला : व. त. लुका मेहसाणा।

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	घर	सेंटीयर
1	2	3	4	5
सोमसतन	357/2	0	08	88
	357/3	0	08	04
	366	0	04	44
	367/1/2	0	06	96
	370	0	04	68
	371/372	0	04	80
	कार्ट ट्रैक	0	00	84
	386	0	01	92
	387	0	03	12
	385	0	14	16
	388	0	00	75
	392	0	02	52
	473	0	01	60
	474	0	07	20
	479	0	07	92
	483	0	03	00
	485	0	10	32
	482	0	04	56
	1	0	10	80
	कार्ट ट्रैक	0	01	80
कार्ट ट्रैक	3	0	01	20
	7	0	10	60
	8	0	06	00
	73	0	14	88
	74	0	06	72
	77	0	05	04
	87	0	12	60
	85	0	10	08

[सं. प्रो-12016/117/86-ओएनजी-बी-4]

S.O. 2773.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from West SOB-2 to SOB-3 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra. (390009).

And, every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from West SOB-2 to SOB-3

State : Gujarat District & Taluka : Mahesana

Village	Survey No.	Hectare	Area	Centiare
1	2	3	4	5
Sobhasan	357/2	0	08	88
	357/3	0	08	04
	366	0	04	44
	367/1/2	0	06	96
	370	0	04	68
	371/1	0	04	80
	371/2	0	04	80
	Cart track	0	00	84
	386	0	01	92
	387	0	03	12
	385	0	14	16
	388	0	00	75
	392	0	02	52
	473	0	01	80
	474	0	07	20
	479	0	07	92
	483	0	03	00
	485	0	10	32
	482	0	04	56
	1	0	10	80
	CT	0	01	80
	3	0	01	20
	7	0	10	90
	8	0	06	00
	73	0	14	88
	74	0	06	72
	77	0	05	04
	87	0	12	60
	85	0	10	08

[No. O-12016/117/86-ONG D4]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1986

शुद्धि पत्र

का. घा. 2774.—भारत सरकार के राजपत्र दिनांक 26-10-1985 भाग II खंड 3 उपखंड (ii) के पृष्ठ संख्या 5628-29 पर प्रका-

शित अधिसूचना का. घा. सं. 4942 दिनांक 14-10-85 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के खसरा नंबर निम्न प्रकार पढ़ा जावे:—

1. खसरा नं. 1220 के स्थान पर 1290 पढ़ा जाये।
2. खसरा नं. 44 के स्थान पर 49 पढ़ा जाये।
3. खसरा नं. 1188 रकबा हेक्टेयर 0 आर 19 व सेंटीआर 30 अनुसूची में एतद्वारा जोड़ा जाये।

[सं. 14016/76/84-जीपी]

New Delhi, the 29th July, 1986

#### CORRIGENDUM

S.O. 2774.—In partial modification to the Gazette Notification No. S.O. No. 4942 dated 14th October, 1985 published in the part II section 3, sub-section (ii) of Government of India on 26-10-85 at the page No. 5628-29 the survey Nos. of the land mentioned in schedule may be read as detailed below:—

- (i) Survey No. 1220 read as "1290".
- (ii) Survey No. 44 read as "49".
- (iii) Survey No. 1188 consisting area Hectare 0, Are 19, Centiare 30 hereby added in the list of the schedule.

[No. 14016/76/84-GP]

का. घा. 2775.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. घा. सं. 816 तारीख 1-3-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का प्रस्ताव प्रेषित कर दिया था।

और यतः तत्काल अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, घा. सं. यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, घा. सं. उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अन्तर्गत भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : कसार बरड़ी : तहसील : देहलीबाद जिला : सादुलपुर राज्य मध्यप्रदेश

अनुसूची		
अनु. क्र०	खसरा सं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर्स में)
1.	2.	3.
1.	188	0.105
2.	189	0.243
3.	232	0.016
4.	236	0.004
5.	243	0.073

1	2	3
6.	235	0.234
8.	237	0.324
8.	244	0.154
9.	245	0.097
10.	264	3.460
11.	517	0.113
12.	558	0.069
13.	560	0.010
14.	562	0.010
15.	675	0.218
16.	677	0.520
17.	679	0.100
18.	680	0.110
19.	684	3.320
20.	711	4.800
21.	731	0.130
22.	237/733	0.470
23.	251	2.517

योग : कुल क्षेत्रफल 17.097

[सं. O-14016/536/86-जीपी]

S.O. 2775.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 816 dated 1-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### HBJ Gas Pipeline Project

Village : Khas Birdo, Tehsil: Patlawada, District: Jhabua  
**SCHEDULE**

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectar
1	2	3
1.	188	0.105
2.	189	0.243
3.	232	0.016
4.	236	0.064
5.	243	0.073
6.	235	0.234

1	2	3
7.	237	0.324
8.	244	0.154
9.	245	0.097
10.	264	3.460
11.	517	0.113
12.	558	0.069
13.	560	0.010
14.	562	0.010
15.	675	0.218
16.	677	0.520
17.	681	0.100
18.	682	0.110
19.	683	3.320
20.	711	4.800
21.	731	0.130
22.	237/733	0.470
23.	251	2.517
Total Area		17.097

[No. O-14016/536/86-GP]

का. मा. 2776.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. मा. सं. 818 तारीख 19-2-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को प्राप्त साधनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, सजम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, अतः, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, अतः, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूचक नाम अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	हसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
हासी	हासी	जासी	बढ़ौनी	502	0	22
				553/2	0	12
				1106	0	01

[सं. O-14016/96/84-ओ एन जी-सी-1]

S.O. 2776.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 818 dated 12-2-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

#### Supplementary Case (Schedule)

#### H.B.J. Gas Pipe Line Project

Dis- trict	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Bachauri	502	0—22	
				553/2	0—12	
				1106	0—01	

[No. O-14016/96/84-ONG-D4]

का. प्र. 2777.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. प्र. सं. 820 तारीख 18-2-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और, यतः, संलग्न अधिकांश ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार फाइकलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाता है।

और, आगे, की उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी धाराओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूचक नाम अनुसूची एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जम्मा	तहसील	परगना	ग्राम	गांठा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	कोच	कोच	भदेवरा	329	0	01
				99	0	02
				100	0	03
				405	0	03
				335	0	03
				49	0	02
				380	0	72

[सं. O-14016/144/ त. सं. 4]

S.O. 2777.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 820 dated 19-2-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

#### Supplementary Case (Schedule)

#### H.B.J. Gas Pipe Line Project

Dis- trict	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Bhade- wara	329	0—01	
				99	0—02	
				100	0—03	
				405	0—03	
				335	0—03	
				49	0—02	
				380	0—72	

[No. O-14016/144/84-GP]

का. प्र. 2778.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. प्र. सं. 1298 तारीख 13-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक बाव अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जलपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालीन	जालीन	जालीन	बोलतपुर	354	1	44
				353	0	02

[सं. O-14016/175/84-जीपी]

S.O. 2778.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1298 dated 13-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

Supplementary C.S. (Schedule)

H.B.J. Gas Pip. Lin. Project

Dis- trict	Tehsil	Pargana	Villag	Plot No.	Ar a in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Daulat	354	1—44	
			Pur	353	0—02	

[No. O-14016/175/84-GP]

का. आ. 2779.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 793 तारीख 19-2-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अन्तर्गत घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक बाव अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जलपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
माली	मोंठ	मोंठ	चकलार	182	0	01
			बेलमा			

[सं. O-14016/3/84-जीपी]

S.O. 2779.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 793 dated 19-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

## Supplementary Case (Schedule)

## H.B.J. Gas Pipe Line Project

Dis- trict	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Chak Tore Belma	182	0.01	

[No. O-14016/3/84-GP]

का.बा. 2780.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.बा. सं. 801/19-2-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक काय अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अनपद	तहसील	पर्गना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	कोंच	कोंच	गोरा करतपुर	1	0.03	

[सं. O-14016/82/84-जीपी]

S.O. 2780.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 801 dated 19-2-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

## Supplementary Case (Schedule)

## H.B.J. Gas Pipe Line Project

Dis- trict	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Gorakhan Pur	1	0.03	

[No. O-14016/82/84-GP]

का.बा. 2781.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.बा. सं. 549 तारीख 19/4/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम	तेसरकला	तहसील	जाबुवा	जिला-जाबुवा	राज्य (मध्य प्रदेश)
अनुक्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर्स में),			
1	2	3			
1.	34	0.242			
2.	32	0.405			
3.	31/1	0.200			
4.	31/2	0.241			
5.	39	0.289			
6.	41	0.025			

1	2	3
7.	42	0.243
8.	43	0.591
9.	45	0.224
10.	46	0.008
11.	133	0.333
12.	132	0.016
13.	126	0.032
14.	129	0.380
15.	130/368	0.005
16.	128	0.170
17.	121/2मी.	0.567
18.	121/2मी.	0.041
19.	114 मी.	0.121
20.	111	0.048
21.	113	0.234
22.	106	0.129
23.	107/1	0.030
24.	114मी.	0.251
25.	115	0.004
26.	108./1	0.186
27.	103	0.008
28.	104	0.631
29.	101	0.014
30.	102	0.056

कुल योग :- 0.504

[सं. O-14016/202/84-बीपी]

S.O. 2781.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 549 Date 19-4-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (5 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

## HBJ Gas Pipeline Project

Village: GholarKunla, Tehsil Jhabua, Dist. Jhabua (M.P.)

## SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare.
1	2	3
1.	34	0.242
	32	0.405

1	2	3
3.	31/1	0.200
4.	31/2	0.241
5.	39	0.289
6.	41	0.025
7.	42	0.243
8.	43	0.591
9.	45	0.024
10.	46	0.008
11.	133	0.333
12.	132	0.016
13.	126	0.032
14.	129	0.380
15.	130/368	0.005
16.	128	0.170
17.	121/2 M.	0.567
18.	121/2 M.	0.041
19.	114 M.	0.121
20.	111	0.048
21.	113	0.234
22.	106	0.129
23.	107/1	0.030
24.	114 M.	0.251
25.	115	0.004
26.	108/1	0.186
27.	103	0.008
28.	104	0.631
29.	101	0.014
30.	102	0.056

Total Area

5.504

[No. O-14016/202/84-GP]

का. आ. सं. 2782—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को अधिसूचना का.आ.सं. 548 तारीख 19/4/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना मास्य घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्ष्य शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्ष्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निहित होने के अन्तर्गत भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बीजणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची			
एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट			
ग्राम	मन्सूरिया तहसील	मानुआ जिला-मानुआ राज्य (मध्यप्रदेश)	
अनुक्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)	
1	2	3	
1.	144	0.024	
2.	151	0.004	
3.	145	0.581	
4.	137/1	0.024	
5.	136	0.032	
6.	135	0.495	
7.	146	0.008	
8.	148	0.040	
9.	150/1	0.024	
10.	149/2	0.425	
11.	149/1	0.162	
12.	140	0.146	
13.	138/5	0.041	
14.	137/2	0.057	
15.	158/5	0.237	
16.	138/6	0.008	
17.	139/2	0.016	
18.	139/1	0.033	
19.	155/1	0.048	
20.	155/2	0.041	
21.	159/1	0.064	
22.	159/2	0.121	
23.	160	0.122	
कुल योग :		2.753	

[सं. O-14016/206/84-जीपी]

S.O. 2782.—Where by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 548 Date 19-4-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SHCHEDULE.		
HBJ Gas Pip. Line Project.		
Village Masuriya, Tahsil Jabua, Dist. Jabua, (M.P.)		
Sl.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectars
1	2	3
1.	144	0.024
2.	151	0.004
3.	145	0.581
4.	137/1	0.024
5.	136	0.032
6.	135	0.495
7.	146	0.008
8.	148	0.040
9.	150/1	0.024
10.	149/2	0.425
11.	149/1	0.162
12.	140	0.146
13.	138/5	0.041
14.	137/2	0.057
15.	158/5	0.237
16.	138/6	0.008
17.	139/2	0.016
18.	139/1	0.033
19.	155/1	0.048
20.	155/2	0.041
21.	159/1	0.064
22.	159/2	0.121
23.	160	0.122
Total Area :		2.753

[No. O-14016/206/84-GP]

का. आ. 2783.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 814 तारीख 1-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।



अनुसूची एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट		
ग्राम पायगा तहसील पिछोर जिला-शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)		
अनु. क्र.	खसरा न.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1	2	3
1.	480	0.140
2.	479	0.240
3.	455	0.030
4.	456	0.030
5.	478	0.360
6.	473	0.070
7.	474	0.080
8.	475	0.080
9.	476	0.110
10.	467	0.010
11.	468	0.040
12.	483	0.030
13.	434	0.010
14.	600	0.180
15.	601	0.010
16.	603	0.150
17.	604	0.140
18.	605	0.300
19.	607	0.300
20.	608	0.020
21.	606	0.030
22.	610	0.200
23.	615	0.330
24.	616	0.030
25.	618	0.160
26.	620	0.100
27.	621	0.440
28.	659	0.030
29.	943	0.330
30.	944	0.010
31.	945	0.010
32.	629	0.020
33.	946	0.170
34.	950	0.080
35.	951	0.040
36.	964	0.240
37.	965	0.030
38.	956	0.020
39.	957	0.030
40.	963	0.130
41.	1039	0.050
42.	962	0.150
43.	958	0.020
44.	977	0.010
45.	917	0.080

1	2	3
46.	916	0.030
47.	918	0.130
48.	919	0.140
49.	1010	0.020
50.	1011	0.021
51.	1012	0.010
52.	1013	0.020
53.	1015	0.010
54.	1071	0.040
55.	1072	0.010
56.	1040	0.060
57.	1041	0.020
58.	1044	0.030
59.	1045	0.080
60.	906	0.010
61.	1034	0.030
62.	1046	0.080
63.	1047	0.020
64.	1048	0.060
65.	905	0.020
66.	907	0.010
67.	908	0.073
68.	894	0.050
69.	896	0.030
70.	1066	0.010
71.	1067	0.060
72.	1068	0.030
73.	1069	0.010
74.	1070	0.073
75.	1183	0.040
76.	1164	0.030
77.	1101	0.060
78.	1102	0.030
79.	1103	0.040
80.	1093	0.020
81.	1094	0.080
82.	1095	0.010
83.	1097	0.130
84.	891	0.010
85.	892	0.010
86.	893	0.010
87.	872	0.070
88.	890	0.060
89.	1117	0.030
90.	1096	0.080
योग कुल क्षेत्रफल		6.427

[सं. O-14016/534/86-मो. पी.]

S.O. 2783.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 814 Date 1-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its

intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

##### HBJ Gas Pipeline Project

Village: Payga, Tehsil: Pichhore, District: Shivpuri State: M.P.

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R. O.U. in Hectares
1	2	3
1.	480	0.140
2.	479	0.240
3.	455	0.030
4.	456	0.030
5.	478	0.360
6.	473	0.070
7.	474	0.080
8.	475	0.080
9.	476	0.110
10.	467	0.010
11.	468	0.040
12.	483	0.030
13.	434	0.010
14.	600	0.180
15.	601	0.010
16.	603	0.150
17.	604	0.140
18.	605	0.030
19.	607	0.030
20.	608	0.020
21.	606	0.030
22.	610	0.200
23.	615	0.330
24.	616	0.030
25.	618	0.160
26.	620	0.100
27.	621	0.440
28.	659	0.030
29.	943	0.330
30.	944	0.010
31.	945	0.010
32.	609	0.020
33.	946	0.170
34.	950	0.080
35.	951	0.040
36.	964	0.240
37.	965	0.030
38.	956	0.020
39.	957	0.030

1	2	3
40.	963	0.130
41.	1039	0.050
42.	962	0.150
43.	958	0.000
44.	977	0.010
45.	917	0.080
46.	916	0.030
47.	918	0.130
48.	919	0.140
49.	1010	0.020
50.	1011	0.021
51.	1012	0.010
52.	1013	0.020
53.	1015	0.010
54.	1071	0.040
55.	1072	0.010
56.	1040	0.060
57.	1041	0.020
58.	1044	0.030
59.	1045	0.080
60.	906	0.010
61.	1034	0.030
62.	1046	0.080
63.	1047	0.020
64.	1048	0.060
65.	905	0.020
66.	907	0.010
67.	908	0.073
68.	894	0.050
69.	896	0.030
70.	1066	0.010
71.	1067	0.060
72.	1068	0.030
73.	1069	0.010
74.	1070	0.073
75.	1163	0.040
76.	1164	0.030
77.	1101	0.060
78.	1102	0.030
79.	1103	0.040
80.	1093	0.020
81.	1094	0.080
82.	1095	0.010
83.	1097	0.130
84.	891	0.010
85.	892	0.010
86.	893	0.010
87.	872	0.070
88.	890	0.060
89.	1117	0.030
90.	1096	0.080
Total Area		6.427

[No. O-14016/534/86-GP]

का.पा. 2784.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पादप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के

पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का भा.सं. 1590 तारीख 19-4-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोधना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : मोद तहसील : साबुधा जिला : साबुधा राज्य : मध्य प्रदेश

क्रम-क्र०	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1.	76	0.225
2.	77	0.072
3.	87	0.128
4.	91	0.418
5.	92	0.005
6.	94/1	0.845
7.	97	0.008
8.	98	0.024
9.	99	0.056
10.	53	0.016
11.	55	0.267
12.	54/1	1.330
13.	69/1	0.756
14.	29/1	1.116
15.	31	0.037
16.	43	0.360
17.	44	0.254
18.	45	0.096
19.	38	0.328

कुल योग : 6.341

[नं. O-14016/550/86-जी पी]

S.O. 2784.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1590 Date 19-4-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

##### HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Mod, Tehsil : Jhabua, Distt. : Jhabua (M.P.)

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	76	0.225
2.	77	0.072
3.	87	0.128
4.	91	0.418
5.	92	0.005
6.	94/1	0.845
7.	97	0.008
8.	98	0.024
9.	99	0.056
10.	53	0.016
11.	55	0.267
12.	54/1	1.330
13.	69/1	0.756
14.	29/1	1.116
15.	31	0.037
16.	43	0.360
17.	44	0.254
18.	45	0.096
19.	38	0.328
Total Area		6.341

[No. O-14016/550/86-GP]

का.भा. 2785.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हुजिरा से धरनी से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राथम्य एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस

प्राधिकरण मर्यादित 45, सुभाषनगर, सावेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीख 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा साक्ष्य करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवादी व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम—डोंगर	तहसील—राधोगढ़	जिला—गुना राज्य—मध्य प्रदेश
अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्रफल (हेक्टर में)
1	2	3
1.	225/1	0.858
योग :	कुल क्षेत्रफल	0.858

[सं. O-14016/557/86-जी पी]  
राकेश कक्कर, उप सचिव

S.O. 2785.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such

pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### HBJ Gas Pipe line Project

Village —Donger, Tehsil—Raghogarh, Dist.—Guna  
State—Madhya Pradesh

#### SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	225/1	0.858
Total Area		0.858

[No. O-14016/557/86-GP]  
RAKESH KAKAR, Dy. Secy.

#### साक्ष्य और नागरिक पूर्ति संचालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

#### भारतीय मानक संस्थान

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1986

क्र.अ. 2786.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बियन) नियमावली एवं विनियमावली, 1955, के नियम 3 के उपनियम (2) और विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है, कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के बारे में विवेक दिये गये हैं, वे 1983-04-30 को निर्धारित किये गये हैं।

#### अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा रद्द किये गये भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
1	2	3	4
1.	IS. 262—1982 फॉर्म सल्फेट, हेप्टाहाइड्रेट, की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 262—1967 फॉर्म सल्फेट, हेप्टाहाइड्रेट, की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	---
2.	IS. 797—1982 रासायनिक उद्योगों के लिए सघारण नमक की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS. 797—1976 रासायनिक उद्योगों के लिए सघारण नमक की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	---
3.	*IS. 1223—1982 सरकार विधि से दुग्ध बला के निर्धारण के लिए यंत्र की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 1223 (भाग 1)—1976 सरकार विधि से दुग्ध बला के निर्धारण के लिए यंत्र की विशिष्टि भाग 1. मक्खन स्तेमार्प और डाढ़ (प्रथम पुनरीक्षण) IS. 1223 (भाग 2)—1972 सरकार विधि से दुग्ध बला के निर्धारण के लिए यंत्र की विशिष्टि भाग 2. पिपेट और स्वचालित मापन यंत्र (प्रथम पुनरीक्षण).	भारतीय मानक संस्था प्रमाणन विभाग योजना के प्रयोजन के लिए IS. 1223—1983 1983-10-16 से लागू होगा

1	2	3	4
		IS. 1223 (भाग 3)—1977 गरबर विधि में कुछ ध्वजा के निक्षेपण के लिए यंत्र की विशिष्टि (भाग 3: प्रविष्टि नंबर, अलम्बान (प्रथम पुनरीक्षण)	
4.	IS. 1321 (भाग 1)—1982 केतकी के रस्सों की विशिष्टि भाग 1: कोलतारहीन किस्में (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 1321—1970 केतकी के रस्सों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	---
5.	IS. 1821—1982 काबलोंघोर नेचों के लिए निष्कास- छिद्रों की माप (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 1821—1967 मीट्रिक काबलों के लिए निकास छिद्रों की माप (प्रथम पुनरीक्षण)	---
6.	IS. 2765—1982 रेडियेटर की झोज की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 2765—1964 रेडियेटर की झोज की विशिष्टि	---
7.	IS. 2797—1982 पोटेशियम बोमाइड की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 2797—1964 पोटेशियम बोमाइड की विशिष्टि	---
8.	IS. 3875—1983 हाट ग्रेट मोम समतलन, वस्त्र, की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 3875—1966 हाट ग्रेट मोम समतलन, वस्त्र, की विशिष्टि	---
9.	IS. 3980—1982 गरम धातु पूर्णवृत्त नैसर्गिक धातु (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 3980—1967 डिस्टिल धातुपूर्ण धातु नैसर्गिक धातु	---
10.	IS. 4028—1982 अंगराग उद्योग के लिए विरंजित मधु- मक्खी के मोम की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 4028—1977 अंगराग उद्योग के लिए विरंजित मधुमक्खी के मोम की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	---
11.	IS. 4045—1982 सामुद्रिक लैबालन में प्रयोग के लिए “ए” श्रेणी के चुम्बकीय विकसकों और उनके बक्कों की सामान्य अपेक्षाएं (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 4045—1967 सामुद्रिक लैबालन में प्रयोग के लिए “ए” श्रेणी के चुम्बकीय विकसकों और उन्हें रखने के बक्कों की सामान्य अपेक्षाएं	---
12.	IS. 4147—1981 इलेक्ट्रोड नकियां वाइर एच. प्रेस नकियों के लिए मापन पद्धतियां (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 4147—1967 परम्परागत वाइर इलेक्ट्रो- निक वाइरों के लिए मापन पद्धतियां	---
13.	IS. 4572 (भाग 1)—1982 पोलीएमाइड बहुतात्मक रस्सों, तीन पाम जाने घोर गुण, की विशिष्टि भाग 1: सामान्य (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS. 4572 (भाग 1)—1975 पोलीएमाइड बहुतात्मक रस्सों (हामरलेट) की विशिष्टि भाग 1: सामान्य (प्रथम पुनरीक्षण)	---
14.	IS. 4774 (भाग 2)—1982 पतली भित्ति वाले अर्ध- धातुओं की विशिष्टि भाग 2: कोरदार धातु (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 4774—1968 पतली भित्ति वाले धातुओं और प्रगोद अर्ध-धातुओं की विशिष्टि	---
15.	IS. 5175—1983 पार्लोपीपीलीन रस्सों (3-मड हामर लेट घोर 8 लड़ गुण) की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 5175—1969 मुख्य कार्य के लिए पोली- पीपीलीन रस्सों और रस्सों की विशिष्टि	---
16.	IS. 5216 (भाग 1)—1982 बिजली के कामों में सुरक्षा- प्रक्रियाओं और रीतियों के संबंध में अनुसंधान भाग 1: सामान्य (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 5216—1969 बिजली के कामों में सुरक्षा- प्रक्रियाओं और व्यवहारों के लिए मार्गदर्शन	---
17.	IS. 5432—1982 पूर्ण धातु विज्ञान संख्याएं पारिभाषिक शब्दावली (प्रथम पुनरीक्षण)	IS. 5432—1969 पूर्ण धातु विज्ञान संख्याएं पारिभाषिक शब्दावली	---

1	2	3	4
18.	IS: 5642-1982 सिंथेटिक पूर्णघातु संरचना भागों और सरन्ध्र धातुओं के आर्द्र घनत्व और अन्तर्ग्रन्थ सरन्ध्रता के निर्धारण की पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 5642-1970 छिद्रित पूर्ण घातु संरचना भागों और रेल सिंथेट धातुओं की अन्त-ग्रन्थ सरन्ध्रता के निर्धारण की विधि	---
19.	IS: 6024-1983 फसल काटने वाली मशीनों के लिए की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 6024-1970 राश निहाने वाली मशीनों के लिए चीलों की विशिष्टि	---
20.	IS: 7348 (भाग 2)--1982 दस चिकित्सा संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 2: दन्त अंग और उपकरण (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 7348 (भाग 2)--1975 दन्त चिकित्सा संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 3: दन्त अंग और उपकरण	---
21.	IS: 7879 (भाग 5)--1982 वायुयात्रा एवं अन्तरिक्ष यात्रा संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 5-एयरोड्राइन (हवा से भारी विमान)	---	---
22.	IS: 8213-1983 कृषि संबन्धी ट्रेलर की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS 8213--1976 कृषि सम्बन्धी ट्रेलर की विशिष्टि	---
23.	IS: 9000 (भाग 16)--1983 इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युतीय मर्कों के लिए आधारभूत पर्यावरणीय परीक्षण प्रक्रियाएं भाग 16: चालन वर्षा जल	---	---
24.	IS: 9000 (भाग 22)--1983 इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युतीय मर्कों के लिए आधारभूत पर्यावरणीय परीक्षण प्रक्रियाएं भाग 22: हल्का झुहरा परीक्षण	---	---
25.	IS: 9746 (भाग 1)--1983 तेल-शुद्ध चालित युग्मक के लिए समान कास बोझों की विशिष्टि भाग 1: गड़ी वस्तुओं से बने	---	---
26.	IS: 10232 (भाग 1)--1982 पारिभाषिक शब्दावली भाग 1: शल्य क्रिया द्वारा निरोपणों के लिए सामान्य चिकित्सा संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली	---	---
27.	IS: 10235 (भाग 3)--1982 चिकित्सा विज्ञान संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 3: चिकित्सा शल्य चिकित्सा	---	---
28.	IS: 10240--1982 आयुमान के लिए बिजली के उपकरणों के बास्ते सामान्य आवश्यकताएं	---	---
29.	IS: 10242 (भाग 2% अनुभाग 1)--1982 जहाजों में बिजली लगाने के लिए विशिष्टि भाग 2: प्रणाली डिजाइन, अनुभाग 1: सामान्य	---	---
30.	IS: 10245 (भाग 3)--1982 श्वसन-यंत्र की विशिष्टि भाग 3: साज्जा हवा होज एवं सम्पीड़ित हवा लाइन श्वसन यंत्र	---	---
31.	IS: 10246--1982 एन, एन-डाइपिल-पी-किनाइलीन-डायामाइन, सल्फेट, फोटोग्राफिक ग्रेड, की विशिष्टि	---	---
32.	IS: 10285--1982 दैनिकधारी पीछों के लिए मार्गदर्शक	---	---
33.	IS: 10290--1982 नदी घाटी योजना रखने के मान-चित्र बनाने और फोटो भूविज्ञानिक व्याख्या संबन्धी रीति संहिता	---	---
34.	IS: 10330--1982 उच्च ताप एवं उच्च तापमान वालों के लिए एंस्टरस के बने पैकिंग छल्लों की विशिष्टि	---	---
35.	IS: 10342--1982 पर्दा प्रणाली की विशिष्टि	---	---

1	2	3	4
36.	IS : 10352--1982 सॉलिड तत्त्वों वाली आन्तरिक वेलनाकार वेधन-मशीनों के लिए परीक्षण चार्ट	--	--
37.	IS : 10355--1982 कापर एसोटी आर्सेनाइट की विशिष्टि	--	--
38.	IS : 10363--1982 चूड़ी के चूड़ीदार डबकन लगाने के साधनों का माप	--	--
39.	IS : 10364--1982 चूड़ी के कौनों के बंधाकर लगाने वाले डबकन और बेजेल की माप	--	--
40.	IS : 10365--1982 चूड़ी के कौनों के लिए डबकन जोड़ के बास्ते पैकिंग छल्ले और हार्डिंग की माप	--	--
41.	IS : 10366--1983 चूड़ी के कौनों के क्रिस्टल शायल मुख ध्यातों के माप	--	--
42.	IS : 10367--1983 चूड़ी के कौनों के लिए क्रिस्टल और शायल मुखों (दत्ताकृति अथवा गोलाकार) के माप	--	--
43.	IS : 10368--1983 चूड़ी के कौनों के लिए गति धारकों की माप	--	--
44.	IS : 10373--1982 वियासलाइयों के लिए प्लास्टिक की डिशियों की विशिष्टि	--	--
45.	IS : 10395--1983 स्वेरल हुक, आँख, स्टैलाई नमूने का, की विशिष्टि	--	--
46.	IS : 10399--1982 निष्पल सहक बाह्रों से निकली आवाज के लिए मापन-पद्धतियाँ	--	--
47.	IS : 10400--1983 सूखों नियंत्रण संबंधी पारिभाषिक शब्दावली	--	--
48.	IS : 10408--1983 गीन के नमूने के स्पेक्ट्रा, आँख की विशिष्टि	--	--
49.	IS : 10410--1983 तेल-प्रचालित प्रणालियों के लिए पोलमीत युग्मक समुच्चय के बास्ते तालक डिबरी की विशिष्टि	--	--
50.	IS : 10411--1983 तरल पावर सिलिंडर के लिए अभिहित आघातों के संवन्ध में अनुशासन	--	--
51.	IS : 10442--1983 कागजिह्व की शोकवाने एक बिन्दु पर काटने वाले धोजारों के अभिधान और चिह्नन की पद्धति	--	--
52.	IS : 10413--1983 स्कूटरी और मोटर-साइकिलों की अधिकतम गति की मापन विधि	--	--
53.	IS : 10417--1983 तेल-प्रचालित प्रणालियों के लिए समान स्थिरक युग्मक संयोजन की विशिष्टि	--	--
54.	IS : 10419--1982 फोटो-फिल्म की भुगुणता के निर्धारण की विधि	--	--
55.	IS : 10421--1983 कंकट की मशीनों के लिए शटरिंग/ कामचर्क के यूनिट रेट के विश्लेषण के लिए काम	--	--
56.	IS : 10425--1983 बस-चैनलिंग दूरदर्शन ध्वनियंत्रण की विशिष्टि	--	--
57.	IS : 10432 (भाग 1)--1982 कोषाण इलेमल पात्रों के लिए परीक्षण पद्धतियाँ भाग 1 : इलेमल युक्त दलवा लोहे के परीक्षण के लिए नमूना तैयार करना	--	--

1	2	3	4
58. IS : 10433 (भाग 1)—1983 तेल-प्रवर्धित युग्म के लिए बाह्य हुपेचा टी. पिड (स्टड रम) की विशिष्टि		--	--
भाग 1 : गढ़ाई से बने			
59. IS : 10435 (भाग 1)—1983 कागज रोहित केबलों के लिए उन्मुख बहिरंग टरमिनलों के वास्ते उठे प्रकार के केबल छोर बन्तों की विशिष्टि		--	--
भाग 1 : पट्ट बाण, अनेक कोर नाम केबल, 2 किमी सेड तक के			
60. IS : 10436—1983 बिजली के मलने नाम कडाहिणों घोर गहरे बसा पकाछे बाये पासों की विशिष्टि		--	--
61. IS : 10437—1983 रेडियो प्रेषण उपकरणों के लिए सुरक्षा अपेक्षाएं		--	--
62. IS : 10438—1983 फोटोग्राफी उद्योग के लिए मोट-विमम सल्फाइड, 650 ग्राम/लिटर अनाय बोल की विशिष्टि		--	--
63. IS : 10440—1983 प्रबलित ईट घोर प्रबलित ईट कंक्रीट फर्शों घोर छतों के निर्माण का रीति संहिता		--	--
64. IS : 10441—1983 अयुक्त प्रवाही बणों के प्रत्यमान धनत्व निर्धारण की पद्धति		--	--
65. IS : 10444—1983 ह्यूबिका मिल की विशिष्टि		--	--
66. IS : 10447—1983 हरेकित इस्पात कारखानों के ठोस अपशिष्टों के उपयोग एवं निपटान की दिशानिर्देश		--	--
67. IS : 10448—1983 बिजली की पार्श्व घोर मात लिपटों के लिए रिटार्डिंग कैप की विशिष्टि		--	--
68. IS : 10449—1983 अन्तर्देशीय मत्स्यपालन प्रयोजन के लिए जलित मत्स्य बाजों के परिवहन के वास्ते संहिता		--	--
69. IS : 10450—1983 ताजा पानों की अलजावशासीय मछलियों के परिवहन के लिए संहिता		--	--
70. IS : 10453 (भाग 1)—1983 तेल-प्रवर्धित युग्मों के लिए टेपर बाह्य हुपेचा टी पिड (स्टड रम) की विशिष्टि		--	--
भाग 1 : गढ़ाई से बने			
71. IS : 10462 (भाग 1)—1983 केबलों के बबल आवरणों की मापों के निर्धारण के लिए कल्पित परिकल्प पद्धति भाग 1 : इलेक्ट्रोमेटिक घोर तापमध्य रोहित केबल		--	--
72. IS : 10468—1983 1, 3-फ्लायल-नेडियामाण-4-सस्फोमिक अम्ल की विशिष्टि		--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था मानक भवन, 9, सहायपुराह जफर मार्ग, नयी दिल्ली-110003 और अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकता, हैदराबाद, जयपुर, कोलपुर, मद्रास, मोहावा, पटना घोर तिरुवनंतपुरम स्थित उनके जाबा कार्यालयों में विक्रयार्थ उपलब्ध हैं।  
[सं. सी एम डी 13 : 2]

# MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 16th July, 1986

S.O. 2785—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule here annexed, have been established on 1982-C4-10 :



## SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standards	Remarks, if any
1	2	3	4
1.	IS : 262—1982 Specification for ferrous sulphate, heptahydrate (second revision).	IS : 262—1967 Specification for ferrous sulphate, heptahydrate (first revision).	—
2.	IS : 797—1982 Specification for common salt for chemical industries (third revision)	IS : 797—1976 Specification for common salt for chemical industries (second revision)	—
3.	*IS : 1223—1982 Specification for apparatus for determination of milk fat by gerber method. (second revision).	IS : 1223 (Part I)—1970 Specification for apparatus for determination of milk fat by gerber method. Part I Butyrometers and stoppers (first revision) IS : 1223—(Part II)—1972 Specification for apparatus for determination of milk fat by gerber method : Part-II Pipettes and automatic measures (first revision) IS : 1223 (Part III)—1977. Specification for apparatus for determination of milk fat by gerber method: Part III centrifuges and water-baths (first revision).	For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS : 1223—1982 shall come into force with effect from 1983-10-16.
4.	IS : 1321 (Part I)—1982 Specification for sisal ropes : Part I untwisted varieties (second revision)	IS : 1321—1970 Specification for sisal rope (first revision)	—
5.	IS : 1821—1982 Dimensions for clearance holes for bolts and screws (second revision)	IS : 1821—1967 Dimensions for clearance holes for metric bolts (first revision)	—
6.	IS : 2765—1982 Specification for radiator hose (first revision)	IS : 2765—1964 Specification for radiator hose	—
7.	IS : 2797—1982 Specification for potassium bromide (first revision)	IS : 2797—1964 Specification for potassium bromide	—
8.	IS : 3875—1983 Specification for hot plate, wax levelling, dental (first revision)	IS : 3875—1966 Specification for hot plate, wax levelling, dental	—
9.	IS : 3980—1982 Specification for porous metal powder oil impregnated bearings. (first revision)	IS : 3980—1967 Specification for sintered metal powder-oil impregnated bearings.	—
10.	IS : 4028—1982 Specification for beeswax, bleached for cosmetic industry (second revision)	IS : 4028—1977 Specification for beeswax, bleached, for cosmetic industry (first revision)	—
11.	IS : 4045—1982 General requirements for magnetic compasses and binnacles, class A, for use in sea navigation. (first revision)	IS : 4045—1967 General requirements for magnetic compasses and binnacles, class A, for use in sea navigation.	—
12.	IS : 4147—1981 Methods of measurements for electron tubes—rectifying and transmitting tubes (first revision)	IS : 4147—1967 Method of measurements on conventional rectifying electronic valve	—

1	2	3
13. IS : 4572 (Part I)—1982 Specification for polyamide multifilament ropes hawser-laid and plaited Part I General (second revision)	IS : 4572 (Part I)—1975 Specification for polyamide multifilament ropes (Hawser-laid) Part I General (first revision)	—
14. IS : 4774 (Part II)—1982 Specification for thin-walled half bearings: Part II Flanged bearing (first revision)	IS : 4774—1968 Specification for thin-walled bearings and thrust half-washers	—
15. IS : 5175—1982 Specification for polypropylene ropes (3-5 strand hawser-laid and 8-strand plaited). (first revision)	IS : 5175—1969 Specification for polypropylene lines and ropes for marine purposes.	—
16. IS : 5216 (Part I)—1982 Recommendations on safety procedures and practices in electrical work; Part I General (first revision)	IS : 5216—1969 Guide for safety procedures and practices in electrical works	—
17. IS : 5432—1982 Glossary of terms relating to powder metallurgy (first revision)	IS : 5432—1969 Glossary of terms relating to powder metal- lurgy	—
18. IS : 5642—1982 Method for determination of wet density and interlocking porosity of sintered powder metal structural parts and porous bearings (first revision)	IS : 5642—1970 Method for determination of interlocking poro- sity of sintered powder metal structural parts and oil impregnated bearings.	—
19. IS : 6024—1983 Specification for guards for harvesting machines (first revision)	IS : 6024—1970 Specification for guards for grain harvesting machines.	—
20. IS : 7348 (Part II)—1982 Glossary of terms relating to dentistry Part-II Dental instruments and accessories (first revision)	IS : 7348 (Part II)—1975 Glossary of terms relating to dentistry Part II Dental instruments and accessories.	—
21. IS : 7879 (Part V)—1982 Glossary of aeronautical and astronomical terms part V Aerodynes (Heavier-than-air aircraft)	—	—
22. IS : 8213-1983 specification for agricultural trailer (first revision)	IS : 8213-1976 Specification for agricultural trailer	—
23. IS : 9000 (Part XVI)—1983 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items Part XVI Driving rain test	—	—
24. IS 9000 (Part XXII)—1983) Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items Part XXII Fine mist test	—	—
25. IS : 9746 (Part I)—1983 Specification for equal cross body for oil-hydraulic coupling Part I Made from forgings	—	—
26. IS 10235 (Part I)—1982 Glossary of terms Part I General medical terms for surgical implants	—	—
27. IS 10235 (Part III)—1982 Glossary of terms in orthopaedics Part III Orthopaedic surgery	—	—
28. IS 10240—1982 General requirements for electrical equip- ment for aircraft	—	—

1	2	3	4
29.	IS : 10242 (Part II Sec 1)—1982 Specification for electrical installation in ships Part II System design Section General	—	—
30.	IS : 10243 (Part II.)—1982 Specification for breathing apparatus Part III Fresh air hose and compressed air line breathing apparatus	—	—
31.	IS : 10246—1982 Specification for N, N-dimethyl 1-p-phenylene- diamine, sulphate, photographic grade	—	—
32.	IS : 10285—1982 Guide for tannin bearing plants	—	—
33.	IS : 10290—1982 Code of practice for photogeological inter- pretation and mapping of river valley project sites	—	—
34.	IS : 10330—1982 Specification for formed asbestos packing rings for high pressure and high temperature valves	—	—
35.	IS : 10342—1982 Specification for curtain rail system	—	—
36.	IS : 10355—1982 Test chart for internal cylindrical grinding machines with horizontal spindle	—	—
37.	IS : 10355—1982 Specification for copper aceto arsenite	—	—
38.	IS : 10363—1982 Dimensions for fixing devices for threaded back covers for watch cases	—	—
39.	IS : 10364—1982 Dimensions for snap type back cover and bezel for watch cases	—	—
40.	IS : 10365—1982 Dimensions for packing ring and housing for back cover joint for watch cases	—	—
41.	IS : 10366—1983 Dimensions for crystal and dial opening dia- meters for watch cases	—	—
42.	IS : 10367—1983 Dimensions for crystal and dial openings (shaped circular) for watch cases	—	—
43.	IS : 10368—1983 Dimensions for movement holders for watch cases	—	—
44.	IS : 10373—1982 Specification for plastic boxes or safety matches	—	—
45.	IS : 10395—1983 Specification for scleral hook, eye, Stallard's pattern	—	—
46.	IS : 10399—1982 Methods for measurement of noise emitted by emitted by stationary road vehicles	—	—
47.	IS : 10400 —1983 Glossary of terms in inventory control	—	—
48.	IS : 10408—1983 Specification for spatula, eye, green's pattern	—	—
49.	IS : 10410—1983 Specification for lock nuts for bulk head coupl- ing assembly for oil-hydraulic systems	—	—

1	2	3	4
50.	IS : 10411 1983 Recommendation on nominal strokes for fluid power cylinder	---	---
51.	IS : 10412 1983 System of designation and marking of single point cutting tools with carbide tips	---	---
52.	IS : 10413 1983 Method of measurement of the maximum speed of scooters and motorcycles	---	---
53.	IS : 10417 1983 Specification for equal cross coupling assembly for oil-hydraulic systems	---	---
54.	IS : 10419 1982 Method for determination of brittleness of photographic film	---	---
55.	IS : 10421 1983 Pro forma for analysis of unit rate of shuttering/formwork for concrete items	---	---
56.	IS : 10425 1983 Specification for multichannel television tuner	---	---
57.	IS : 10432 (Part I) 1982 Methods of test for vitreous enamelware : Part I Preparation of specimen for testing enamelled cast iron	---	---
58.	IS : 10433 (Part I) 1983 Specification for male stud the body (stud run for oil-hydraulic coupling : Part I Made from forgings	---	---
59.	IS : 10435 (Part I) 1983 Specification for inverted type cable end boxes for outdoor terminations suitable for paper insulated cables : Part I Bolted type, multicore cables up to and including 11 kv grade	---	---
60.	IS : 10436 1983 Specification for electric frying pans and deep fat fryers	---	---
61.	IS : 10437 1983 Safety requirements for radio transmitting equipment	---	---
62.	IS : 10438 1983 Specification for potassium sulphite, 650 g/l aqueous solution for photographic industry	---	---
63.	IS : 10440 1983 Code of practice for construction of RB and RBC floors and roofs	---	---
64.	IS : 10441 1982 Method of determination of apparent density of non-free flowing powders	---	---
65.	IS : 10444 1983 Specification for hammer mills	---	---
66.	IS : 10447 1983 Guidelines for utilization and disposal of solid wastes from integrated steel plants	---	---
67.	IS : 10448 1983 Specification for retiring cam for electric passenger and goods lifts	---	---

(1)	(2)	(3)	(4)
68. IS : 10449 1983	Code for transport of live fish seeds for inland pisciculture purposes	—	—
69. IS : 10450 1983	Code for transport of fresh water aquarium fish	—	—
70. IS : 10453 Part I 1983	Specification for taper male stud tee body (stud run) for oil-hydraulic couplings : Part I Made from forgings	—	—
71. IS : 10462 (Part I) 1983	Fictitious calculation method for determination of dimensions of protective coverings of cables : Part I Elastomeric and thermoplastic insulated cables	—	—
72. IS : 10468 1983	Specification for 1, 3-phenylene-diamine-4-sulphonic acid	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum

[No. CMD/13 :2]

का. प्र. 2787:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अधिसूची में जिन भारतीय मानकों के संशोधन वर्णित किए गए हैं उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किए गए हैं।

#### अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक की संख्या और सं. पत्रिका	गजट अधिसूचना की संख्या और तिथि जिस में भारतीय मानक का निर्धारण अधिसूचित हुआ था	संशोधन की सं. और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS: 10 (भाग 1)—1976 प्लाईवुड की चाय की पेट्री की विशिष्टि : भाग 1 सामान्य (चोया पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 97 दिनांक 12 फरवरी 1980	*नं. 2 मार्च 1983	सारणी 1 को संशोधित किया गया है।	1983-03-31
2. IS: 73-1961 खड़जे के बिंदुमन की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3082 दिनांक 30 दिसम्बर 1961	नं. 2 मार्च 1983	(i) सारणी-1 को “*” चिह्न वाली पादटिप्पणी के स्थान पर नहीं पादटिप्पणी दी गई है। (ii) सारणी 2 का संशोधित किया गया है और “*” चिह्न वाली पादटिप्पणी को बाद “+” चिह्न वाली पादटिप्पणी जाड़ी गई है।	1983-03-31
3. IS: 303-1975 सामान्य कार्यों की प्लाई-वुड की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 2547 दिनांक 13 अगस्त 1977	नं. 4 मार्च 1983	खंड 6-1-1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31
4. IS: 392-1975 बंडसमन टाइप उपकरण द्वारा बुने कपड़े में जल अवशोषण एवं प्रवेशन ज्ञात करने की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3530 दिनांक 19 नवम्बर 1977	नं. 1 मार्च 1984	यह संशोधन जल अवशोषण ज्ञात करने के लिए दिए गए गुण को सुधारने के लिए जारी किया गया है।	1983-03-31

1	2	3	5
5. IS : 417 (भाग 3)—1974 फुटबल, एस. ओ. 4697 नं. 2 जनवरी 1983 खंड 3 को संशोधित किया गया है। 1983-03-31	बालीबाल, बास्केटबाल, नेटबाल, फीबाल विनांक और जलपौलोबाल की विशिष्टि भाग 3 बास्केटबाल (तीसरा पुनरीक्षण) 1 नवम्बर 1975		
6. IS : 455-1976 पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3822 दिनांक 24 नवम्बर 1979	नं. 1 मार्च 1983	खंड 4.2 को संशोधित किया गया है। 1983-01-31
7. IS : 748-1974 हथकरघे की सुती बोतियाँ (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 776 दिनांक 21 फरवरी 1976	नं. 4 मार्च 1983	(पृष्ठ 4, सारणी 1, किस्म नं. 5, स्तम्भ 4) "202" के स्थान पर "292" करें। 1983-03-31
8. IS : 398 (भाग 4)—1979 शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के चालकों की विशिष्टि : भाग 4 एलु-मिनियम मिश्रधातु के लहदार बालक (एलुमिनियम-मैग्नेशियम सिनीकाल टाइप) (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2863 दिनांक 17 अक्टूबर 1981	नं. 2 मार्च 1984	(i) पृष्ठ 6, खंड 6.2.2, टिप्पणी— "टिप्पणी" के स्थान पर टिप्पणी करें। 1983-03-31 (ii) खंड 12 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (iii) खंड 4.2.2 के अन्तर्गत टिप्पणी 1 के बाद टिप्पणी 2 को जोड़ा गया है।
9. IS : 926-1970 फायरसेन की कुहाड़ी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1635 दिनांक 8 जुलाई 1972	नं. 2 मार्च 1983	(i) खंड 3.3, 7.3 और 7.4 को संशो- 1983-03-31 धित किया गया है। (ii) (पृष्ठ 4 पर "*" चिह्नन वाली और (पृष्ठ 7) पर "+" चिह्नन वाली पाद-टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।
10. IS : 963-1958 वायु-यान प्रयोग के लिए श्रीम-मॉलिब्डेनम इस्पात के सरिय एवं छड़ों की विशिष्टि	एस. ओ. 1438 दिनांक 27 जून 1959	नं. 2 मार्च 1983	(i) खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया 1983-03-31 गया है। (ii) (पृष्ठ 5, खंड 6.2) निम्नलिखित पाद टिप्पणी को 6.2 के बाद जोड़ें : "—" इस्पात के रसायनिक विश्लेषण की विधियाँ"।
11. IS : 1040-1978 कैल्शियम कारबोइड, तकनीकी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2863 दिनांक 17 अक्टूबर 1981	नं. 1 मार्च 1983	सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है 1983-01-31
12. IS : 1063-1963 14 मिमी के स्क्रूिंग प्लेटों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस. ओ. 2370 दिनांक 24 अगस्त 1983	नं. 4 मार्च 1983	(पृष्ठ 8, खंड 0.1, दूसरा वाक्य)—वर्तमान 1983-03-31 के स्थान पर निम्नलिखित कर दें ; "प्रत्येक प्लग को काई बॉर्ड के बक्से से अलग से बांध कर रखा जाएगा"।
13. IS : 1200 (भाग 1)—1974 भवन एवं इंजीनियरी कार्यों की मापन विधि : भाग 1 मिट्टी कार्य (तीसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जनवरी 1983	(i) (पृष्ठ 4, खंड 2.3 (सी). —"0.001 1983-03-31 एम 3" के स्थान पर "0.01 एम 3" कर दें। (ii) खंड 2.7, 4.2.5, 4.8.1 एवं 4.8.2 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं।
14. IS : 1203-1978 डामर एवं बिटमनी सामग्री की परीक्षण विधियाँ : प्रवर्णन मातृकरता (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 फे. 1983	खंड 4.2.3 एवं 5.2 के बाद मशः खंड 1983-03-31 4.2.4 और 5.3 को जोड़ा गया है।
15. IS : 1481-1970 अभियन्तओं के मीटरी इस्पात के पैमानों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1556 दिनांक 24 जून 1972	नं. 1 मार्च 1983	(i) (पृष्ठ 4, खंड 2.1 (सी) पंक्ति 2) 1983-03-31 "1/2 से. मी." के स्थान पर "1/2 मिमी" करें। (ii) सारणी 1 में नई प्रविष्टि की गई है। (iii) खंड 7.2 के बाद खंड 7.3 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खंडों को तदनुसार फिर से संख्यांकित किया गया है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. IS : 1513-1980 डलाई धरों के लकड़ी पैटर्न के उपस्कर को विशिष्टि	--	नं. 1 जनवरी 1983	(i) खंड 4.1 को अनौपचारिक सारणी को संशोधित किया गया है। (ii) खंड 4.2 (ए), 4.4, 4.7, 5.1. 12 तथा 5.1.4:1 को संशोधित किया गया है। (iii) (पृष्ठ 16, आकृति 7)—को हटा दें। (vi) (पृष्ठ 17, सारणी 6, शीर्षक)—“ के स्थान पर” “कर दें।	1983-03-31	
17. IS : 1916-1963 स्टील सिलिन्डर प्रबलित कंक्रीट पाइपों को विशिष्टि	एस. ओ. 2160 दिनांक 3 अगस्त 1983	नं. 1 जनवरी 1983	खंड 3.5 के स्थान पर नया खंड दिया है।	1983-01-31	
18. IS : 1956 (भाग 4)-1975 लोह एवं इस्पात संबंधी पारिभाषिक शब्दावली भाग 4 इस्पात की चढ़र एवं पत्ती (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1596 दिनांक 19 मई 1979	नं. 1 मार्च 1983	(पृष्ठ 11, खंड 2.111, दूसरा वाक्य)— “10 मिमी” के स्थान पर “12 मिमी” कर दें।	1983-03-31	
19. IS : 2081 (भाग 1)-1976 स्वचल वाहनों की बैटरियों के टपर टर्मिनल केबल संयोजितों को विशिष्टि :भाग 1 पीतल टाइप संयोजित (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3822 दिनांक 14 नवम्बर 1979	नं. 3 फरवरी 1983	खंड 0.3 एवं 1.1 को संशोधित किया गया है।	1983-02-31	
20. IS : 2099-1973 1000 वाल्ट से अधिक प्रत्यावर्ती बोल्टता के बुशों को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2939 दिनांक 6 सितम्बर 1975	नं. 2 मार्च 1983	सारणी 4ए को संशोधित किया गया है।	1983-03-31	
21. IS : 2175-1977 स्वचालित विद्युत अग्नि चेतावनी तंत्र में प्रयुक्त ताप संवेदी अग्नि संसूचक को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2064 दिनांक 1 अगस्त 1981	नं. 1 मार्च 1983	(पृष्ठ 7, खंड 5.4.1, पंक्ति 1)—“विकल्प” के स्थान पर (“अतिरिक्त” कर दें)।	1983-03-31	
22. IS : 2199-1962 रेडियल बेधन मशीनों का परीक्षण चाटे	एस. ओ. 1421 दिनांक 25 मई 1963	नं. 3 जनवरी 1983	(i) खंड 0.9 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (ii) पृष्ठ 7 पर क्रम संख्या 6 के सामने स्तम्भ 7 की वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर नई प्रविष्टि दी गई है। (iii) पृष्ठ 7 पर परीक्षण चाटे के अन्त में परिशिष्ट “ए” को जोड़ा गया है।	1983-01-31	
23. IS : 2308-1983 खांचा करने की मशीनों का परीक्षण चाटे	एस. ओ. 2160 दिनांक 3 अगस्त 1963	नं. 1 जनवरी 1983	क्रम संख्या 9 के सामने, स्तंभ 6, परीक्षण मद (बी) का वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर नई प्रविष्टि दी गई है।	1983-03-31	
24. IS : 2386 (भाग 1)-1983 कंक्रीट के मिलाव की परीक्षण विधियां : भाग 1 कण साइज एवं आकृति	एस. ओ. 280 दिनांक 25 जनवरी 1964	नं. 1 जनवरी 1983	खंड 4.2 (बी) का वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री कर ली गई है।	1983-01-31	
25. IS : 2386 (भाग 2)-1963 कंक्रीट के मिलाव की परीक्षण विधियां : भाग 2 हानिकर सामग्री एवं जैविक अशुद्धता का आंकना	एस. ओ. 3590 दिनांक 28 दिस 1983	नं. 1 फरवरी 1983	खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-02-28	
26. IS : 2547 (भाग 6 / खण्ड 4)-1974 काचम सफाई उपकरणों (कांचम की मेट्री) की विशिष्टि भाग 6 पेशावरानों की विशेष अपेक्षाएं खंड 4 विभाजक स्लेब (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2547 दिनांक 13 अगस्त 1977	नं. 2 मार्च 1983	(1) खंड 2.2.1 एवं सारणी के 1 स्थान पर नया खंड एवं सारणी दी गई है। (2) आकृति 1 की वर्तमान टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-03-31	
27. IS : 2643 (भाग 3) 1975 कसने के लिए पाइप बूटियों के आयाम : भाग 3 साइज सीमाएं (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3530 दिनांक 19 नव. 1930	नं. 1 मार्च 1983	(पृष्ठ 2, सारणी 2 स्तम्भ 5, छठी प्रविष्टि) “22.587” के स्थान पर “20.587” कर दें।	1983-03-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. IS : 2720 (भाग 8) 1974 मिट्टी परीक्षण की विधियाँ: भाग 8 भारी कुश्ती में प्रयुक्त जलाशय शुष्क बनसं सम्बन्ध ज्ञात करना	एस. ओ. 1597 दिनांक 8 मई 1976	नं. 2 मार्च 1983	(1) खंड 3.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) (पृष्ठ 5, प्राकृति 1) हटा दें। (3) खंड 3.8, 6.3, 6.4 एवं 6.5 को संशोधित किया गया है। (4) "*" चिह्न वाली (पृष्ठ 7) "+" चिह्न वाली (पृष्ठ 9) और "*" चिह्न वाली (पृष्ठ 10) की पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है। (पृष्ठ 4 पर "+" चिह्न वाली पादटिप्पणी के शब्द "+" नई पादटिप्पणी जोड़ी गई है।	1983-03-31	
29. IS : 2800 (भाग 1) 1975 नलकूपों के निर्माण एवं परीक्षण की रीति संहिता भाग 1 निर्माण (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2322 दिनांक 3 जुलाई 1982	नं. 1 जन. 1983	(1) खंड 2.3 को संशोधित किया गया है। (2) (पृष्ठ 4, प्राकृति 4) "निरिदार पाइप" के स्थान पर "परदा" कर दें।	1983-01-31	
30. IS : 2868 1984 डब्ला बन्द सस्तरा ढाँकों की विशिष्ट	एस. ओ. 2042 दिनांक 26 जून 1985	नं. 1 जन. 1983	(1) खंड 6.1.1 का संशोधन किया गया है। (2) (पृष्ठ 8, "*" चिह्न वाली एवं "+" चिह्न वाली पादटिप्पणी) हटा दें।	1983-01-31	
31. IS : 2892 1980 गैतियों एवं कुवालियों के लकड़ी के हथियों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	---	नं. 1 मार्च 1983	गैतियों और कुवालियों की विशिष्ट में 1 क्रिया सिर वाली उत्खनन गैती के आयाम सम्मिलित किए गए हैं। तदनुसार इस संशोधन द्वारा IS : 2892-1980 में इस भार की गैतियों के लिए उपयुक्त हथ्ये की प्रयोगों को सम्मिलित किया जा रहा है।	1983-30-31	
32. IS : 2911 (भाग 3) 1980 पाइल कीलों के डिजाइन एवं निर्माण की रीति संहिता : भाग 3 अंडर रीमड पाइलस (पहला पुनरीक्षण)	---	नं. 1 जन. 1983	(1) खंड 5.2.2.1, 5.2.3.1, 5.2.3.1 (बी) (डी) एवं ई 3.1 को संशोधित किया गया है। (2) (पृष्ठ 12, "+" चिह्न वाली पादटिप्पणी हटा दें। (3) टिप्पणी 3 (पृष्ठ 14) के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है। (4) "*" चिह्न वाली पादटिप्पणी (पृष्ठ 14) के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है। प्राकृति 2 (पृष्ठ 15) के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है।	1983-03-31	
33. IS : 3234-1979 ब्रिक्स वेट्रोलियम गैस (एल. पी. जी.) सिलिंडरों के प्रतिरिक्त सम्पीडित गैस सिलिंडरों की वाल्वफिटिंग की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	---	नं. 2 जन. 1983	खंड 2.4 और 2.5 को संशोधित किया गया है।	1983-03-31	
34. IS : 3245 1985 (इम्बालन्स मटरों की विशिष्ट	एस. ओ. 1942 दिनांक 2 जुलाई 1986	नं. 1 मार्च 1983	(1) खंड 6.1.1 को संशोधन किया गया है। (2) (पृष्ठ 9 "की" चिह्न वाली "+" चिह्न वाली पादटिप्पणी हटा दें	1983-03-31	
35. IS : 3317 1985 अक्षस्वधीय सुइयों की विशिष्ट	एस. ओ. 2246 दिनांक 30 जुलाई 1986	नं. 4 जन. 1983	खंड 10.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
36. IS: 3390 1977 पारदीय, रुधिरदाह-मायो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1606 दिनांक 14 जून 1980	*नं. 3 मार्च 1983	(1) आकृति 3 (पृष्ठ 5) के स्थान पर नई आकृति दी गई है। (2) खंड 4.8.2.1 और भीर 4.11 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। (3) (पृष्ठ 7, खंड 4.8.3.2 के अन्तर्गत टिप्पणी) संशोधन संख्या एक को भी देखें) हटा दें।	1983-03-31	
37. IS: 3413 1977 कार्बन कागज के आकार कागज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 97 दिनांक 12 जन. 1980	नं. 2 जन. 1983	(पृष्ठ 6, सारणी 1, स्तम्भ 9, क्रम संख्या (1) के सामने) "14.5" के स्थान पर "15.5" कर दें।	1983-03-31	
38. IS: 3436 1978 वायुयान प्रयोग हेतु एलुमिनियम चढ़ी एलुमिनियम मिश्र धातु की चढ़ और पत्ती की विशिष्टि (मिश्रधातु 24345) पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2211 दिनांक 23 अगस्त 1981	नं. 1 जन. 1983	(1) खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) खंड 7.1 एवं खंड 8.2 की प्रतीप-चारिक सारणी का संशोधन किया गया है। (3) सारणी 3 का संशोधन किया गया है।	1983-01-31	
39. IS: 3452 (भाग 2) 1970 गुल्ली स्विचों की विशिष्टि: भाग 2 गुल्ली स्विच, टाइप 1 एवं टाइप 2	एस. ओ. 3544 दिनांक 25 सित. 1971	नं. 2 जन. 1983	(1) सारणी 3 (पृष्ठ 9 एवं 13) का संशोधन किया गया है। (2) (पृष्ठ 13, परिशिष्ट ए) हटा दें।	1983-01-31	
40. IS: 3462 1979 सुन्मय पी. बी. सी. फर्श की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3428 दिनांक 3 सित. 1983	नं. 1 मार्च 1983	(1) सारणी 1 (पृष्ठ 5 एवं 6) का संशोधन किया गया है। (2) खंड 6.1 का संशोधन किया गया है। (3) पृष्ठ 5, 6 एवं 7 पर "*" चिह्न वाली पावटिप्पणी के स्थान पर नई पावटिप्पणी दी गई है।	1983-03-31	
41. IS: 3710 1978 सिलिबरो में गरी हुई मल्ल वाह ब्रवणीय गैसों के भारी अनुपात (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2001 दिनांक 25 जुलाई 1981	नं. 1 फर. 1983	(पृष्ठ 6, सारणी 1, स्तम्भ 3, 15 वां मान) "0.44" के स्थान पर 0.52 किया गया है।	1983-02-28	
42. IS: 3745 1978 छोटे वाकटरी गैस सिलिबरो के जूए जैसे घास संयोजनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जन. 1983	खंड 2.2.1 एवं 2.2.2 को संशोधन किया गया है।	1983-01-31	
43. IS: 3748 1978 तापन कार्य के उपकरण एवं सांचे के इस्तेमाल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2322 दिनांक 3 जुलाई 1982	**नं. 1 फर. 1983	खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-02-28	
44. IS: 3811-1976 रस की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 5 मार्च 1983	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1983-03-31	
45. IS: 4156-1967 बैराइट के नमूने लेने की विधियां	एस. ओ. 1597 दिनांक 19 मई 1978	नं. 1 मार्च 1983	सारणी 1 और 2 का संशोधन किया गया है।	1983-03-31	
46. IS: 4157 (भाग 1)-1981 आग्नि (चोड़े, टट्ट, खप्पर एवं गंधों को रेल, सड़क, वायु तथा समुद्री मार्गों द्वारा परिवहन की संज्ञा) (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 मार्च 1983	प्रथम मुख्य पृष्ठ, पृष्ठ 1 एवं 3 पर शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक किया गया है।	1983-03-31	
47. IS: 4362-1979 मोटरों की नम्बर प्लेट की प्रकाश युक्तियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3450 दिनांक 2 अक्टू. 1982	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 3.1 एवं 7.0.2 को संशोधित किया गया है। 2. "*" चिह्न वाली पावटिप्पणियां (पृष्ठ 4 एवं 9) के स्थान पर नई टिप्पणियां दी गई हैं।	1983-03-31	

\*भा मा संस्था की प्रमाणन चिह्न योजना हेतु यह संशोधन 83-05-16 लागू होगा।

\*\*भा मा संस्था की प्रमाणन चिह्न योजना हेतु यह संशोधन तिथि 1983-09-30 से लागू होगी।

1	2	3	4	5	6
				3. खंड 7.4 से 7.10 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं।	
				4. [पृष्ठ 7, खंड 7.011 (के)]—(के) के पश्चात् निम्नलिखित परीक्षण जोड़ लें : "एम" विन्दु परीक्षण (देखें खंड 7.11)	
				5. (पृष्ठ 7, खंड 7.0.3 पंक्ति 8 नमक छिड़काव परीक्षण) "स्वतः छिड़काव परीक्षण" निम्नलिखित नया परीक्षण जोड़ लें। "विन्दु परीक्षण 1 मसूदा"	
				6. खंड 7.10 के बाद खंड 7.11 को जोड़ा गया है।	
48. IS : 4368-1967 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए गढ़ाई हेतु मिश्रधातु इस्पात की बिलेट ब्लूम एवं स्लैब की विशिष्टि।	एस.ओ. 1367 दिनांक 20 अप्रैल, 1968	नं. 1 फरवरी 1983	खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-02-28	
49. IS : 4431-1978 इस्पात कार्बन एवं कार्बन मैंगनीज की उन्मुक्त कटाई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2584 दिनांक 3 अक्टूबर 1983	नं. 2 मार्च 1983	खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31	
50. IS : 4450-1978 चाबियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2584 दिनांक 3 अक्तू. 1981	नं. 1 जन. 1983	1. खंड 3.1 एवं 3.1.1 की टिप्पणियों के स्थान पर नई टिप्पणियां दी गई हैं। 2. (पृष्ठ 4, खंड 3.1.3, प्रथम पंक्ति) "20" के स्थान पर "10" कर दें।	1983-01-31	
51. IS : 4468-1977 कृषि पहिएदार ट्रैक्टरों के हीम विन्दु-संयोजन के मापन (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 419 दिनांक 23 फर. 1980	नं. 2 जन. 1983	(पृष्ठ 14, सारणी 3 क्रम संख्या) प्रविष्टियों को हटा दें तथा अनुबर्ती क्रम संख्या को तबनुसार फिर से संख्या दें।	1983-01-31	
52. IS : 4522-1979 तापरोधी मिश्र धातु इस्पात की बलार्थ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2863 दिनांक 17 अक्तू. 1981	नं. 1 मार्च 1983	प्रथम आवरण पृष्ठ, पृष्ठ 1 एवं पृष्ठ 3 पर के शीर्षक के स्थान पर नए शीर्षक दिए गए हैं।	1983-03-31	
53. IS : 4826-1978 निर्जल धातुओं की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 3408 दिनांक 13 दिस. 1980	नं. 1 जन. 1983	1. खंड 2.4 के बाद खंड 2.4 को जोड़ा गया है। 2. खंड 4.2.3 के अन्त में नई सामग्री जोड़ी गई है।	1983-03-31	
54. IS : 4931-1977 कृषि कार्यों के ट्रैक्टरों की बिजली चालित घुरी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 419 दिनांक 23 फर. 1980	नं. 3 जन. 1983	सारणी 1 को संशोधित किया गया है।	1983-01-31	
55. IS : 5116-1977 एलपीजी के साथ प्रयुक्त धरेणु व्यापारिक उपस्कर की सामान्य धपेझाएं (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2116 दिनांक 9 अगस्त 1980	नं. 2 मार्च 1983	खंड 25.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31	
56. IS : 5507-1979 50 लिटर की क्षमता वाले रासायनिक फायर इंजन, क्षाय टाइप, की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 358 दिनांक 15 जून 1983	नं. 1 फर. 1983	1. खंड 4.2, 6.9 और 6.11 को संशोधित किया गया है। 2. प्राकृति 1 के वर्तमान शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है। 3. खंड 4.7 के अन्त में नई सामग्री जोड़ी गई है। 4. "5" विन्दु वाली पाद टिप्पणी के बाद "क" विन्दु वाली पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	1983-02-28	
57. IS : 5517-1978 कठोरीकरण एवं कड़ा-पन के इस्पात की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2325 दिनांक 3 जुलाई, 1982	नं. 2 मार्च 1983	खंड 5.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31	
58. IS : 5522-1978 स्टेनलेस इस्पात की पट्टों एवं कुण्डलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2271 दिनांक 29 अग. 1981	नं. 1 मार्च 1983	खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31	

\* सामान्य संस्था की प्रमाणन विन्दु योजना हेतु ये संशोधन 1983-11-30 से लागू होंगे।

1	2	3	4	5	6
59. IS : 5651-1970 बायबीय औद्योगिक इस्पात की विशिष्टि ।	एस.ओ. 3740 दिनांक 9 अक्तू. 1981	नं. 2 मार्च 1983	1. खंड 5.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है । 2. (पृष्ठ 4) पर "+" चिन्ह वाली वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है ।	1983-03-31.	
60. IS : 5694-1970 अभियन्ताओं के रेखा-चित्र उपकरण, डोट पेन	एस.ओ. 1277 दिनांक 27 मई, 1972	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 2.1 और 5.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं । 2. खण्ड 2.3 के बाद 2.4 दिया गया है ।	1983-03-31	
61. IS : 5737-1970 अभियन्ताओं के रेखा-चित्र उपकरण, बक पेन	एस.ओ. 1555 दिनांक 24 जून, 1972	नं. 1 फर. 1983	खंड 5.1 और 7.3 का संशोधन किया गया है ।	1983-02-28	
62. IS : 5994 (भाग 2)-1979 कृषि ट्रैक्टरों की परीक्षण संहिता : भाग 2 प्रयोगशाला एवं मार्ग परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 3274 दिनांक 20 अगस्त 1977	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 0.4 (ए) की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है । 2. खंड 4.1.9 (क) की टिप्पणी के बाद खंड 4.1.1-10 को जोड़ा गया है ।	1983-03-31	
63. IS : 6425-1971 डायोन्टोमीटर (सेस-मापी) की विशिष्टि	एस.ओ. 751 दिनांक 16 मार्च 1974	नं. 2 मार्च 1983	(पृष्ठ 5, खंड 4.2.1) खंड के अन्त में निम्नलिखित वाक्य जोड़ दें : "मांगकर्ता द्वारा मांग किए जाने पर 20 से 0 एवं 0 से +20 डायोपट्रस चिन्हों वाले डायोन्टोमीटर माप ड्रम में सम्मिलित होने चाहिए" ।	1983-03-31	
64. IS : 6504-1979 बिक्रोस रेयन, सूती और प्रोटीन तन्तुओं के लिप्यंगी मिश्रण-परिमाणवात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 1341 दिनांक 3 अप्रैल 1982	नं. 1 अप्रैल 1983	1. खंड 7.3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है । 2. पृष्ठ 8, खंड 9.1 (बी) (3) वर्तमान खंड के बाद निम्नलिखित नया मंत्र जोड़ दें "(सी) परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या"	1983-01-31	
65. IS : 6527-1972 स्टेनलेस इस्पात की तार की छड़	एस.ओ. 1853 दिनांक 27 जुलाई 1974	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है । 2. पृष्ठ 4 पर "*" चिन्ह वाली पाद टिप्पणी के बाद "+" चिन्ह वाली पाद टिप्पणी को जोड़ा गया ।	1983-03-31	
66. IS : 6528-1972 स्टेनलेस इस्पात के तार की विशिष्टि	एस.ओ. 2241 दिनांक 31 अगस्त 1975	नं. 2 मार्च 1983	1. खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है । 2. पृष्ठ 4 पर "+" चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी के बाद "S" चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी जोड़ी गई है ।	1983-03-31 1983-03-31	
67. IS : 6594-1977 इस्पात की तार रस्सियों एवं लहरों की तकनीकी श्रृंखला (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 419 दिनांक 23 फर. 1980	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 8.1, 9.2.1 एवं 9.2.1.1 को संशोधित किया गया है । 2. खंड 5.6.2 के बाद खंड 5.7 को जोड़ा गया है ।	1983-03-31	
68. IS : 6603-1972 स्टेनलेस इस्पात की छड़ों और फलियों की विशिष्टि	एस.ओ. 1290 दिनांक 26 अप्रैल 1975	नं. 3 मार्च 1983	1. खंड 6.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है । 2. पृष्ठ 4 पर "+" चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी के बाद "+" चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी को जोड़ा गया है ।	1983-03-01	
69. IS : 6907-1973 इस्पात की छड़ों के नमूने देने की विधि ।	एस.ओ. 2557 दिनांक 9 अग. 1975	नं. 1 मार्च 1975	1. खंड 3.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है । 2. (पृष्ठ 6, खंड 4.3.1.2) — वर्तमान (खंड के अंत में निम्नलिखित जोड़ दें :— "(खंड 3.1 के अन्तर्गत टिप्पणी को भी देखें)"	1983-03-31	

1	2	3	4	5	6
70	IS : 6979-1973 प्रमस्तिष्कीय पक्षाघाट कुर्सी, तलिकाकार्प, संस्थागत माडल की विशिष्टि।	एस.ओ. 2081 दिनांक 5 जुलाई 1976	नं. 1 मार्च 1983	आकृति 1 (पृष्ठ 2) के स्थान पर नई आकृति दी गई है।	1983-03-31
71	IS : 7008 (भाग 3)—1973 घाई एस ओ मीटरी समलम्बी पेंच की बुद्धियां: भाग 3 डिजाइन रेखाचित्र के मूलभूत आयत।		नं. 1 फर. 1983	(पृष्ठ 5, सारणी 2, दूसरा एवं तीसरा मान, नूरी अन्तराल "पी" के अन्तर्गत नाभिक व्यास 200 के सामने) "20" के स्थान पर "18" और "33" के स्थान पर "32" कर दें।	1983-02-28
72	IS : 7058-1973 टेबल जालों की विशिष्टि	एस.ओ. 2939 दिनांक 6 सित. 1975	नं. 2 मार्च 1983	1. खंड 3.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. खंड 2.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1983-03-31
73	IS : 7299-1974 प्रसाधन उद्योग के लिए खनिज तेल की विशिष्टि	एस.ओ. 987 दिनांक 8 मार्च 1976	नं. 3 फर. 1983	(पृष्ठ 10, खंड ए-5.2.2, पंक्ति 3)— "0.004 जी" के स्थान पर "0.004 एस जी" कर दें।	1983-02-28
74	IS : 7409-1974 संवेदनहारी यन्त्रों के श्वसन उपकरणों की विशिष्टि	एस.ओ. 4697 दिनांक 1 नवंबर 1975	नं. 1 मार्च 1983	1. (पृष्ठ, खंड 0.7) "हटा दें और अनुवर्ती खंडों की फिर संख्या दें। 2. खंड 1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 3. खंड 3.0 का संशोधन किया गया है। 4. आकृति 4 एवं 6 को संशोधन किया गया है। 5. आकृति 2 के बाद आकृति 3 जोड़ी गई है और आकृतियों को फिर से तदनुसार संख्या दी गई है। 6. खंड 3.4 के बाद खंड 3.5 को जोड़ा गया है।	1983-03-31
75	IS : 7825 (भाग 1)—1975 बेल्ना-कर हस्त-चालित घास कर्तक की विशिष्टि भाग 1 पहिलेबार।	एस.ओ. 3439 दिनांक 2 दिसंबर 1978	नं. 1 मार्च 1983	1. (पृष्ठ 10, खंड 7.9) हटा दें तथा अनुवर्ती खंडों का फिर से तदनुसार संख्या दें। 2. (पृष्ठ 10, खंड 10.1 (बी), दूसरी पंक्ति) —"और 7.9" को हटा दें। 3. पृष्ठ 11, परिशिष्ट ए के अन्तर्गत खंड संवर्ध—"और 7.9" को हटा दें। 4. (पृष्ठ 11, खंड ए-4 एवं ए-4)—हटा दें।	1983-03-31
76	IS : 7825 (भाग ए-2)—1975 बेल्ना-कर हस्त-चालित घास कर्तक की विशिष्टि भाग 2 बेल्ना वाली	एस.ओ. 3439 दिनांक 2 दिसंबर 1978	नं. 1 मार्च 1983	खंड 8.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-01-31
77	IS : 7827 (भाग 2)—1975 वैद्युत हवा रोक मोशे के वाइपर की विशिष्टि भाग 2 वाइपर मोटर।	एस.ओ. 313 दिनांक 27 जनवरी 1979	नं. 2 मार्च 1983	खंड 1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31
78	IS : 7914-1975 मानक सेलों की विशिष्टि	एस.ओ. 1596 दिनांक 19 मई 1979	नं. 3 मार्च 1983	1. खंड 9.1.2.0 के स्थान पर नया दिया गया है। 2. सारणी 4 के बाद परिशिष्ट भी जोड़ी गई है।	1983-03-31
79	IS : 7935-1975 1000 बी. तक की नाभिक बोधता वाली थिरोपरि बिजली की तारों की प्रमुनेटर फिटिंगों की विशिष्टि	एस.ओ. 1598 दिनांक 19 मई 1979	नं. 2 फर. 1983	1. खंड 4.8 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. पृष्ठ 10 "—" चिह्न वाली पाठ टिप्पणी— हटा दें।	1983-02-28
80	IS : 7969-1975 मयन निर्माण सामग्री संवाहन एवं भंडार की सुरक्षा संकृति	एस.ओ. 1596 दिनांक 19 मई 1979	नं. 1 फर. 1983	खंड 3.10.2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-02-28

1	2	3	4	5	6
81.	IS : 8112-1976 उच्च क्षमता वाली साधारण पोर्टलैंड सीमेंट की विशिष्टि	एस.ओ. 3820 दिनांक 24 नवंबर 1979	नं. 1 फर. 1983	सारणी 1 को संशोधित किया गया है।	1983-02-28
82.	IS : 8329-1977 पानी, गैस एवं मज-जन हेतु अक्वैडक्ट: कसे (स्पन) तन्व लोहे के बाव पाइपों की विशिष्टि	एस.ओ. 98 दिनांक 12 जनवरी 1980	नं. 2 मार्च 1983	1. सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है। 2. परिशिष्ट, ए के स्थान पर नई परिशिष्ट दी गई है। 3. खंड 5.1 के बाव एक नई टिप्पणी जोड़ी गई है।	1983-03-31
83.	IS : 8737 (भाग 1)-1979 पांच लिटर पानी की क्षमता से अधिक के प्रक्षिप्त पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों के साथ प्रयुक्त वाल्व फिटिंग की विशिष्टि: भाग 1 प्रतिस्थापन कार्य हेतु वाल्व फिटिंगें	एस.ओ. 2862 दिनांक 17 अक्तू. 1981	नं. 2 जन. 1983	खंड 2.3, 2.4 आकृति 5 एवं सारणी 5 को संशोधित किया गया है।	1983-01-31
84.	IS : 8824 (भाग 1)-1978 वैद्युत यंत्रता सामग्री की विशिष्टि: भाग 1 व्याख्यान हेतु	—	नं. 1 जन. 1983	खंड 11.5 की वर्तमान टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-01-31
85.	IS : 9139-1979 कलाई घरों में प्रयुक्त कुशनीय लोड किन्हीं एवं कणों की विशिष्टि	एस.ओ. 1342 दिनांक 3 अप्रैल 1982	नं. 1 फर. 1983	(पृष्ठ 7, खंड 12 एवं 12.1)-हटा दें और अनुवर्ती खंडों की तबनुसार फिर से संख्यांकित करें।	1983-02-28
86.	IS : 9175 (भाग 1)-1979 मीटर एवं सहायक उद्योग हेतु रेगनेलाइज्ड इस्पात: भाग 1 रासायनिक संरचना	एस.ओ. 1342 दिनांक 3 अप्रैल 1982	नं. 1 मार्च 1982	सारणी 1 को संशोधित किया गया है।	1983-03-31
87.	IS : 9223-1979 मिट्टी प्रतिरोधिता माप की विशिष्टि	एस.ओ. 3449 दिनांक फर. 1983	नं. 2 फर. 1983	(पृष्ठ 8, खंड 10.7)-खण्ड के अन्त में निम्नलिखित वाक्य जोड़ दें :— “मिट्टी प्रतिरोधिता मापी खंड 5.1 में दी हुई अपेक्षाओं को पूरा करेगा।”	1983-02-28
88.	IS : 9239-1979 धारकों में वाइडिंग हेतु कसे गण्डियों की विशिष्टि	—	नं. 1 मार्च 1983	1. खंड 4.1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. सारणी 2 के अन्तर्गत वर्तमान टिप्पणी के स्थान नई टिप्पणी दी गई है।	1983-03-31
89.	IS : 9253-1979 छपि के पहिलेवार ट्रेक्टरों की खेत में कार्यकारिता के मूल्यांकन की मार्गदर्शिका	एस.ओ. 2508 दिनांक 17 जुलाई 1982	नं. 1 जन. 1983	(पृष्ठ 4, खंड 0.5) हटा दें तथा अनुवर्ती खंडों को फिर से तबनुसार संख्यांकित करें।	1983-01-31
90.	IS : 9294-1979 रेजर ग्लेड के लिए ग्रीन-वेल्डित स्टेनलेस इस्पात की पत्तियों की विशिष्टि	एस.ओ. 3449 दिनांक 2 अक्तू. 1982	नं. 1 मार्च 1983	खंड 4.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-03-31
91.	IS : 9334-1979 मोटर चालित विद्युतीय प्रेरकों की विशिष्टि	एस.ओ. 3450 दिनांक 2 अक्तू. 1982	नं. 1 मार्च 1983	1. (पृष्ठ 13, सारणी 2, स्तम्भ 1, चौथी प्रविष्टि) —“301 से 501” के स्थान पर “301 से 500” कर दें। 2. खंड 4.11 और 8.2 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं और अनुवर्ती खंडों को फिर से तबनुसार संख्यांकित किया गया है। 3. खंड 4.1 के दूसरे पेरे के बाव नई सामग्री जोड़ी गई है। 4. खंड 4.3 (जिस को फिर से 4.4 संख्या दी गई है) के बाद नई सामग्री जोड़ी गई है। 5. खंड 4.4 (जिसे फिर से 4.5 की संख्या दी गई है मद (ई) के बाव नई सामग्री (एफ) जोड़ी गई है।	1983-03-31

†सारणीय मानक संख्या, को प्रमाणन बिन्दु योजना हेतु यह संशोधन 1983-11-30 से लागू होगा

1	2	3	4	5	6
2.	IS : 73—1961 Specification for paying bitumen (revised)	S.O. 3062 dated 30 December 1961	No. 2 March 1983	(i) Existing foot-note with '**' mark of Table-I has been substituted by a new one (ii) Table II has been amended and a new foot-note with '+' mark has been added after foot-note with '**' mark.	1983-03-31
3.	IS : 303—1975 Specification for plywood for general purposes (second revision)	S.O. 2547 dated 13 August 1977	No. 4 March 1983	Clause 6.1.1 has been substituted by a new one	1983-03-31
4.	IS : 392—1975 Method for determining water absorption and penetration of fabrics using Bundesmann type apparatus (second revision)	S.O. 3530 dated 19 November 1977	No. 1 March 1983	This amendment has been carried out to correct the formula given for determination of absorption of water	1983-03-31
5.	IS : 417 (Part III)—1974 Specification for footballs, volleyballs, basketballs, netballs, throwballs and water-polo balls : Part III Basketballs (Third revision)	S.O. 4697 dated 1 November 1975	No. 2 January 1983	Clause 3.1 has been amended	1983-01-31
6.	IS : 455—1976 Specification for portland slag cement (Third revision)	S.O. 3822 dated 24 November 1979	No. 1 March 1983	Clause 4.2 has been amended	1983-03-31
7.	IS : 748—1974 Specification for handloom cotton dhotis (first revision)	S.O. 776 dated 21 February 1976	No. 4 March 1983	(Page 4, Table 1, Variety No. 5, Col. 4)—Substitute '292' for '202'.	1983-03-31
8.	IS : 398 (Part IV)—1979 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part IV aluminium alloy stranded conductors (Aluminium-magnesium-silicon type) (second revision)	S.O. 2863 dated 17 October 1981	No. 2 March 1983	(i) (Page 6, Clause 6.2.2, Note)—Substitute 'Note 1' for 'Note' (ii) Clause 12 has been substituted by a new one (iii) Note 2 has been added after Note 1 under clause 6.2.2	1983-03-31
9.	IS : 926—1970 Specification for Fireman's axe (first revision)	S.O. 1635 dated 8 July 1972	No. 2 March 1983	(i) Clauses 3.3, 7.3 and 7.4 have been amended. (ii) Foot-notes with '**' mark (Page 4) and with '+' mark (Page 7) have been substituted by new ones.	1983-03-31
10.	IS : 963—1958 Specification for chrome-molybdenum steel bars and rods for aircraft purposes	S.O. 1438 dated 27 June 1959	No. 2 March 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 5, clause 6.2)—Add the following foot-note after 6.2 : 'Methods for chemical analysis of steels'	1983-03-31
11.	IS : 1040—1978 Specification for calcium carbide, technical (second revision)	S.O. 2863 dated 17 October 1981	No. 1 March 1983	Table 1 has been substituted by a new one	1983-03-31
12.	IS : 1063—1963 Specification for 14-mm sparking plugs (revised)	S.O. 2370 dated 24 August 1963	No. 4 March 1983	(Page 8, clause 9.1, second sentence)—Substitute the following for the existing : 'Each plug shall be packed in a cardboard box separately.'	1983-03-31
13.	IS : 1200 (Part I)—1974 Method of measurement of building and civil engineering works Part I Earthwork (third revision).	—	No. 1 January 1983	(i) [Page 4, clause 2.3(c)]—Substitute '0.01m <sup>3</sup> ' for '0.001m <sup>3</sup> '. (ii) Clauses 2.7, 4.2.5, 4.8.1 and 4.8.2 have been substituted by new ones	1983-01-31
14.	IS : 1203—1978 Method for testing tar and bituminous materials : Determination of penetration (first revision)	—	No. 1 February 1983	Clauses 4.2.4 and 5.3 have been added after clauses 4.2.3 and 5.2 respectively	1983-02-28

1	2	3	4	5	6
15.	IS : 1481—1970 Specification for metric steel scales for engineers. (first revision)	S.O. 1555 dated 24 June 1972	No. 1 March 1983	(i) (Page 4, clause 2.1(c) line 2)—Substitute '1/2 mm' for '1/2 cm'. (ii) New entry has been added in Table—1. (iii) Clause 7.3 has been added after clause 7.2 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-03-31
16.	IS : 1513—1980 Specification for wooden pattern equipment for foundries (second revision)	—	No. 1 January 1983	(i) Informal table of clause 4.1 has been amended. (ii) Clauses 4.2(a), 4.4, 4.7, 5.1.1.2 and 5.1.4.1 have been amended. ii) (Page 16, Fig. 7)—Delete. v) (Page 17, Table 6, title)—Substitute 'TABLE for 'TPBLE'.	1983-01-31
17.	IS : 1916—1963 Specification for steel cylinder reinforced concrete pipes.	S.O. 2160 dated 3 August 1963	No. 1 January 1983	Clause 3.5 has been substituted by a new one.	1983-01-31
18.	IS:1956(Part IV)—1975 Gos- sary of terms relating to iron and steel Part IV Steelsheet and strip (first revision)	S.O. 1596 dated 19 May 1979	No. 1 March 1983	(Page 11, clause 2.111, second line)—Substitute '12 mm' for '10 mm'.	1983-03-31
19.	IS : 2081 (Part I)—1976 Specification for taper terminal cable connectors for automobile batteries : Part I Brass type connectors (first revision)	S.O. 3822 dated 24 November 1979	No. 3 February 1983	Clauses 0.3 and 1.11.1 have been amended.	1983-02-28
20.	IS : 2099—1973 Specification for bushings for alternating voltages above 1000 volts (first revision)	S.O. 2939 dated 5 September 1975	No. 2 March 1983	Table 4A has been amended.	1983-03-31
21.	2175—1977 Specification for heat sensitive fire detectors for use in automatic electrical fire alarm system (first revision)	S.O. 2064 dated 1 August 1981	No. 1 March 1983	(Page 7, clause 5.4.1, line 1)—Substitute 'additional' for 'alternate'.	1983-03-31
22.	IS : 2199—1962 Test chart for radial drilling machines	S.O. 1421 dated 25 May 1963	No. 3 January 1983	(i) clause 0.9 has been substituted by a new one. (ii) Existing entries of Col.7 against Sl. No. 6 at page 7 have been substituted. (iii) Appendix 'A' has been added at the end of Test chart at page 7.	1983-01-31
23.	IS : 2308—1963 Test chart for slotting machines	S.O. 2160 dated 3 August 1963	No. 1 January 1983	Existing entries of Test item (b) col. 5, against Sl.No.9 have been substituted.	1983-01-31
24.	IS : 2386 (Part I)—1963 Methods of test for aggregates for concrete : Part I Particle size and shape.	S.O. 280 dated 25 January 1964	No. 1 January 1983	Existing matter of clause 4.2(b) has been substituted.	1983-01-31
25.	IS : 2386 (Part II)—1963 Methods of test for aggregates for concrete : Part II Estimation of deleterious materials and organic impurities.	S.O. 3590 dated 28 December 1963	No. 1 February 1983	Clause 6.1 has been substituted by a new one.	1983-02-28
26.	IS : 2556 (Part VI/Sec. 4)—1974 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china, Part VI Specific requirements of urinals section 4 Partition slabs (resecond revision)	S.O. 2547 dated 13 August 1977	No. 2 March 1983	(i) Clause 2.2.1 and Table 1 have been substituted by new ones (ii) Existing Note of Fig. 1 has been substituted by a new one.	1983-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. IS : 2643 (Part III)—1975 Dimensions for pipe threads for fastening purposes : Part III Limits of sizes (first revision).	S.O. 3530 dated 19 November 1977	No. 1 March 1983	(Page 2, Table 2, col.5, 6th entry)—Substitute '20.587' for 22.587'.		1983-03-31
28. IS : 2720 (Part VIII)—1974 Methods of test for soils : Part VIII Determination of water content-dry density relation using heavy compaction	S.O. 1597 dated 8 May 1976	No. 2 March 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 5, Fig.1)—Delete. (iii) Clauses 3.8, 6.3, 6.4 and 6.5 have been amended. (iv) Foot-notes with '*' mark (Page 7) with '†' mark (Page 9) and with '**' mark (Page 10) have been substituted by new ones. (v) A new foot-note with '†' mark has been added after foot-note with '†' mark at page 4.		1983-03-31
29. IS : 2300 (Part I)—1979 Code of practice for construction and testing of tubewells : Part I Construction. (first revision)	S.O. 2322 dated 3 July 1982	No. 1 January 1983	(i) Clause 2.3 has been amended. (ii) (Page 4, Fig.4)—Substitute 'SCREEN' for 'SLOTTED PIPE'		1983-01-31
30. IS : 2869—1964 Specification for canned orange segments	S.O. 2042 dated 26 June 1965	No. 1 January 1983	(i) Clause 6.1.1 has been amended (ii) (Page 8, foot-note with '*' and '†' marks)—Delete.		1983-01-31
31. IS : 2892—1980 Specification for wooden handles for picks and beaters. (first revision)	—	No. 1 March 1983	IS : 273—1973 Specification for picks and beaters incorporates, through Amendment No.4, dimensions of pick digging head 1kg. Accordingly, the requirements of handle to suit the picks of this mass is being included in IS : 2892—1980 through this amendment.		1983-01-31
32. IS:2911 (Part III)—1980 Code of practice for design and construction of pile foundations : Part III Under-reamed piles (first revision)	—	No. 1 January 1983	(i) Clauses 5.2.2.1, 5.2.3.1, 5.2.3.1.(b) (d) and E-3.1 have been amended. (ii) (Page 12, foot-note with '†' mark) delete. (iii) Note 3 (Page 14) has been substituted by a new one. (iv) Foot-note with '*' mark (Page 14) has been substituted by a new one. (v) Fig. 2 (Page 15) has been substituted by a new one.		1983-03-31
33. IS : 3224—1979 Specification for valve fittings for compressed gas cylinders excluding liquefied petroleum gas (LPG) cylinders (second revision)	—	No. 1 January 1983	Clauses 2.4 and 2.5 have been amended.		1983-01-31
34. IS : 3245—1965 Specification for canned peas	S.O. 1992 dated 2 July 1966	No. 1 March 1983	(i) Clause 6.1.1 has been amended. (ii) (Page 8, foot-notes with '*' and '†' marks)—Delete.		1983-03-31
35. IS : 3317—1965 Specification for needles, hypodermic	S.O. 2246 dated 30 July 1966	No. 4 January 1983	Clause 10.1 has been substituted by a new one.		1983-01-31
36. IS : 3390—1977 Specification for sphygmomanometers, mercurial (first revision)	S.O. 1606 dated 14 June 1980	*No. 3 March 1983	(i) Fig. 1 (Page 5) has been substituted by a new one. (ii) Clauses 4.8.2.1 and 4.11 have been substituted by new ones. (iii) [Page 7, Note under clause 4.8.3.2 (see also Amendment No.1)]—Delete.		1983-03-31

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1983-05-16



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37.	IS : 3413—1977 Specification for base paper for carbon paper (first revision).	S.O. 97 dated 12 January 1980	No. 2 January 1983	[Page 6, Table 1, Co 19, against Sl.No. (i)]—Substitute '15.5' for '14.5'.	1983-01-31
38.	IS : 3436—1978 Specification for aluminium-clad aluminium alloy sheet and strip for aircraft purposes (alloy 24345) (first revision)	S.O. 2211 dated 22 August 1981	No. 1 January 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one. (ii) Clause 7.1 and informal table of clause 8.2 have been amended. (iii) Table 3 has been amended.	1983-01-31
39.	IS : 3452 (Part II)—1970 Specification for toggle switches : Part II Toggle switches, Type I and Type II	S.O. 3544 dated 25 September 1971	No. 2 January 1983	(i) Table 3 (Pages 9 and 13) has been amended. (ii) (Page 13, Appendix A)—Delete.	1983-01-31
40.	IS : 3462—1979 Specification for flexible PVC flooring (first revision)	S.O. 3428 dated 3 September 1983	No. 1 March 1983	(i) Table 1 (Pages 5 and 6) has been amended (ii) Clause 6.1 has been amended. (iii) Foot-note with '*' mark at pages 5, 6 and 7 has been substituted by a new one.	1983-03-31
41.	IS : 3710—1978 Filling attios for low pressure liquefiable gases contained in cylinders (1st revision)	S.O. 2001 dated 25 July 1981	No. 1 February 1983	(Pag 6, Table 1, Col 2, fifteenth value) Substitute '02.52' fo '0.44'	1983-02-28
42.	IS : 3745—1978 Specification for yoke type valve connections for small medical gas cylinders (first revision)	—	No. 2 January 1983	Clauses 2.2.1 and 2.2.2 have been amended.	1983-01-31
42.	IS : 3745—1978 Specification for yoke type valve connections for small medical gas cylinders (first revision)	—	No. 2 January 1983	Clauses 2.2.1 and 2.2.2 have been amended.	1983-01-31
43.	IS : 3748—1978 Specification for tool and die steels for hot work (first revision)	S.O. 2322 dated July 1982	*No. 1 February 1983	Clause 6.1 has been substituted by a new one.	1983-02-28
44.	IS : 3811—1976 Specification for rum (first revision)	—	No. 5 March 1983	Table 1 has been amended	1983-03-31
45.	IS : 4156—1967 Methods for sampling of barytes	S.O. 1597 dated 19 May 1979	No. 1 March 1983	Tables 1 and 2 have been amended	1983-03-31
46.	IS : 4157 (Pt I)—1981 Code for transport of equines (horses, ponies, mules and donkeys) by rail, road, air and sea (first revision)	—	No. 1 March 1983	Title on first cover page, pages 1 and 3 has been substituted	1983-03-31
47.	IS : 4362—1979 Specification for number plate lighting devices for automobiles (first revision)	S.O. 3450 dated 2 Oct 1982	No. 1 March 1983	(i) Clauses 3.1 and 7.0.2 have been amended. (ii) Foot-notes with '*' mark (Pages 4 and 9) have been substituted by new ones. (iii) Clauses 7.4 to 7.10 have been substituted by new ones. (iv) [Page 7, clause 7.0.1 (k)]—Add the following test after (k) : (m) 'Drop test (see 7.11)'. (v) (Page 7, clause 7.0.3, line 8, Salt Spray Test)—Add the following new test after 'Self spray test' : 'Drop test 1 sample'. (vi) Clause 7.11 has been added after clause 7.10	1983-03-31

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1983-09-30.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48. IS : 4368—1967 Specification for alloy steel billets, blooms and slabs for forgings for general engineering purposes	S.O. 1367 dt 20 Apr 1968	No. 1 Feb 1983	Clause 6.1 has been substituted by a new one.	1983-02-28	
49. IS : 4431—1978 Specification for carbon and carbon-manganese free-cutting steel (first revision)	S.O. 2584 dt 3 Oct 1981	No. 2 Mar 1983	Clause 6.1 has been substituted by a new one.	1983-03-31	
50. IS : 4450—1978 Specification for brandies (first revision)	S.O. 2584 dt 3 Oct 1981	No. 1 Jan 1983	(i) Notes of clauses 3.1 and 3.1.1 have been substituted by new ones (ii) (Page 4, clause 3.1.3, first line)—Substitute '10' for '20'.	1983-01-31	
51. IS : 4468—1977 Dimensions for three-point linkage for agricultural wheeled tractors (first revision)	S.O. 419 dt 23 Feb 1980	No. 2 Jan 1983	[Page 14, table 3, SI No. (vi)—Delete the entries and re-number the subsequent SI. No. accordingly	1983-01-31	
52. IS : 4522—1979 Specification for heat resistant alloy steel castings (first revision)	S.O. 2863 dt 17 Oct 1981	No. 1 Mar 1983	Title on first cover, pages 1 and 3 has been substituted by new one.	1983-03-31	
53. IS : 4626—1978 Specification for dehydrated potatoes (first revision)	S.O. 3408 dt 13 Dec 1980	No. 1 Jan 1983	(i) Clause 2.5 has been added after clause 2.4 (ii) New matter has been added at the end of clause 4.2.3	1983-01-31	
54. IS : 4931—1977 Specification for power take-off shaft of agricultural tractors (first revision)	S.O. 419 dt 23 Feb 1980	No. 3	Table 1 has been amended	1983-01-31	
55. IS : 5116—1977 General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG (first revision)	S.O. 2116 dt 9 Aug 1980	*No. 2 Mar 1983	Clause 25.1 (e) has been substituted by a new one	1983-03-31	
56. IS : 5507—1979 Specification for 50-litre capacity chemical fire engine, foam type (first revision)	S.O. 358 dt 15 Jan 1983	No. 1 Feb 1983	(i) Clause 4.2, 6.9, and 6.11 have been amended (ii) Existing caption of Fig 1 has been substituted by new one. (iii) New matter has been added at the end of clause 4.7 (iv) New foot-note with '***' mark has been added after foot-note with '§' mark at page 5	1983-02-28	
57. IS : 5517—1978 Specification for steels for hardening and tempering (first revision)	S.O. 2325 dt 3 Jul 1982	*No. 2 Mar 1983	Clause 5.1 has been substituted by a new one	1983-03-31	
58. IS : 5522—1978 Specification for stainless steel sheets and coils (first revision)	S.O. 2271 dt 29 Aug 1981	*No. 1 Mar 1983	Clause 6.1 has been substituted by a new one	1983-03-31	
59. IS : 5631—1970 Specification for steels for pneumatic tools	S.O. 3740 dt 9 Oct 1971	No. 2 Mar 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted (ii) Existing foot-note with '+' mark (page 4) has been substituted by a new one	1983-03-31	
60. IS : 5694—1970 Specification for engineers drawing instruments, dotting pens	S.O. 1277 dt 27 May 1972	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses 2.1 and 5.1 have been substituted by new ones (ii) Clause 2.4 has been added after clause 2.3	1983-03-31	

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; these amendments shall come into force with effect from 1983-11-30.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
61. IS 5737—1970 Specification for engineers drawing instruments, curve pens	S.O. 1555 dt 24 Jun 1972	No. 1 Feb 1983	Clauses 5.1 and 7.3 have been amended	1983-02-28	
62. IS 5991 (Pt II)—1979 Test code for agricultural tractors Part II Laboratory and track test (first revision)	S.O. 3274 dt 20 Aug 1983	No. 1 Mar 1983	(i) Existing matter of clause 0.4(a) has been substituted by a new one (ii) Clause 4.1.10 has been added after the note of clause 4.1.9(k)	1983-03-31	
63. IS 6425—1971 Specification for dioptrimeter (Lensometer)	S.O. 751 dt 16 Mar 1974	No. 2 Mar 1983	(Page 5, clause 4.2.1)—Add the following new sentence at the end of the clause : 'When required by the indenter the drum may incorporate a dioptric scale with markings from -20 to 0 and 0 to +20 dioptrics.'	1983-03-31	
64. IS 6504—1979 Method for quantitative chemical analysis of ternary mixture of viscose rayon, cotton and protein fibres (first revision)	S.O. 1341 dt 3 Apr 1982	No. 1 Jan 1983	(i) Clause 7.3 has been substituted by a new one (ii) (Page 8, clause 9.1(b)(iii))—Add the following new item after the existing clause : (c) Number of specimens tested.	1983-01-31	
65. IS 6527—1972 Specification for stainless steel wire rod	S.O. 1943 dt Jul 27 1974	No. 1 Mar 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Foot-note with '±' mark has been added after the foot-note with '*' mark at page 4	1983-03-31	
66. IS 6538—1972 Specification for stainless steel wire	S.O. 2241 dt 31 Aug 1975	No. 2 Mar 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Foot-note with '§' mark has been added after the foot-note with '*' mark at page 4	1983-03-31	
67. IS 6594—1977 Technical supply conditions for steel wire ropes and strands (first revision)	S.O. 419 dt 23 Feb 1980	No. 1 Mar 1983	(i) Clause 8.1, 9.2.1 and 9.2.2 have been amended (ii) Clause 5.7 has been added after Clause 5.6.3	1983-03-31	
68. IS 6603—1972 Specification for stainless steel bars and flats	S.O. 1290 dt 26 Apr 1975	No. 3	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Foot-note with '‡' mark has been added after foot-note with '+' mark at page 4	1983-03-31	
69. IS 6907—1973 Methods of sampling steel castings	S.O. 2557 dt 9 Aug 1975	No. 1 Mar 1983	(i) A note has been added after clause 3.1 (ii) (Page 6, clause 4.3.1.2)—Add the following at the end of the existing clause : '(see also Note under 3.1).'	1983-03-31	
70. IS 6979—1973 Specification for cerebral palsy chair, tubular, institutional model	S.O. 2081 dt 5 Jul 1975	No. 1 Mar 1983	Fig 1 (page 2) has been substituted by a new one	1983-03-31	
71. IS 7008 (Pt III)—1973 ISO metric trapezoidal screw threads : Part III Basic dimensions for design profiles	—	No. 1 Feb 1983	(Page 5, Table 2, second and third values, under Pitch 'P' against 'Nominal diameter 200')—Substitute '18' for '20' '32' for '33'.	1983-02-28	
72. IS 7058—1973 Specification for table wines	S.O. 2939 dt 6 Sept 1975	No. 2 Mar 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one (ii) A note has been added after clause 2.1	1983-03-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
73. IS : 7299—1974 Specification for mineral oil for cosmetic industry	S.O. 987 dt 6 Mar 1976	No. 3 Feb 1983	(Page 10, clause A-5.2.2., line 3)—Substitute '0.004 mg' for '0.004 g'	1983-02-28	
74. IS : 7499—1974 Specification for breathing attachment for anaesthetic apparatus	S.O. 4697 dt 1 Nov 1975	No. 1 Mar 1983	(i) (Page 4, clause 0.7)—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly (ii) Clause 1.1 has been substituted by a new one (iii) Clause 3.0 has been amended (iv) Fig 4 and 6 have been amended (v) Fig 3 has been added after Fig 2 and the subsequent figures renumbered accordingly (vi) Clause 3.5 has been added after clause 3.4	1983-03-31	
75. IS : 7825 (Pt I)—1975 Specification for cylinder type hand lawn mower Part I wheel type	S.O. 3439 dt 2 Dec 1978	No. 1 Mar 1983	(i) (Page 10, clause 7.9)—Delete and renumber subsequent clause accordingly (ii) [Page 10, clause 10 1(b), second line]—Delete 'and 7.9.' (iii) (page 11, clause references under Appendix A)—Delete 'and 7.9.' (iv) (Page 11, clauses A-4 and A-4.1)—Delete.	1983-03-31	
76. IS 7825 (Pt II)—1975 Specification for cylinder type hand lawn mower : Part II Roller type	S.O. 3439 dt 2 Dec 1978	No. 1 Mar 1983	Clause 8.6 has been substituted by a new one	1983-03-31	
77. IS : 7827 (Pt II)—1975 Specification for electrical wind screen wipers : Part II wiper motors	S.O. 313 dt 27 Jan 1979	No. 2 Mar 1983	Clause 1.1 has been substituted by a new one	1983-03-31	
78. IS : 7914—1975 Specification for standard coils	S.O. 1596 dt 19 May 1979	No. 3 Mar 1983	(i) Clause 9.1.2.0 has been substituted by a new one (ii) Appendix B has been added after Table 4.	1983-03-31	
79. IS : 7935—1975 Specification for insulator fittings for overhead power lines with a nominal voltage upto and including 1000 V	S.O. 1596 dt 19 May 1979	No. 2 Feb 1983	(i) Clause 4.8 has been substituted by a new one (ii) (Page 10, foot-note with †—mark)—Delete	1983-02-28	
80. IS : 7962—1975 Safety code for handling and storage of building materials	S.O. 1596 dt 19 May 1979	No. 1 Feb 1983	Clause 3.10.2 has been substituted by a new one	1983-02-28	
81. IS : 8112—1976 Specification for high strength ordinary port-land cement	S.O. 3820 dt 24 Nov 1979	No. 1 Feb 1983	Table 1 has amended	1983-02-28	
82. IS : 8329—1977 Specification for centrifugally cast (spun) ductile iron pressure pipes for water, gas and sewage	S.O. 98 dt 12 Jan 1980	No. 2 Mar 1983	(i) Table 1 has been substituted by a new one (ii) Appendix A has been substituted by a new one (iii) A new note has been added after clause 5.1	1983-03-31	
83. IS : 8737 (Pt I)—1979 Specification for valve fittings for use with liquefied petroleum gas (LPG) cylinders of more than 5 litre water capacity Part I Valve fittings for replacement purposes	S.O. 2862 dt 17 Oct 1981	No. 2 Jan 1983	Clauses 2.3, 2.4, Fig 5 and Table 5 has been amended	1983-01-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
84. IS : 8824 (Pt I)—1978 Specification for electrical moisture meters :Part I for food grains	—	No. 1 Jan 1983	Existing note of clause 11.5 has been substituted by a new one	1983-01-31	
85. IS : 9139—1979 Specification for malleable iron shot and grits for use in foundries	S.O. 1342 dt 3 Apr 1982	No. 1 Feb 1983	(Page 7, clauses 12 and 12.1)—Delete and renumber the subsequent clauses accordingly	1983-02-28	
86. IS : 9175(Pt I)—1979 Rationalized steels for the automobile and ancillary industry Part I chemical composition	S.O. 1342 dt 3 Apr 1982	No. 1 Mar 1983	Table 1 has been amended	1983-03-31	
87. IS : 9223—1979 Specification for earth resistance meter	S.O. 3449 dt 20 Oct 1982	No. 2 Feb 1983	(Page 8, clause 10.7)—Add the following sentence at the end of the clause ‘The earth resistance meter shall meet the requirements given in 5.1.’	1983-02-28	
88. IS : 9239—1979 Specification for cast sheaves for winding in mines	—	No. 1 Mar 1983	(i) Clause 4.1.1.1 has been substituted by a new one (ii) Existing note under Table 2 has been substituted by a new one	1983-03-31	
89. IS : 9253—1979 Guidelines for field performance evaluation of agricultural wheeled tractors	S.O. 2508 dt 17 Jul 1982	No. 1 Jan 1983	(Page 4, clause 0.5)—Delete and renumber the subsequent clause accordingly	1983-01-28	
90. IS : 9294—1979 Specification for cold-rolled stainless steel strips for razor blades	S.O. 3449 dt 2 Oct 1982	*No. 1 Mar 1983	Clause 4.1 has been substituted by a new one	1983-03-31	
91. IS : 9334—1979 Specification for electric motor operated actuators	S.O. 3450 dt 2 Oct 1982	No. 1 Mar 1983	(i) (Page 13, Table 2, Col 1, fourth entry)—Substituted ‘301 to 500’ for ‘301 to 501.’ (ii) Clauses 4.1.1 and 8.2 have been substituted by new ones and the subsequent clauses renumbered accordingly (iii) New matter has been added after second para of clause 4.1 (iv) New matter has been added after clause 4.3 (renumbered as 4.4) (v) New matter (f) has been added after clause 4.4 (renumbered as 4.5) item (3) (vi) Clause 4.7 has been added after clause 4.5.2 (renumbered as 4.6.2) (vii) [Page 10, clause 9.1.2(c)]—Add the following new matter after (c) : (d) Test for motor (9.6). (viii) [Page 10, clause 9.1.3( )]—Add the following new matter after (c) : (f) Test for motor (9.6). (ix) Clause 9.7 has been substituted by a new one	1983-03-31	
92. IS : 9361—1980 Specification for alachlor granules	S.O. 358 dt 15 Jan 1983	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses 2.2.1, 2.2.2.1 and 2.3.1 have been substituted by new ones (ii) Clauses 2.2.2, 2.2.3, 2.2.5, 2.3.2 and 2.2.4.1 have been amended (iii) Existing foot-notes with ‘**’ mark (pages 4 and 5) have been substituted by new ones (iv) (Page 4, clause 2.2.3.1)—Delete (v) New matter has been added after clause 2.2.3	1983-03-31	






\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1983-11-30.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
93. IS : 9369—1980 Specification for diazinon granules	S.O. 3611 dt. 24 Sep 1983	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses 2.2.1 and 2.2.2.1 have been substituted by new ones (ii) Clauses 2.2.2., 2.2.3, 2.2.5, 2.3.2 and 2.2.4.1 have been amended (iii) Existing foot-notes with '+' mark (Pages 4 and 5) have been substituted by new ones (iv) (Page 4, clause 2.2.3.1)—Delete (v) New matter has been added after clause 2.2.3	1983-03-31	
94. IS : 9370—1980 Specification for lindane granules	—	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses 2.2.1 and 2.2.2.1 have been substituted by new ones (ii) Clauses 2.2.2, 2.2.3, 2.2.5, 2.3.2 and 2.2.4.1 have been amended (iii) Existing foot-notes with '*' mark (Pages 4 and 5) have been substituted by new ones (iv) (Page 4, clause 2.2.3.1)—Delete (v) New matter has been added after clause 2.2.3	1983-03-31	
95. IS : 9478—1980 Specification for gobar gas plant and equipment	—	No. 1 Jan 1983	(Page 1, title)—Substitute the following for the existing title : 'Indian Standard CAPACITIES AND DIMENSIONS FOR GOBAR GAS PLANT' Clause 5.1 has been substituted by a new one	1983-01-31	
96. IS : 9516—1980 Specification for heat resisting steels	—	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses B-1.1.1, B-2.1 and B-2.3 have been amended (ii) (Page 45, Table 33, caption)—Add the following new matter at the end of the caption : 'FOR MASS AND DIMENSIONAL CHARACTERISTICS, (iii) New matter has been added after clause B-2.3.1	1983-03-31	
97. IS : 9523—1980 Specification for ductile iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage	—	No. 1 Jan 1983	(i) Clauses 5.3.5., 7.1 and 9.3 have been amended (ii) Clause 8.1 has been substituted by a new one (iii) New clause 0.3.1 has been added after clause 0.3	1983-01-31	
98. IS : 9562—1980 Specification for non-metal helmet for police force	—	No. 1 Mar 1983	(i) Page 12, clause 7.3.5, last line)—Delete (ii) Clause 8.7 has been substituted by a new one	1983-03-31	
99. IS : 9575—1980 Specification for power lawn mower, pedestrian-controlled cylinder (reel) type	—	No. 2 Mar 1983	Clause 7.1.2 has been substituted by a new one	1983-03-31	
100. IS : 9798—1981 Specification for low pressure regulator for use with liquefied petroleum gas (LPG) mixtures	—	No. 1 Mar 1983	Clauses 5.1, A-1.4, A-2.3, A-2.4, A-3.2 and A-3.3 have been amended	1983-03-31	
101. IS : 10010—1981 Method for evaluation of strength and shade of pigment dispersion by printing method	—	No. 1 Mar 1983	(i) Clauses 10.1 and 10.3 have been amended (ii) Foot-notes with 'I' mark (page 8) and with '64' mark (page 9) have been substituted by new ones	1983-03-31	
102. IS : 10204—1982 Specification for portable fire extinguisher mechanical foam type	—	No. 1 Feb 1983		1983-02-28	

Copies of these amendments are available from Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg New Delhi-11002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal Bhubaneswar, Bombay Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum.

का. प्र. 2788:भ—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जो मानक विज्ञान उनके डिजाइन, शार्मिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे निर्धारित कर दिये गये हैं। ये भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) अधिनियम 1952 और इसकी अधीन किये गये नियमों तथा विनियमों के निमित्त प्रत्येक के धाने की गई तारीखों से लागू होंगे ;

## अनुसूची


क्रम संख्या	मानक विज्ञान का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक विज्ञान के डिजाइन का शार्मिक विवरण	लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		सोडियम बेजोएट, खाद्य श्रेणी	IS 4447-1967 सोडियम बेजोएट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाया गया ; डिजाइन में निर्देश के अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक संस्था प्रकृत है।	1985-08-16
2.		पोटेशियम मेटाबाई सल्फेट, खाद्य श्रेणी	IS : 4751-1968 पोटेशियम मेटाबाई सल्फेट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाया गया ; डिजाइन में निर्देश के अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक संस्था प्रकृत है।	1985-08-16
3.		अगर, खाद्य श्रेणी	IS : 5707-1970 अगर, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि		1985-09-16
5.		जिलेटिन, खाद्य श्रेणी	IS : 5719-1970 जिलेटिन, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि		1985-09-01
5.		कैल्शियम प्रोपियोनेट, खाद्य श्रेणी	IS : 6031-1971 कैल्शियम प्रोपियोनेट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि		1985-01-16





(सं. सी. एम. डी./13 : 9]

S.O.2788:— In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 of the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard (s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

## SCHEDULE

S l. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the design of the Standard Mark	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.		Sodium benzoate food grade	IS : 4447-1967 Specification for sodium benzoate, food grade	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters "ISI", drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the designs.	1985-08-16

1	2	3	4	5
	Potassium metabisulphate phate, food grade	IS : 4751-1968 Specifi- cation for potassium metabisulphate, food grade	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative pro- portions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1985-07-16
3. 	Agar, food grade	IS : 5707-1970 Specifi- cation for agar, food grade	—do—	1985-09-16
4. 	Gelatin, food grade	IS : 5719-1970 Specifi- cation for gelatin, food grade	—do—	1985-09-01
5. 	Calcium propionate, food grade	IS : 6031-1971 Specifi- cation for calcium pro- pionate, food grade	—do—	1985-01-16

[No. CMD/13 : 9]

क्रा. प्रा. 2789.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहून) विनियम, 1955 के विनियम (7) के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रचलित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मोहर लगाने की फीस अनुसूची में दिये गये धीरों के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस प्रत्येक के आने की गई तारीखों से लागू होंगी :

## अनुसूची

क्रम	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई की मुहराफ्त फीस	लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सोडियम बेंजोएट, खाद्य श्रेणी	IS : 4447-1967 सोडियम बेंजोएट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	एक कि. ग्रा.	5 पैसे	1985-08-16
2.	पोटेशियम मेटाबाइसल्फेट, खाद्य श्रेणी	IS : 4751-1968 पोटेशियम मेटाबाइसल्फेट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	एक कि. ग्रा.	5 पैसे	1985-07-16
3.	अगर, खाद्य श्रेणी	IS : 5707-1970 अगर, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	एक कि. ग्रा.	5 पैसे	1985-09-16
4.	जिलेटिन, खाद्य श्रेणी	IS : 5719-1970 जिलेटिन, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	एक कि. ग्रा.	(1) पहली 10000 इकाइयों के लिए 50 पैसे प्रति इकाई, और (2) 10001वीं तथा इससे अधिक के लिए 25 पैसे प्रति इकाई	1985-09-01
5.	कैल्शियम प्रोपियोनेट, खाद्य श्रेणी	IS : 6031-1971 कैल्शियम प्रोपियोनेट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	एक कि. ग्रा.	(1) पहली 60000 इकाइयों के लिए 10 पैसे प्रति इकाई (2) 60001वीं तथा 150000 तक इकाइयों के लिए 5 पैसे प्रति इकाई, और (3) 150001वीं और इससे अधिक इकाइयों के लिए 2.5 पैसे प्रति इकाई	1985-01-16

[सं. सी एस जी / 13 : 10]



S.O. 2789.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Sodium Benzoate, food grade	IS : 4447-1967 Specification for sodium benzoate, food grade	One Kg	5 Paise	1985-08-16
2.	Potassium metabisulphate, food grade	IS : 4751-1968 Specification for potassium metabisulphate, food grade.	One Kg	5 Paise	1985-07-16
3.	Agar, food grade	IS : 5707-1970 Specification for agar, food grade	One Kg	5 Paise	1985-09-16
4.	Gelatin, food grade	IS : 5719-1970 Specification for gelatin, food grade	One Kg	(i) 50 Paise per unit for the first 10000 units and (ii) 25 Paise per unit for the 10001st unit and above	1985-09-01
5.	Calcium propionate, food grade	IS : 6031-1971 Specification for calcium propionate, food grade	One Kg	(i) 10 Paise per unit for the first 50000 units; (ii) 5 Paise per unit for the 50001st to 150000 units and (iii) 2.5 Paise per unit for the 150001st unit and above	1985-01-16

[No. CMD/13 : 10]

क्र. अ. 2790—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिस 107 लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं। वे लाइसेंसधारियों को मानक संबंध मुहर लगाने का अधिकार देते हुए जून 1983 में स्वीकृत किये गये हैं।

## अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या (सीएम/एल)	मैदानी की अवधि से तक	लाइसेंसधारी का नाम तथा पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और संख्या : पदनाम
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-1195450 1983-06-01	83-06-16 84-06-15	सिमको मोटरस लि., मीटर फैक्ट्री रोड, तिरुचिपल्ली-620021	एक फेजो होल करंट वाटमावर मीटर, श्रेणी-2 20-40 ए-करंट रेटिंगों तक 722(भाग 2)-1977
2.	सीएम/एल-1195551 1983-06-03	83-06-16 84-06-15	जे. के. बिजनस मशीन लि. 133-134, जी- आईडीसी इंडस्ट्रियल तकनीकी हस्टेट, प्रकल्पवर-393002, (कार्यालय: 2 मंगोई लेन, कलकत्ता-700001)	कार्बोन जेजिंग (एम सी सी) IS: 8445-1977
3.	सीएम/एल 11956 52 1983-06-03	83-06-16 84-06-15	श्रीयोगिणी प्रयोग के लिए, संश्लेषित अपमार्जक, किस्म 3	श्रीयोगिणी प्रयोग के लिए संश्लेषित अपमार्जक, किस्म 3 IS: 4956-1977
4.	सीएम/एल-11957 53 1983-06-03	83-06-16 84-06-15	अम्प्लाजमा प्रा. लि., बी-96, बजीर पुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली -110052	1100 बोल्डता तक की कार्यकारी बोल्डता के लिए एलुमिनियम बालकों वाले पीवीसी संश्लेषित खोल सहित और खोल रहित केबल, बहिरंग/निम्न दाब अबस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर IS: 694-1977
5.	सी एम/एल-11958 54 1983-06-03	83-06-16 84-06-15	एंग्लो इंक वेंचर्स कलर एंड कारमिज वर्क्स (पी) लि., 50 शिवाजी मार्ग, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110015	सोमेट रंगन, वांछित रंग का IS: 5410-1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. सीएम/एल—11959-53 1983-06-02	83-06-16	84-06-15	मेरठ स्पोर्ट्स सिडिकेट, 25—27, सिक्सोपिया पार्क, स्पोर्ट्स कलोनी, मेरठ—250001 (उ.प्र.)	क्रिकेट गेंद, ग्रेड 1—IS:416—1978	
7. सीएम/एल—11960-48 1983-06-02	1983-02-16	84-02-15	मुप्ररबेम राबेसी, गाँव, गेजबेल तेलगु, मेडक (जिला) (आंध्र प्रदेश) कार्यालय 1-1-535 गांधी नगर, बाकाराम हैदराबाद-500380),	स्पिंडल तेल, सभी ग्रेड IS:493(भाग 2)—1981	
8. सीएम/एल—11961-49 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	ए. के. एरप्रार्डिज, सूरज कंडरीड, मेरठ—250001 (उ.प्र.)	क्रिकेट गेंद, ग्रेड 1—416—1978	
9. सीएम/एल—11962-50 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	पस्टो चेम इंडिया, 320 कारवाल नगर, लोनी रोड शाहपुरा, दिल्ली—110084, (कार्यालय: 966-87 गली तेलियन नावहटी सिनेमा के पीछे, दिल्ली—110006)	एलियम 30%ई. सी IS:1307:1973	
10. सीएम/एल—11963-51 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	नरहरी इंडी. वर्क्स, शाह इंडस्ट्रियल इस्टेट अमबोली हिल, बारसोबा रोड, मंथेरी (मध्यप्र.) बम्बई—400058	ग्रेड प्रयुक्त के लिए अपकेंद्रीय पम्पोइस 3 फेजी रिफरल केज प्रेरण मोटरें, 2.2 किलो वाट क्षेपी ई रोशन —IS:7578—1978	
11. सीएम/एल—11964-52 1983-06-03	83-06-01	84-05-31	कीन पस्टीसाईडस (पी) लि. एलबयो मुल्तर रोड, साउथ बसार्कुलम, से एलबयो, अर्नकुलम (जिला) कार्यालय पी. पी. नं. 1190 अर्नकुलम (कोचीन)	एंथोसल्फाम, 35%ईसी 4323—1980	
12. सीएम/एल—11965-53 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	स्वरूप केमिकलस (पी) लि., वाटर बर्स्ट रोड, ऐस बाग, लखनऊ—221003	धिरम 75%इल्यू डी पी IS:4766—1968	
13. सीएम/एल—11966-54 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	इंडियन एलुमिनियम केबलस लि., 12/1 माईलस्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद—121003	3.3 किलो बोल्टस को कार्यकारिता वाले तांबे के बालको वाले पी पी सी रोधित (भारी काम के) विद्युतीय और खनन केबल IS:1554 (भाग 2)—1981	
14. सीएम/एल—11967-55 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	मिनोटी इंडीनियरिंग वर्क्स, 32, धक्तर रोड, हावड़ा-711308	कपाट वाल्व सभी साइज और संकेतिक छाप वाले : 780—1980	
15. सीएम/एल—11968-56 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	इलेक्ट्रोकेल एंड टेली-कामनीकेण बायर्स (इंडिया) एम-6, इंडस्ट्रियल एरिया, मिकेंद्राबाद (उ.प्र.)	जिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्यात प्रबलित एल्युमीनियम बालक— IS:398(भाग-2)—1976	
16. सीएम/एल—11969-57 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	हिन्दुस्तान सेन्ट्री कं., नजदीक केनल त्रिज, गोरया (पी पी)	टलवां लोहे की कपडा का उद्भव स्तर, बंटीमुभा, 12.5 लीटर क्षमता वाली— IS:774—1971	
17. सीएम/एल—11970-50 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	मंडला केबलस एंड कंडक्टर कार्पो., इंडस्ट्रियल इस्टेट, मंडला (एम पी)	जिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्यात प्रबलित एलुमिनियम बालक— IS:398—(भाग 2)—1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18. सी एम/एल-11971-51 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	—	—	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS: 398 (भाग 1)—1976
19. सी एम/एल-11972-52 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	द सुप्रीम इंडस्ट्रीज लि., प्लॉट नं. डी-101, एम आई डी सी, इंडस्ट्रियल एरिया, जलगांव-425001	—	जल पूति के लिए विलय सीमेंट जोड़ वाली इंजेक्शन कालित पी/बी सी साकेट फिटिंग, 160 मिमी. तक सभी साइज IS: 7834 (भाग 6)—1975
20. सी एम/एल-11973-53 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	द सुप्रीम इंडस्ट्रीज लि., प्लॉट नं. डी-101, एम आई डी सी, इंडस्ट्रियल एरिया, जलगांव-425001	—	जल पूति के लिए विलय सीमेंट, जोड़ों वाली इंजेक्शन कालित जी बी सी साकेट फिटिंग एंड कैप— IS: 7834 (भाग 8)—1975
21. सी एम/एल-11974-54 1983-06-07	83-06-16	84-06-15	बंगलोर पेस्टीसाइड लि., 16 वीं मील, दुमकर रोड, बंगलोर-560073 (कार्यालय-33, संकाय रोड, बंगलोर-560073)	—	हाइमेटाइट 30% ई सी— IS: 3903—1975
22. सी एम/एल-11975-55 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	गरवारे प्लास्टिक्स एंड पोलिग्रेस्ट लिमिटेड, प्लॉट सं. ए11 और ए-2, एम आई डी सी, अंबांड, भासिक-422001 (महाराष्ट्र)	—	विद्युत संस्थापन के लिए प्रधात्वीय कठोर नलिकाएं, सकेतिक बहिरंग व्यास 25 मिमी. तक— IS: 2507—1973
23. सी एम/एल-11975-55 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	भारत इंजन मण्युफैक्चरर्स, 2, भक्ति नगर, स्टेशन रोड, इंदवरकूप के सामने, राजकोट-360052	—	निम्नलिखित आई एस रेटिंग 'ए' के एक सिलिंडर चार स्ट्रोक वाले, जल-शीतित डीजल इंजन (प्रतिभार सहित)—

क्रम सं.	टाइप/माडल	अर्थ (बी) शीतिज (एच)	निर्गत किवा (बी एच पी)	निर्गित गति चक्र/मिनट	निययन श्रेणी
1	2	3	4	5	6
1.	—	बी	5.58(8)	850	बी-1
			यांत्रिक क्षमता (घोषित-डी/कल्पित ए) 80 ए, IS: 10001—1981		विशेष इंजन क्षमता (घोषित वा/किवाचंटा) 390
24. सी एम/एल-11977-57 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	मेवाड़ रिज फैक्टरी, एफ-48, रोड नं. 3 इंडस्ट्रियल एरिया, माधरी, उदयपुर (कार्यालय एफ-38), उदयपुर)	—	18-लिटर के बर्गाकार टिन— IS: 916—1975
25. सी एम/एल-11978-58 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	प्रकाश केमिकल वर्क्स, 4/1, कुलिया टंगड़ा, दूसरी फोन, कलकत्ता-700015	—	टारट्राजिन-आधार ग्रेड— IS: 1695—1974
26. सी एम/एल-11979-59 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—वही—	—	सनसेट ग्लास, एफ सी एफ, आधार ग्रेड— IS: 1695—1974
27. सी एम/एल-11980-62 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—वही—	—	कार्मोसिन, आधार ग्रेड— IS: 2923—1974
28. सी एम/एल-11981-53 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—वही—	—	गहरा लाल ई, आधार ग्रेड— IS: 2924—1976
29. सी एम/एल-11982-54 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	माध्याल एग्रोवेट इंडस्ट्रीज प्रा. लि. एस नं. 390, गंगावरम्-518583, जिला कर्नूल (आ. प्र.)	—	कुकर आहार पूति के लिए खनिज मिश्रण— IS: 5672—1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30. सी एम/एल-1198355 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	जगदम्बा इंजीनियरिंग प्रा. लि., 165 और 166 आई सी ए, जी वी मेडगा, हैदराबाद-500850, (कार्यालय-1-5-555, मुशंगगाव, हैदराबाद-500020)	इंजीन सं. जे ई/पी/एल टी डी/100-ए, के अनुसार एल पी जी सिलिंडर में प्रयुक्त वाल्व फिटिंगें— IS: 8737—(भाग 2)—1978	
31. सी एम/एल-1198456 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	संग्राम इंस्ट्रूज लि., प्लॉट नं. डीबी101, एम आई डी सी, इंडस्ट्रियल एरिया,	जल प्रति के लिए विनायक सीमेंट जोड़ी वाली इंजेक्शन दालित पी वी सी साफेट फिटिंगें, 90° टी IS: 7834 (भाग 4)—1975	
32. सी एम/एल-1198557 1983-06-07	83-06-16	84-06-15	एक्वालेक पेंट्स, 70, मजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	सामान्य कार्यों के लिए एलुमीनियम पेंट IS: 2339—1963	
33. सी एम/एल-1198638 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	स्टार वायर (इंडिया) लि., 21/4, बी सील, मथुरा रोड, बल्लभगढ़-121004, (कार्यालय : ए-11, निजामुद्दीन पश्चिम, नई दिल्ली-110017	कंक्रीट प्रबलन के लिए भीत कपित इस्पात की उच्च शक्ति की विवृत सरिया IS: 1786—1979	
34. सी एम/एल-1198759 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—बही—	संरचना इस्पात (मानक इस्पात) IS: 226—1975	
35. सी एम/एल-1198860 1983-06-09	83-06-01	84-05-31	निकी लामा इंडिया प्रा. लि., प्लॉट सं. 38, सेक्टर-6, फरीदाबाद-121006	2063 और 1554 कि कै/घंटा की रेटिंग के दो टाप बर्नरों तथा 1608 कि कै/घंटा और 1206 कि कै/घंटा की रेटिंग के दो बर्नरों वाले एक सिलेंडर सहित घरेलू सहित घरेलू कुकिंग रेंज—कुण गैस अपत 559 आ/वादा— IS: 4760—1979	
36. सी एम/एल-1198961 1983-06-13	83-06-16	84-06-15	श्री हुमा स्टील कार्मिगज, मोती नगर, सेक्टर रोड, देव बाग, नवराज	बीछ-कट और पेशावदान के लिए डबकी लोहे के फलम टैंक, बेल टावर, उच्च स्तरीय, 12.5 मिटर की क्षमता की IS: 774—1971	
37. सी एम/एल-1199054 1983-06-10	83-06-01	84-05-31	अजय कोबल, 20वीं पोल, लटारी रोड, कुंडली, बिना गा तिवडा (हरियाणा)	1100 बोल्टक की कार्रगारी बोल्टक के लिए एलुमिनियम और तांबा चालकों वाले पी वी सी इरोधित बोलवार और बोलवार रहित फोबल-बहिरंग अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों सहित परन्तु अलाताप अवस्- थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर IS: 694—1977	
38. सी एम/एल 1199155 1983-06-13	83-06-15	84-06-15	अनुपम प्रॉडक्च प्रा. लि., ए-35/3, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-110027	IS कोटर कैबगाकार टिन— IS: 916—1975	
39. सी एम/एल-1199258 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	मेवन स्टार एंटरप्राइजेज 221, कमला मवन, शर्मा इस्टेट, बनमान रोड, मोटेगांव (पू.) बम्बई-400063]	प्रतिन पेट्रोलेियम तैल के साथ प्रयुक्त घरेलू बुल्ले संयोजित मो टार सी ए. कंडीशन के तथा 60 और 80 कि/घं. रेटिंग के दो बर्नर वाले IS: 4141—1974	
40. सी एम/एल-1199357 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	वाटर केमि. मेबोरेट्रीज एल-58 से 60 इंडस्ट्रियल इस्टेट, कट्टेडान, हैदराबाद-500352, (कार्यालय : 11-6-652 रेंड दिवस हैदराबाद-500004)	बसोरीन मोनिया IS: 9835—1981	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
41. सी एम/एल-1199453 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	लिबर्टी पैस्टीसाइड्स इंडस्ट्रीज, 222-225, मेवाड इंडस्ट्रियल एरिया, मादरी, उदयपुर (राजस्थान), (कार्यालय : 25 एल. एन. मिश्रा मार्ग, स्वरूप सागर रेलवे कालोनी के नजदीक उदय- पुर)	निरपद दिया गया IS : 561—1978	
42. सी एम/एल-1199559 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	बैस्ट कोस्ट आयरन एंड स्टील, थोट्टाडा, कन्नानोर	कंक्रीट प्रबलन के लिए शीत रूपित इस्पात की उच्च शक्ति के विकृत सरिये IS: 1786—1979	
43. सी एम/एल-1199660 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	द कास्ट आयरन मैट्रियलस, मैल्युफैक्चरिंग एंड ट्रेडिंग क., प्रा. लि., एन. एच. नं. 8 एन आर, गोवट, गोदान, जिला भोलव, भारूच (कार्यालय : छावनी रोड, बड़ोदा-390002)	ढलवाँ लोहे की कोरें, श्रेणी बी, साइज 80 मिमी से 150 मिमी, सांकेतिक व्यास— IS: 1537—1976	
44. सी एम/एल-1199761 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	गुजरात एग्रो इंडस्ट्री, कार्पो. लि., पैस्टीसाइड फारमुलेशन यूनिट, आई टी आई के नजदीक, एन. एच. 8बी, गोंडल-360311 (गुजरात)	मिथाई पैराथियान 2% डी पी % IS : 8960—1978	
45. सी एम/एल-1199862 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	इ टूडो फाउंडरी प्रा. लि., 70"×"रु रोड, बेलगाछिया, हावड़ा-711105	फायर हाइड्रेंट, स्टैंड पोस्ट टाइप— IS : 908—1975	
46. सी एम/एल-1199963 1983-06-15	83-07-01	84-05-30	बाल गोपाल एग्रो-वेट एंड केमिकल इंडस्ट्रीज, (प्रा.) लि., 41 न्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, जिला जगतपुर, कटक-754021, (उड़ीसा)	पशु आहार पूर्ति के लिए खनिज मिश्रण टाइप 2 IS : 1664—1981	
47. सी एम/एल-1200013 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	—बंद—	कुक्कुट आहार पूर्ति के लिए खनिज मिश्रण— IS : 5672—1970	
48. सी एम/एल-1200114 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	पी पी केबल एंड कंडक्टर इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., भिवानी इंडस्ट्रियल कम्प्लेक्स, जिला भलवर (राजस्थान)	शिरोपरि प्रेषण कार्य के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालकों— IS : 398 (भाग-2)—1976	
49. सी एम/एल-1200215 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	जोली इंडस्ट्रीज, 577, प्रीत नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर (पंजाब)	घातुरूप ढलवाँ लोहे की पाइप फिटिंगें (क) समरूप एलबो, एसडी 2 तक (ख) समरूप टी एस डों 2 तक (ग) समरूप साकेट एसडी 2 तक IS : 1879 (भाग-1 से +)—1975	
50. सी एम/एल-1200316 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	सरीन मेटल वर्क्स, एन ए-119 कृष्ण पुरा, जालन्धर सिटी	घातुरूप ढलवाँ लोहे की पाइप फिटिंगें (क) समरूप एलबो, एस डी, 2 तक (ख) समरूप टी, एसडी 2 तक (ग) समरूप साकेट एसडी 2 तक (घ) यूनियन, एसडी 2 तक IS : 1879 (भाग 1 से 10)—1975	
51. सी एम/एल-1200417 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	संकर मैच वर्क्स, 128, नारायणपुरम रोड, नारायणपुरम गांव, शिवाकासी-626123 (तमिलनाडू) (कार्यालय : 12 ए चेयरमैन)	डिब्बी बंद निरापद दीयासलाइयां IS : 2653—1980	
52. सी एम/एल-1200518 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	श्रावण कलर मैच वर्क्स, सं. नं. 808/2-ए, गांव देवरकूलाम, शिवाकासी (तमिलनाडू)	डिब्बा बंद दिया सलाइयां IS : 2653—1980	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. सी एम/एल-1200619 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	श्रावण कलर मैच वर्क्स, सं. नं. 808/2-ए, गांव देवरकुलाम शिवाकासी, (तमिलनाडू)		डिब्बा बंद दियासलाईयां IS : 2653-1980
54. सी एम/एल-1200720, 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	जोश्रीरंगा मैच वर्क्स, 4/161 लिंगापुरम कलानी, शिवाकासी-626123, (कार्यालय : 12 ए चैयरमैन शानमुगा नादर रोड, शिवाकासी-626123)		-वही-
55. सी एम/एल-1200821 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	दस्थिल मैच वर्क्स 12-3-33 ए, ए. बी. टी. साऊथ, स्ट्रीट शिवाकासा (तमिलनाडू) (कार्यालय : 12 ए चैयरमैन शानमुगा नादर रोड, शिवाकासा-626123)		-वही-
56. सी एम/एल-1200922 1983-06-16	83-09-01	84-08-31	रीगल स्टील वर्क्स, 15 दासपारा रोड, कलकत्ता-700004		पटसन के चौड़ेकरघों के लिए शटल— IS : 2784—1971
57. सी एम/एल-1201015 1983-06-15	82-09-01	83-08-31	रीगल स्टील वर्क्स, 15 दासपारा रोड, कलकत्ता-700004 (प. बं.)		स्वतः ओरियों परिवर्ती परसन करघों के लिए शटल— IS : 2784—1971
58. सी एम/एल-1201116 1983-06-20	83-07-01	84-06-30	-वही-		सभी साइज की बेल्डन चढ़ें ब्रांड मल्टी रोड 6013 कोड इ 307412— IS : 814 (भाग 2)—1974
59. सी एम/एल-1201217 1983-06-20	83-07-01	84-06-30	स्पेशल मशीन, प्लाट नं. 3 ए, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कलानी, करनाल-132001		सादा कार्बन इस्पात सामग्री के बने सूक्ष्म और अर्ध-सूक्ष्म पट-कोनी काबूले और डिब्बरियां, श्रेणी 6, 8, 30 मिमी तक के सांकेतिक साइज के— IS : 1364—1967
60. सी एम/एल-1201318 1983-06-20	83-07-01	84-06-30	हिक्शन एंड दादाजी लि., विश्वेश्वर नगर, एग्रे रोड के पीछे,		कोलतार की खाद्य रंग निमित्तियों के मिश्रण (टोस)— IS : 5346—1975
61. सी एम/एल-1201419 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	कानपुर प्लास्टिक प्रा. लि., डी-19, पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, डाकघर उद्योग नगर, कानपुर-208022		उर्वरक पैक करने के लिए 380 ग्राम/मी <sup>2</sup> 68×39 तारपीन के वस्त्र से बने पटसन के बोरे— IS : 7406 (भाग 2)—1980
62. सी एम/एल-1201520 1983-06-17	83-07-01	84-06-30	नारहरी इंजी. वर्क्स, ग्राह इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट सं. अमबोली हिल, बरसोवा रोड, (कार्यालय : 480, कालबादेवी रोड, पी. बी. सं. 2098 चौथी मंजिल, बम्बई-400002)		निम्नलिखित विवरण वाले मोनोसैट पम्प टाइप/माडलन्यू/एम एन/3ए/के एन/252— साइज 65×50 मिमी. गति 2850 चक्कर प्रति मिनट— ड्यूटी पाइंट
					उठान निकास एल प्रति सेकंड दक्षिता (एम) —
					(1) (2) (3)
					16 480 41.5
					निवेश
					2.94 किलोवाट
					IS : 9079—1979

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63. सी एम/एल-12016 21 1983-06-20	83-07-01	84-06-30	सुपर फूड प्रोडक्ट्स, 91/ए, रोड नं. 22 इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया, कोटाडन, हैदराबाद-500252	विस्कुट, ग्लूकोस किस्म— IS : 1011-1968	
64. सी एम/एल-12017 22 1983-06-20	83-07-01	84-06-30	डलहोजी जूट कं. लि. चमपोडनी, डाकघर बाइडियाभाटी, जिला हुगली (पं. बंगाल) (कार्यालय : 42 ए, शेकस्पीयर सारणी, कलकत्ता- 700017)	बी-टिक्स पटसन के बोरे— IS : 2566-1965	
65. सी एम/एल-12018 23 1983-06-21	83-07-01	84-06-30	भारत पैस्टीसाइड मैन्युफैक्चरिंग कं., ई-17, डी एस आई सी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, रोहतक रोड, नांगलोई, दिल्ली-110041	एंटीसल्फान ई सी 35 प्रतिशत % IS : 4323-1980	
66. सी एम/एल-12019 24 1983-06-21	83-07-01	84-06-30	कमलम पैस्टीसाइड, 1/41, मूडलीपट्टी (पोथो) 622409 श्रीरघुमयम टोके. (पुडूकोटी जिला) तमिलनाडू (कार्यालय : 7 × 25, पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कुलीपरिया-622002)	बी एच सी 10 प्रतिशत डी पी मामा आईसोमर 1.3% IS : 56-1978	
67. सी एम/एल-12020 17 1983-06-21	83-07-01	84-06-30	आल इंडिया मेडिकल कार्पो. बी/13-15, जीआई डी सी, नरोदा इंडस्ट्रियल इस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद जिला, (गुजरात)	मिथाइल पैराफिथान 50 प्रतिशत ई सी— IS : 2865-1978	
68. सी एम/एल-12021 18 1983-06-24	83-07-01	84-06-30	फिक्स आटो इंडस्ट्रीज, सिमलापुरी गिल रोड, लुधियाना-141003 (पंजाब)	स्टड (व्यास रेंज 3 मिमी से 30 मिमी) ग्रेड ए— IS : 1862-1975	
69. सी एम/एल-12022 19 1983-06-24	83-07-01	84-06-30	क्वालिटी सेल्स कार्पो., सिमलापुरी, गिलरोड, लुधियाना-141003 (पंजाब)	पत्ती कमिनाथों के लिए सेंटर काबूने, गुणधर्मे श्रेणी 8.8— IS : 9484-1980	
70. सी एम/एल-12023 20 1983-06-24	83-06-16	84-06-15	जे. के. बिजनेस मशीनस लि. 133 एंड 134/ जी आई डी सी इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंकलेश्वर (कार्यालय : इंदरप्रस्था सोसायटी, गांधी पुल के नजदीक शाहपुर, अहमदाबाद-390004)	कार्बेनडेजिम (एम बी सी) 50 प्रतिशत डब्ल्यू डीपी— IS : 8446-1977	
71. सी एम/एल-12024 21 1984-06-24	83-07-16	84-07-15	लिबर्टी पैस्टीसाइड्स इंडस्ट्रीज एफ-222-225, मेवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया मादरी उदयपुर (राजस्थान) (कार्यालय : 25 एल.एन. मिश्रा मार्ग, उदयपुर- 313001)	बी एच सी 50 प्रतिशत गामा आईसोमर— IS : 562-1978	
72. सी एम/एल-12025 22 1983-06-17	83-07-16	84-07-15	भारत पैस्टीसाइड्स, पूना बंगलौर रोड, बेलगम- 580002	विशुलीय संस्थापन के लिए महु धात्विक सांकेतिक नलियां, साइज 25 मिमी.: IS : 2509-1973	
73. सी एम/एल-12026 23 1983-06-27	83-07-16	84-07-15	ओम प्रकाश अग्रवाल एंड आ. सी. आर. दास एग्रिकल्चर फार्म टोनक रोड, दुर्गापुर, जयपुर- 302004	धुलाई साबुन, टाइप 2 (निर्मित साबुन)— IS : 285-1974	
74. सी एम/एल-12027 24 1983-06-27	83-07-16	84-07-15	यूनियन प्रैस्टीसाइड्स श्री राम नगर, विधिशा (म.प्र.)	एल्ट्रिन 30 प्रतिशत ई सी— IS : 1307-1973	
75. सी एम/एल-12028 25 1983-06-27	83-07-16	84-07-15	कृष्णा माइनर एंड ट्रेडर्स 12 इंडस्ट्रियल एरिया, जोतवाड़ा, जयपुर-302012 (कार्यालय : 1 गल्होट भवन, न्यू कालोनी रोड, जयपुर)	ब्यूटाक्लोर 50 प्र. ई सी— IS : 9356-1980	
76. सी एम/एल-12029 26 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	द जयपुर उद्योग लि., सी बाई माधोपुर-322022 (राजस्थान)	साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 268-1976	
77. सी एम/एल-12030 19 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	जयपुर उद्योग लिमिटेड, सवाईमाधोपुर-322022 (राजस्थान)	पोर्टलैंड पोजोलान सीमेंट— IS : 1489-1976	
78. सी एम/एल-12031 20 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	द एसोसियेटेड सीमेंट कं. लि., लेखरी सीमेंट वर्क्स, डाकघर लेखरी-323603 (पं. रेलवे) बांडी जिला (राजस्थान)	पोर्टलैंड/पोर्टलैंड सीमेंट— IS : 269-1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
79. सी एम/एल-12032 21 1983-06-28	83-07-01	84-06-30		—बही—	सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
80. सी एम/एल-12033 22 1983-06-28	83-06-01	84-05-30	मंगलम सीमेंट लि., प्रार्थस्य नगर, डाकघर मारक 326517 जिला कोटा (राजस्थान)		—बही—
81. सी एम/एल-12034 23 1983-06-28	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाम सीमेंट— IS : 1489-1976
82. सी एम/एल-12035 24 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	बिरुना सीमेंट वर्क्स, डाकघर सोमेट फैक्टरी, चित्तोड़गढ़ (राजस्थान)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
83. सी एम/एल-12036 25 1983-06-28	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
84. सी एम/एल-12037 26 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	जे.के. सीमेंट वर्क्स, कैलाश नगर, निमबेहरा- 312601 (राजस्थान)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
85. सी एम/एल-12038 27 1983-06-28	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
86. सी एम/एल-12039 28 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	उदयपुर सीमेंट वर्क्स, डाकघर बसाज नगर- 313021 जिला उदयपुर (राजस्थान)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 1489-1976
87. सी एम/एल-12040 21 1983-06-28	87-07-01	84-06-30	लक्ष्मी सीमेंट जेयजेयपुरम्, डाकघर सिरोही रोड, जिला सिरोही (राजस्थान)		सादा पोर्टलैण्ड पोजोलाम सीमेंट— IS : 269-1976
88. सी एम/एल-12041 22 1983-06-28	83-04-01	84-03-31	द फलवीयरा इंडिया (प्रा) लि. सी-5, 14 एड 23 इंडस्ट्रियल इस्टेट, मैनयूपलम, पांडिचेरी 605010		केरामल, सादा— IS : 4467 (भाग 1)—1980
89. सी एम/एल-12042 23 1983-06-29	83-07-01	84-06-30	सीमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, चरखो बादरी सीमेंट यूनिट, चरखी दारी, जिला भिवानी (हरियाणा)		पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
90. सी एम/एल-12043 24 1983-06-29	83-07-01	84-06-30		—बही—	सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
91. सी एम/एल-12044 25 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	द यू.पी. स्टेट सीमेंट कार्पो. लि., बूनर सीमेंट फैक्टरी, बूनार जिला मिर्जापुर (यूपी)		पोर्टलैण्ड स्लैग सीमेंट— IS : 455-1976
92. सी एम/एल-12045 26 1983-06-30	83-07-01	84-07-31	द यू.पी. स्टेट सीमेंट कार्पो. लि. चुरक सीमेंट फैक्टरी, चुरक-231206, जिला मिर्जापुर, (यूपी.)		पोर्टलैण्ड स्लैग सीमेंट— IS : 455-1976
93. सी एम/एल-12046 27 1983-06-30	83-07-01	84-06-30		—बही—	सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
94. सी एम/एल-12047 28 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	द यू.पी. स्टेट सीमेंट कार्पो. लि., दुधला सीमेंट फैक्टरी, डाकघर बल्ला-231207 जिला मिर्जापुर (यूपी.)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
95. सी एम/एल-12048 29 1983-06-30	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
96. सी एम/एल-12049 30 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	एसोसिएटेड सीमेंट कम्पनीज लि. काएमोर सीमेंट वर्क्स, काएमोर, सहलील कटमा जिला जबलपुर (म.प्र.)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
97. सी एम/एल-12050 23 1983-06-30	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
98. सी एम/एल-12051 24 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	मीहर सीमेंट वर्क्स, डाकघर सहला नगर, जिला मीहर सतना-485772 (म.प्र.)		सादा पोर्टलैण्ड सीमेंट— IS : 269-1976
99. सी एम/एल-12052 25 1983-06-30	83-07-01	84-06-30		—बही—	पोर्टलैण्ड पोजोलाना सीमेंट— IS : 1489-1976



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100. सी एम/एल-12053 26 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	पूनेन्द्र सीमेंट वर्क्स, एसोसिएटेड सीमेंट कंपनी लि. डाकघर बी सी इन्डियन स्ट्रजपुर जिला झारखण्ड (हरियाणा)	सादा पोर्टलैंड सीमेंट— IS: 269-1976	
101. सी एम/एल-12054 27 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	—वही—	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट— IS: 1489-1976	
102. सी एम/एल-12055 28 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	सैन्धूरी सीमेंट (प्रो. द सैन्धूरी स्पिनग एंड मैस्यु- फैक्चरिंग कं. लि० (डाकघर बांकूट-493116 जिला रायपुर (म.प्र.))	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट— IS: 1469-1976	
103. सी एम/एल-12056 29 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	सैन्धूरी सीमेंट, (प्रो. द सैन्धूरी स्पिनग एंड मैस्युफैक्चरिंग कं. लि.) डाकघर बांकूट- 493116, जिला रायपुर (म.प्र.)	सादा पोर्टलैंड सीमेंट— IS: 269-1976	
104. सी एम/एल-12057 30 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	द एसोसिएटेड सीमेंट कं. लि., जमूल सीमेंट वर्क्स, डाकघर जमूल सीमेंट वर्क्स, जिला दुर्ग-490024	पोर्टलैंड स्लीग सीमेंट— IS: 455-1976	
105. सी एम/एल-12058 31 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	—वही—	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट— IS: 1489-1976	
106. सी एम/एल-12059 32 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	रायमंड सीमेंट वर्क्स, (ए.शेणी) माफ द रायमंड बूलन मिक्स लि., गोपाल नगर अरासमेंटा जिला बिलासपुर (म.प्र.)	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट— IS: 1489-1976	
107. सी एम/एल-12050 25 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	—वही—	सादा पोर्टलैंड सीमेंट— IS: 269-1976	

[सं. सी एम बी/ 13 : 11]

बी.एन. सिंह, प्रवर महानिवेशक

S.O. 2790.—In pursuance of subregulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standard Institution, hereby notifies that one hundred and seven license, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of June 1983 authorising the licensees to use the Standards Marks:

Sl. No.	Licence No. (Cm/L—)	Period of Validity From	to	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the Licensee and the Relevant IS: Designation
1	2	3	4	5	6
	1. CM/L-11954 50 1983-06-01	83-06-16	84-06-15	Simco Meters Ltd., Meter Factory Road, Tiruchirapalli-620021	Single Phase whole current watthour meter' class 2, current ratings upto and including 20-40 A- IS : 722 (Part II)-1977
	2. CM/L-11955 51 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	J.K. Business Machines Ltd., 133-134, GIDC Indl. Estate, Ankleshwar-393002 (Office: 2 Mangoe Lane, Calcutta- 700001)	Carbondazim (MBC) technical IS : 8445-1977
	3. CM/L-11956 52 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Trideep Agencies, 29 Schohlataganj, Indore-452003 (M.P.)	Synthetic detergents for industrial purposes, type 3- IS : 4956-1977
	4. CM/L-11957 53 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Annant Plasma Pvt Ltd., B-96, Wazirpur Industrial Area Delhi-110052	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 V excluding cables for use under outdoor/low temperature conditions— IS : 694-1977
	5. CM/L-11958 54 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Anglo Dutch Paint Colour and Varnish Works (P) Ltd., 50 Shivaji Marg, Industrial Area, New Delhi-110015	Cement paint, colour as required— IS : 5410-1969

2	3	4	5	6
6. CM/L-11959 55 1983-06-02	83-06-16	84-06-15	Meerut Sports Syndicate 25-27, Victoria Park, Sports Colony, Meerut-250001 (U.P.)	Cricket balls, grade I— IS : 416-1978
7. CM/L-11960 48 1983-06-02	83-02-16	84-02-15	Suprachem, Ravelly Village, Gajwell Talug, Medak Distt. (Andhra Pradesh) (Office: 1-1-535 Ghandhinagar, Bakaram Hyderabad-500380)	Spindle oil, all grade— IS : 493 (Part II)-1981
8. CM/L-11961 49 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	A. K. Enterprises, Suraj Kund Road, Meerut-250001 (U.P.)	Cricket balls, Grade I— IS : 416-1978
9. CM/L-11962 50 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Pesto Chem India, 320 Kerawal Nagar, Loni Raod Shahdara, Delhi-94 (Office: 966-67 Gali Telian, Behind Novelty Cinema, Delhi-6)	Aldrin 30% EC— IS : 1307-1973
10. CM/L-11963 51 1983-06-03	84-06-16	84-06-15	Narhari Engg. Works, Shah Industrial Estate Amboli Hill, Versova Road, Anheri (M), Bombay-400058	Three phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application, 2.2 Kw class E Insulation— IS : 7538-1975
11. CM/L-11964 52 1983-06-03	83-06-01	84-05-31	Keen Pesticides (P) Ltd., Alwaye-Munnac Road, South Vashakulam, Via-Alwaye, Ernakulam Distt. (Office: P.B. No. 1190 Ernakulam, Cochin)	Endosulfan 35% EC— IS : 4323-1980
12. CM/L-11965 53 1983-06-03	83-11-16	84-06-15	Swarup Chemicals (P) Ltd., Water Works Road, Aish Bagh, Lucknow-226004	Thiram 75% WDP— IS : 4766-1968
13. CM/L-11966 54 1983-06-03	83-05-16	84-06-15	The Indian Aluminium Cables Ltd., 12/1 Milestone, Mathura Road, Faridabad-111003	PVC insulated (heavy duty) electric and mining cables with copper conductors for working voltage 3.3Kv— IS : 1554 (Part II)-1981
14. CM/L-11967 55 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Minoti Engineering Works, 32, Buxarah Road, Howrah-711306	Sluice valve All sizes and nominal pressures— IS : 780-1980
15. CM/L-11968 56 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Electrical & Tele-Communication Wires (India) S-6, Industrial Area, Sikandrabad (U.P.)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead trans- mission purposes— IS : 398 (Part II)-1976
16. CM/L-11969 57 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Hindustan Sanitary Co., Near Canal Bridge, Goraya (Pb).	Cast iron flusing cisterns high level bell type 12.5 litre capacity— IS : 774-1971
17. CM/L-11970 50 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	Mandla Cables & Conductor Corpn. Industrial Estate, Mandla (M.P.)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead trans- mission purposes— IS : 398 (Part II)-1976
18. CM/L-11971 51 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	—do—	Aluminium stranded conductors for over head transmission purposes— IS : 398 (Part II)-1976
19. CM/L-11972 52 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	The Supreme Industries Ltd., Plot No.-D-101 MIDC, Industrial Area, Jalgaon-425001	Injection moulded PVC socket fitting with solvent cement joint for water supplies-All sizes upto 160mm—  IS : 74 (Part VI)-1975
20. CM/L-11973 53 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	The Supreme Industries Ltd., Plot No. D-101, MIDC, Industrial Area, Jalgaon-425001	Injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies "END Caps"— IS : 7834-(Part VIII)-1975

1	2	3	4	5	6
21. CM/L-11974-54 1983-06-07	83-06-16	84-06-15	Bangalore Pesticides Ltd., 16 Km Tumkar Road, Bangalore-560073 (Office: 33 Sankay Road Cross, Bangalore-560052)	Dimethoate 30% EC- IS : 3903-1975	
22. CM/L-11975 55 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	Garware Plastics & Polyester Ltd., Plot No. A-1 and A-2, MIDC, Ambad, Nasik-422001 (Maharashtra)	Rigid non-metallc conduits for electrical installations nominal outside diameters upto and including 25mm- IS : 2509-1973	
23. CM/L-11976 56 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	Bharat Engine Manufacturers, 2, Bhaktinagar Station Road, Opp. Iswarkrupa Rajkot-360002	Single cylinder, water cooled, four stroke diesel engine of the following IS rating A (with over load):	
Sl. No.	Type/Model	Vertical (V) Horizontal (H)	Output Kw (bhp)	Rated speed rev/min	Class of governing
1	—	V	5.88 (8)	850 Mechanical efficiency (Declared-D/Assumed-A) 80 A IS : 10001-1981	B 1 SFC (Declared g/kwh) 290
24. CM/L-11977 57 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	Mewar Tin Factory, F-48, Road No. 3 Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur (Office: F-38, Bhopalpara, Udaipur)	18-litre square tins- IS : 916-1975	
25. CM/L-11978 58 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	Prakash Chemical Works, 4/1, Kulia Tangra, 2nd Lane, Calcutta-700015	Tartrazine-Food grade- IS : 1694-1974	
26. CM/L-11979 59 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—do—	Sunset, yellow FCF food grade- IS : 1965-1974	
27. CM/L-11980 52 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—do—	Carmoisine, food grade- IS : 2923-1974	
28. CM/L-11981 53 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	—do—	Fast red E, food grade- IS : 2924-1976	
2. CM/L-11982 54 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	Nandyal Agrovet Industries Pvt Ltd. S.No. 390, Gangavaram-518583 Kurnool Distt. (A.P.)	Mineral mixtures for supplementing poultry feeds- IS : 5672-1970	
30. CM/L-11983 55 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	Jagadamba Engineering Pvt. Ltd., 165 & 166 I.D.A. Jeedimedlu Hyderabad-500854 (Office: 1-5-555, Musheerabad, Hyderabad-500020)	Valve fittings for use with LPG cyl- inders as per Drg. No. JE/P/LTD/ 100 A- IS : 8737 (Part II)-1978	
31. CM/L-11984 56 1983-06-06	83-06-16	84-06-15	Supreme Inds. Ltd., Plot No. D-101, MIDC, Industrial Area, Jalgaon-425001	Injection moulded PVC socket fitting with solvent cement joints for water supplies 90 Tees- IS : 7834 (Part IV)-1975	
32. CM/L-11985 57 1983-06-07	83-06-16	84-06-15	Aguolac Paints, 70 Najafgarh Road New Delhi-110015	Aluminium paints for general pur- poses- IS : 2339-1963	
33. CM/L-11986 58 1983-06-08	83-06-16	84-06-15	The Star Wire (India) Ltd., 21/4, Mile Stone, Mathura Road, Ballabhgarh-121004 (Office: A-11, Nizamuddin west New Delhi-110017)	Cold worked for steel high strength deformed bars for concrete re- inforcement- IS : 1786-1979	
34. CM/L-11987 59 1983-06-03	83-06-16	84-06-15	—do—	Structural steel (standard quality)— IS: 226-1875	

1	2	3	4	5	6
35. CM/L-11988 60 1983-06-09	83-06-01	84-05-31	Niky Tasha India Pvt. Ltd., Plot No. 38, Sector-6, Faridabad-121006 (Haryana)		Domestic cooking range with two top burners of ratings 2063 and 1554 Kcal/h and a grill with two burners of rating 1608 Kcal/h and 1206 Kcal/h Total gas consumption 559g/h— IS : 4760-1979
36. CM/L-11989 61 1983-06-13	83-06-16	84-06-15	Shri Durga Steel Castings, Moti Nagar, 2nd Road, Aishbagh, Lucknow		Cast iron flusing cistern for water closets and urinals Bell type, high level 12.5 litre capacity— IS : 774-1971
37. CM/L-11990 54 1983-06-10	83-06-01	84-05-31	Ajay Cables, 20th Mile Stone Jateori Road, Kundli, Distt. Sonapat (Haryana)		PVC insulated sheathed and unsheath- ed cables with aluminium and copper conductors a for working voltages upto and including 1100V including cables for use under outdoor conditions but excluding cable for use under low temperature con- ditions— IS : 694-1977
38. CM/L-11991 55 1983-06-13	83-06-16	84-06-15	Anupam Products Pvt. Ltd., A-35/3, Mayapuri Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110027		18-litre square tins— IS : 916-1975
39. CM/L-11992 56 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	Seven Star Enterprises, 221 Kamla Bhawan, Sharma Estate, Walbhat Road, Goregaon (E) Bombay-400063 (MS)		Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases, pressed CRCA body with double burner of rating 60 and 80 l/h— IS : 4246-1978
40. CM/L-11993 57 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	Water-Chem Laboratories L-58 to 60 Industrial Estate, Kattedan, Hyderabad-500252 (Office: 11-6-652 Red Hills, Hyderabad-500004)		Chlorine tablets IS : 9825-1981
41. CM/L-11994 58 1983-06-13	83-07-01	84-06-30	Liberty Pesticides Industries 222-225, Mewar Industrial Area Madri, Udaipur (Rajasthan) (Office: 25 L.N. Mista Marg, Near Swaroop Sagar Rly Colony, Udaipur)		BHC DP— IS : 561-1978
42. CM/L-11995 59 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	West Coast Iron & Steels, Thottada, Cannanore-7		Cold worked steel high strength de- formed bars for concrete reinfor- cement— IS : 1786-1979
43. CM/L-11996 60 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	The Cast Iron Materials Manufactur- ing & Trading Co. Pvt. Ltd., NH No. 8 NR, Govt. Godown, Bholav Distt. Bharuch (Office: Chhani Road. Baroda-390002)		Cast iron flanged, double flanged, Class B. Size: 80 mm to 150 mm nominal dia— IS : 1537-1976
44. CM/L-11997 61 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	Gujarat Agro Inds. Corpn. Ltd., Pesti- cides Formulation Unit, Near ITI, N.H. 8-B, Gondal-360311 (Gujarat)		Methyl Parathion 2% DP— IS : 8960-1978
45. CM/L-11998 62 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	Eddy Foundry Pvt. Ltd., 70 "X" Road, Belgachia, Howrah-711105.		Fire hydrant stand post type— IS : 908-1975
46. CM/L-11999 63 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	Baal Gopal Agro-Vet & Chemicals In- dustries (P) Ltd., 41, New Industrial Estate, Jagatpur Distt. Cuttack- 754021 (Orissa).		Mineral mixture for supplementing cattle feed Type-2 IS : 1664-1981
47. CM/L-12000 13 1983-06-15	83-07-01	84-06-30	-do-		Mineral mixture for supplementing poultry feeds— IS : 5672-1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48. CM/L-12001 1983-06-15	14	83-07-01	84-06-30	Pee Pee Cable & Conductor Industries (Pvt.) Ltd., Bhiwadi Industrial Complex, Distt. Alwar (Rajasthan).	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398(Part II)—1976
49. CM/L-12002 1983-06-15	15	83-07-01	84-06-30	Jolly Industries, 577, Preet Nagar, Industrial Area, Jullundur (Pb).	Malleable cast iron pipe fittings— (i) Equal elbows upto SD 2 (ii) Equal tees upto SD (iii) Equal sockets upto SD 2— IS:1879 (Part I to X)—1975
50. CM/L-12003 1983-06-15	16	83-07-01	84-06-30	Sareen Metal Works, NA 119, Kishan Pura, Jullundur City.	Malleable cast iron pipe fittings— (i) Equal elbows upto SD 2 (ii) Equal tees upto SD (iii) Equal sockets upto SD 2 (iv) Unions upto SD 2 IS: 1879 (Parts I to X)—1975
51. CM/L-12004 1983-06-17	17	83-07-01	84-06-30	Sankar Match Works, 128, Narayanapuram Road, Narayanapuram Village, Sivakasi-626123 (Tamil Nadu) (Office: 12A Chairman Shanmuga Nadar Road, Sivakasi-626123).	Safety matches in boxes— IS: 2653—1980
52. CM/L-12005 1983-06-17	18	83-07-01	84-06-30	The Ayyan Match Works, 167-B, Sulakkarai Village, Near Virudhunagar, Aruppukottai Taluq, Ramnad Distt. (T.N.) (Office: 12 A, Chairman Shanmuga Nadar Road, Sivakasi-626123).	Safety matches in boxes— IS: 2653—1980
53. CM/L-12006 1983-06-17	19	83-07-01	84-06-30	Saravana Colour Match Works, S.No. 808/2 A, Devarkulam Village Sivakasi (Tamil Nadu).	Safety matches in boxes— IS : 2653—1980
54. CM/L-12007 1983-06-17	20	83-07-01	84-06-30	Jothiranga Match Works, 4/161 Lingapuram Colony Sivakasi, 626123. (Office: 12 A, Chairman Shanmuga Nadar Road, Sivakasi-626123).	Safety matches in boxes— IS : 2653—1980
55. CM/L-12008 1983-06-17	21	83-07-01	84-06-30	The Senthil Match Works, 12-3-33 A, A.V.T. South Street, Sivakasi (Tamil Nadu) (Office: 12A, Chairman Shanmuga Nadar Road, Sivakasi-626123).	Safety matches in boxes— IS:2653—1980
56. CM/L-12009 1983-06-16	22	83-09-01	84-08-31	Regal Steel Works, 15, Daspara Road, Calcutta-700004 (W.B.).	Shuttle for jute broad looms— IS:2910—1971
57. CM/L-12010 1983-06-15	15	82-09-01	83-08-31	-do-	Shuttle for automatic co-changing jute looms— IS : 2784—1971
58. CM/L-12011 1983-06-20	16	83-07-01	84-06-30	Special Machines, Plot No. 3-A, Industrial Development Colony, Karnal-132001	Welding sheets of all sizes Brand MULTIROAD 6013 Code E-307412 IS : 814(Part II)—1974
59. CM/L-12012 1983-06-20	17	83-07-01	84-06-30	Picks Auto Industries Simlapuri, Ghil Road, Ludhiana-141003.	Precision and semiprecision hexagonal bolts and nuts material plain carbon steel property class 6.8 for nominal sizes upto and including 30mm— IS : 1364—1967
60. CM/L-12013 1983-06-14	18	83-07-01	84-06-30	Hickson & Dadajee Ltd., Vishweshwar Nagar, Opp. Aarey Road, Goregaon East, Bombay-63. (Office: Shree Pant Bhawan, Mamasahab Warerkar Bridge, Bombay-400007).	Coal tar food colour preparation mixture (solid)— IS : 5346—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
61. CM/L-12014 1983-06-17	19	83-07-01	84-06-30	Kanpur Plastipack Pvt. Ltd., D-19, Panki Industrial Area, P.O. Udyog Nagar, Kanpur-208022	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m <sup>2</sup> 68 x 39 tarpaulin fabric— IS : 7406—(Part II)—1980
62. CM/L-12015 1983-06-17	20	83-07-01	84-06-30	Narhari Engg. Works, Shah Industrial Estate, Plot No. 1, Amboli Hill, Versova Road, Andheri (W) Bombay 400058. (Office: 480, Kalbadevi Road, P.B. No. 2098 4th Floor, Bombay-400002).	Monoset pumps of the following description Type/ Model/New/ MN/3A/KN/252 size 65 x 50mm speed 2850 RPM Duty Point Head(m) Discharge (LPS) Efficiency % 16 480 41.5 Input 2.94 kw IS : 9079—1979
63. CM/L-12016 1983-06-20	21	83-07-01	84-06-30	Super Food Products, 91/A, Road No. 22 Industrial Development Area, Kottadan, Hyderabad-500252.	Biscuits— Variety Glucose— IS : 1011—1968
64. CM/L-12017 1983-06-20	22	83-07-01	84-06-30	Dalhousie Jute Co. Ltd., Champadany, P.O. Baidyabati, Distt. Hooghly (WB). (Office: 42-A, Shakespear Sarani, Calcutta-700017).	E-twill jute bags— IS : 2566—1965
65. CM/L-12018 1983-06-21	23	83-07-01	84-06-30	Bharat Pesticides Manufacturing Co. E-17, DSIDC Indl. Complex, Rohtak Road, Nangloi, Delhi-110041	Endosulfan EC 35 % — IS : 4323—1980
66. CM/L-12019 1983-06-21	24	83-07-01	84-06-30	Kamal in Pesticides 1/41, Mudalaippatti (P.O.) 622 409 Thirunayam Tk. (Pudukottai Dt.) Tamil Nadu (Office : 7/25, Post Office Street, Kulipirai-622002)	BHC 10% DP Gamma Isomer 1.3%— IS : 561—1978
67. CM/L-12020 1983-06-21	17	83-07-01	84-06-30	All India Medicl Corpn. B/13-15, GIDC, Naroda Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad Distt. (Gujarat)	Methyl parathion 50% EC — IS : 7865—1978
68. CM/L-12021 1983-06-24	18	83-07-01	84-06-30	Picks Auto Industries, Simlapuri, Gill Road, Ludhiana-141003 (Punjab)	Studs (diameter 15 to 30mm to 30mm) Grade 'A'— IS : 1862—1975
69. CM/L-12022 1983-06-24	19	83-06-01	84-06-30	Kwality Sales Corpn. Simlapuri, Gill Road, Ludhiana-141003 (Punjab)	Centre bolts for leaf springs property class 8.8— IS : 1984—1980
70. CM/L-12023 1983-06-24	20	83-06-16	84-06-15	J. K. Business Machines Ltd. 133 & 134 G.I.D.C. Industrial Estate, Ankleshwar (Office : Indraprastha Society, Near Gandhi Bridge, Shahpur, Ahmedabad-380004)	Carbendazim (MBC) 50% WDP— IS : 8446—1977
71. CM/L-12024 1983-06-24	21	83-07-16	84-07-15	Liberty Pesticides Industries E-22-225, Mewar Industrial Area Madri Udaipur (Rajasthan) (Office : 25 L.N. Mishra Marg, Udaipur 313001)	BHC 50% Gamma Isomer 6.5% WDP— IS : 562—1978
72. CM/L-12025 1983-06-17	22	83-07-16	84-07-15	Bharat Plastics, Poona Bangalore Road, Belgaum—590002	Rigid non-metallic conduits for electrical installations; Size 25 mm IS : 2599—1973
73. CM/L-12026 1983-06-27	23	83-07-16	84-07-15	Om Prakash Agarwal & Bros. C. R. Das Agriculture Farm Tonk Road, Durgapura, Jaipur—302004 (Rajasthan).	Laundry soap, type II (bulb soap) IS : 285—1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
74. CM/L-12027	24 1983-06-27	83-07-16	84-07-15	Union Pesticides Shriram Nagar, Vidisha (M.P.)	Aldrin 30% EC— IS : 1307—1973
75. CM/L-12028	25 1983-06-27	83-07-16	84-07-15	Krishna Miners & Traders 17 Industrial Area, Jhotwara, Jaipur-302012 (Office : 1 Gehlot Bhawan, New Colony Road, Jaipur.	Butachlor 50% EC— IS : 9356—1980
76. CM/L-12029	26 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	The Jaipur Udyog Ltd., Sawai madhopur—322022 (Rajasthan)	Ordinary portland cement— IS : 29—1977
77. CM/L-12030	19 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	Jaipur Udyog Ltd., Sawai madhopur—322022 (Rajasthan)	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
78. CM/L-12031	20 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	The Associated Cement Co. Ltd., Lakheri Cement Works, P. O. Lakheri—323603 (W. Rly.) Distt. Bundi (Rajasthan)	Portland -pozzolana cement— IS : 1489—1976
79. CM/L-12032	21 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	-do-	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
80. CM/L-12033	22 1983-06-28	83-07-01	83-06-30	Mangalam Cement Ltd., Aditya Nagar, P. O. Morak-326517 Distt. Kota (Rajasthan)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
81. CM/L-12034	23 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
82. CM/L-12035	24 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	Birla Cement Works, P. O. Cement Factory, Chittorgarh (Rajasthan)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
83. M/L-12036	25 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
84. CM/L-12037	26 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	J. K. Cement Works, Kailash Nagar, Nimbahara-312601 (Rajasthan)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
85. CM/L-12038	27 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
86. CM/L-12039	28 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	Udaipur Cement Works, P. O. Bajanagar-313021 Tehsil- AVLI Distt. Udaipur (Rajasthan)	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
87. CM/L-12040	21 1983-06-28	83-07-01	84-06-30	Lakshmi Cement Jayakarpuram, P. O. Sirohi Road, Distt. Sirohi (Rajasthan)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
88. CM/L-12041	22 1983-06-28	83-03-01	84-03-31	The Flavours India (P) Ltd., C-5, 14 & 23 Industrial Estate, Maetripalayam, Pondicherry- 605010	Caramel, plain— IS : 4467 (Part-I)—1980
89. CM/L-12042	23 1983-06-29	83-07-01	84-06-30	Cement Corporation of India, Charkhi Dadri Cement Unit, Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani (Haryana)	Portland-pozzolana cement— IS : 1489—1976
90. CM/L-12043	24 1983-06-29	83-07-01	84-06-30	-do-	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
91. CM/L-12044	25 1983-06-30	83-07-01	83-06-30	The U. P. State Cement Corp., Ltd., Chunar Cement Factory, Chunar, Distt. Mirzapur (U.P.)	Portland slag cement— IS : 455—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92.	CM/L-12045 26 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	The U.P. State Cement Corpn. Ltd., Churk Cement Factory, Churk-231206, Distt. Mirzapur (U.P.)	Portland slag cement— IS : 455—1976
93.	CM/L-12046 27 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
94.	CM/L-12047 28 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	The U.P. State Cement Corpn. Ltd., Dalla Cement Factory, P. O. Dalla-231207 Distt. Mirzapur (U.P.)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
95.	CM/L-12048 29 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
96.	CM/L-12049 30 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Associated Cement Companies Ltd., Kymore Cement Works, Kymore, Tehsil Katni, Distt. Jabalpur (M.P.)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
97.	CM/L-12050 23 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
98.	CM/L-12051 24 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Maihar Cement Works, P. O. Sarla Nagar, Maihar Distt. Satna —485772 M-P-	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
99.	CM/L-12052 25 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
100.	C/ML-12053 26 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Bhupendra Cement Works, Associated Cement Companies, P. O. BCW Surajpur, Distt. Ambala (Haryana)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
101.	CM/L-12054 27 1983-06-30	83-07-01	83-06-30	-do-	Portland pozzolana cement IS : 1489—1976
102.	CM/L-12055 28 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Century Cement Prop : The Century Spinning & manufacturing Co. Ltd. P. O. Baikunth-493116, Distt. Raipur (M.P.)	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
103.	CM/L-12056 29 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Century Cement, (Prop : The Century Spinning & Manufacturing Co. Ltd.,) P. O. Baikunth-493116, Distt. Raipur (M.P.)	Ordinary portland cement— IS : 269—1976
104.	CM/L-12057 30 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	The Associated Cement Companies Ltd., Jamul Cement Works, P. O. Jamul Cement Works, Distt. Durg-490024	Portland slag cement— IS : 455—1976
105.	CM/L-12058-31 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
106.	CM/L-12059-32 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	Raymond Cement Works, (A Division) of the Raymond Woollen M/s Ltd.,), Gopal Nagar, Arawantia, Distt. Bilaspur (M.P.)	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
107.	CM/L-12060 25 1983-06-30	83-07-01	84-06-30	-do-	Ordinary portland cement— IS : 269—1976



## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2791.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ अधिनियम 1966 (1966 का 51) की धारा-7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. प्रा. 553 दिनांक 17 जनवरी, 1985 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी. वी. नरसिंह राव, मानव संसाधन विकास मंत्री और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के सदस्य को उक्त संस्थान का अध्यक्ष मनोनीत करती है।  
[संख्या बी. 17011/1/86-एम.ई.(पी.जी.)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE  
(Department of Health)

New Delhi, the 23rd July, 1986

S.O. 2791.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Act, 1966 (51 of 1966) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 553, dated the 17th January, 1985, the Central Government hereby nominates Shri P.V. Narasimha Rao, Minister of Human Resource Development, a member of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, to be the President of the said Institute.

[No. V. 17011/1/86-ME (PG)]

का. प्रा. 2792.—प्रखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 552 दिनांक 17 जनवरी, 1985 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी. वी. नरसिंह राव, मानव संसाधन विकास मंत्री और प्रखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य को उक्त संस्थान का अध्यक्ष मनोनीत करती है।

[संख्या बी. 16011/4/86-एम.ई. (पी. जी.)]

S.O. 2792.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the All India Institute of Medical Sciences, Act, 1956 (25 of 1956) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 552, dated the 17th Jan., 1985, the Central Government hereby nominates Shri P.V. Narasimha Rao, Minister of Human Resource Development and a member of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, to be the President of the said Institute.

[No. V. 16011/4/86-ME (PG)]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2793.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 5 के खण्ड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी. वी. नरसिंह राव, मानव संसाधन

विकास मंत्री को श्रीमती मोहसिना किदवाई के स्थान पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ का सदस्य मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 708(ड) दिनांक 29 सितम्बर, 1982 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि-1 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात्:—

"श्री पी. वी. नरसिंह राव,  
मानव संसाधन विकास मंत्री"

[संख्या बी.-17011/1/86-एम.ई.(पी.जी.)]

New Delhi, the 22nd July, 1986

S.O. 2793.—In pursuance of clause (e) of Section 5 read with Sub-section (4) of section 6 of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research Chandigarh, Act, 1966 (51 of 1966), the Central Government hereby nominates Shri P.V. Narasimha Rao, Minister of Human Resource Development to be a member of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Smt. Mohsina Kidwai, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, Department of Health No. S.O. 707 (E), dated the 29th September, 1982, namely:—

In the said notification, for entry 1, the following entry shall be substituted, namely:—

"1. Shri P. V. Narasimha Rao,  
Minister of Human Resource Development."

[No. V. 17011/1/86-ME (PG)]

का. प्रा. 2794.—प्रखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 6 की उप-धारा (3) के साथ पठित धारा 4 के खण्ड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी. वी. नरसिंह राव, मानव संसाधन विकास मंत्री, नई दिल्ली को श्रीमती मोहसिना किदवाई के स्थान पर प्रखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का एक सदस्य मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 6 जुलाई, 1983 की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 2980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि-1 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात्:—

"श्री पी. वी. नरसिंह राव,  
मानव संसाधन विकास मंत्री,  
नई दिल्ली"

[संख्या बी.-16011/4/86-एम.ई. (पी.जी.)]

पी.पी. चौहान, संयुक्त सचिव

S.O. 2794.—In pursuance of Clause (e) of section 4 read with sub-section (3) of section 6 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956), the Central Government hereby nominates Shri P. V. Narasimha Rao, Minister of Human Resource Development, New Delhi to be a member of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Smt. Mohsina Kidwai, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and

Family Welfare No. S.O. 2960, dated the 6th July, 1983, namely :—

In the said notification, for entry 1, the following entry shall be substituted, namely :—

“1. Shri P.V. Narasimha Rao,  
Minister of Human Resource Development,  
New Delhi”.

[No. V. 16011/4/86-ME (PC)]  
P.P. CHAUHAN, Jt. Secy.

### वित्तीय विकास प्राधिकरण

(सर्वे एवं सेटलमेंट यूनिट-1)

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1986

क.प्र. 2795.—वित्तीय विकास अधिनियम, 1957 (1957 की सं. 61) की धारा 22 की उपधारा (4) की व्यवस्थाओं के अनुसरण में वित्तीय विकास प्राधिकरण ने सीवे सिटी ग्रनुसूची में उल्लिखित भूमि आगे नर्मदेश्वर शिव मन्दिर को स्थायी करने हेतु हस्तास्तर्पित करने के लिए भूमि एवं विकास कार्यालय, महुरी विकास संचालय, भारत सरकार नई दिल्ली के निपटान पर देने हेतु केन्द्रीय सरकार के निपटान पर लौटा दी है।

### ग्रनुसूची

लगभग 900 वर्ग मी. का भूमि खण्ड जो सेंटर 3 ग्र.के. पुरम नई दिल्ली में स्थित है जिसका स्थल सं. 62 है और अधिसूचना सं. ए.स.ओ. 4719 दिनांक 21-8-75 का प्राधिक भाग है।

उपवर्तित भूमि खण्ड सीमाएं निम्नलिखित हैं।

उत्तर में : ई. स्कटेश्वर मन्दिर।

दक्षिण में : सड़क।

पूर्व में : सड़क।

पश्चिम में : सरकारी भूमि।

[सं. एम. एम्. एस. 33(17)/84-ए. एस.ओ.]

एम. पी. जैम, सचिव

वित्तीय विकास प्राधिकरण

### दूरसंचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1986

क.प्र. 2796.—स्वाधीन प्रवेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 1 के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने कडम्बुर टेलीफोन केन्द्र, तमिलनाडु में, दिनांक 9-8-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-33/86-प. एवं बी]

प. प्राधिकरण, पड़ुयन महानिदेशक (प. ए. बी.)

### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 23rd July, 1986

S.O. 2796.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 9-8-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kadambur Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-33/86-PHB]

V. SRINIVASAN, Asstt. Director Genl. (PHB)

### कर्म मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1986

### धारेण

क.प्र. 2797.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 8 के उप नियम (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा नियम के श्रेणीय कार्यालय करीब-बाब (हरिभाषा) को ऐसा अधिभूषित कार्यालय विनिर्दिष्ट करती है जिसको कि वे कर्मचारी विन्हीं द्वितीय में प्रवीणता प्राप्त है, 30 जुलाई, 1986 से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी सरकारी कामकाज में टिप्पण, प्रारूपण और अन्य सभी शासकीय प्रयोजनों के लिए केवल द्वितीय का प्रयोग करेंगे।

2. इस धारेण का यह धर्म नहीं किया जायेगा कि जहाँ उक्त नियमों या किसी अन्य विधि के अधीन किसी अन्य भाषा का प्रयोग करना आवश्यक या अपेक्षित है, वहाँ अन्य भाषा का उक्त श्रेणीय कार्यालय के सरकारी कामकाज में प्रयोग नहीं किया जायेगा।

### ग्रनुसूची

क्रमांक	भाषा का नाम	विषय
1	2	3

### 1. प्रशासन भाषा

निम्नलिखित से संबंधित मामले :—

- कर्मचारियों की नियुक्ति, तैनाती/पदोन्नति/स्थानांतरण।
- अग्रित छुट्टी/अर्ध वेतन छुट्टी/प्रसाधारण छुट्टी।
- छुट्टी यात्रा रिमायट/वेतन/व्योहार/मोटर गाड़ी/साइकिल संबंधी अग्रिम और छुट्टी के बदले नकद पेसा।
- भविष्य निधि अग्रिम की अस्थाई/अंतिम निकाली।
- वैसासिक/अर्ध वार्षिक टाहपराहटिंग परीक्षा अथवा श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक के लिए खुली/विभागीय परीक्षा।
- मुद्रास्वयं कार्यालय से प्राप्त ग्रनुदेशों को अग्रेषित करना।
- परिबीसाधीन अग्रधि।
- स्थानीय समितियों और श्रेणीय बोर्डों की बैठकें।
- सेवा पत्रियों में अग्रिष्टियों।
- दोरा कार्यक्रमों/प्रशिक्षण का ग्रनुमोदन।
- ग्रनुसूचित आतिवा/ग्रनुसूचित जनजातियों।

### 2. भुगतान भाषा

निम्नलिखित से संबंधित मामले :—

- बिलों को बनाना
- निकाली गई निधियों से स्थानीय कार्यालयों का निधियों का स्थानांतरण।
- भांगी गई राजियों का निपटान।
- मेका परीक्षा अग्रपत्तियों का निपटान।
- विभिन्न बिलों से संबंधित पत्र व्यवहार।

1 22	3
3. सामान्य शाखा	निम्नलिखित से संबंधित मामले :—
	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. टेंडर जारी करना ।</li> <li>2. पुस्तकों की खरीद और आपूर्ति ।</li> <li>3. सामान्य वस्तुओं/बाँटवों/उपकरणों/फर्नीचरों का खर्च करने वाली वस्तुओं आदि की खरीद ।</li> <li>4. लाइसेंस फीस की उगाही ।</li> <li>5. प्राबन्धीय व्यय/टैरि के मानक निर्धारण नियत करना ।</li> <li>6. लेखन सामग्री की खरीद ।</li> </ol>
4. वित्त एवं लेखा शाखा	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. बैंक जारी करना ।</li> <li>2. रोकड़ बढ़ो खाना संबंधी 2 का रख-रखाव और बैंक सामाधान विवरणियाँ ।</li> <li>3. बैंक खातों की सलाह संबंधी अधिकार पत्र जारी करना ।</li> <li>4. विभिन्न बिलों/वाचों से संबंधित कग-जतों की हूँडल करना ।</li> <li>5. लेखा परीक्षा रिपोर्टों को जारी करना ।</li> <li>6. लेखा परीक्षा अप्रतियों से संबंधित अनु-बर्गी कार्रवाई करना ।</li> <li>7. पी. डी. बी./डी. बी. दरों का सत्यापन ।</li> <li>8. स्थानीय कार्यालयों/क्षेत्रीय कार्यालयों में वैकिंग प्रबन्ध के मामले ।</li> <li>9. लेखा संख्या 2 की बैंक समाधान विवरणियों का अग्रपेण ।</li> </ol>
5. विधि और समन्वय शाखा	<p>निम्नलिखित से संबंधित मामले :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. यकीनों को फॉस/मानव्य देने संबंधी विलों के साथ लगने वाले प्रमाण पत्र ।</li> <li>2. अधिवक्ताओं को नियुक्त करना ।</li> <li>3. विधिक प्रमाणों संबंधी मंजूरी ।</li> <li>4. बीमा निरीक्षकों/प्रबंधकों के निरीक्षण आदि से संबंधित दौरा कार्यक्रमों का अनुमोदन ।</li> <li>5. न्यायिक मामलों में न्यायालयों में उपस्थित होने वाले कर्मचारियों/अधिकारियों के दौरा कार्यक्रमों का अनुमोदन करना ।</li> <li>6. बीमा निरीक्षकों/प्रबंधकों की बैठकों का आयोजन करना और कार्यवृत्त जारी करना ।</li> <li>7. कारखानों के मुख्य निरीक्षक से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करना ।</li> </ol>
6. बीमा शाखा	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. कर्मचारियों का पंजीकरण करना ।</li> <li>2. अंशदानों की उगाही ।</li> <li>3. पुनः पात्रता और निर्गम सूचियों का प्रेषण ।</li> <li>4. बीमाकृत व्यक्तियों के अंतःक्षेत्रीय/स्थानीय स्थानांतरण के मामले ।</li> <li>5. सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (सामाजिक बीमा) से प्राप्त एमिक-37 की जांच ।</li> <li>6. अंशदानों और कालानों की विवरणियों को राजस्व शाखा को भेजना ।</li> <li>7. बीमा संस्थाओं के छण्डों (क्लास) का स्थानीय शाखाओं को स्थानांतरण ।</li> <li>8. एमिक-38 रजिस्टर में प्रविष्टियाँ ।</li> <li>9. विस्तारित बीमारी हितलाभ की दरों का अनुमोदन ।</li> </ol>

<p>1 2</p> <p>7. बीमा-2 याखा</p> <p>8. बीमा-3 याखा</p>	<p>3</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दुर्घटनाओं के मामलों की संजूरी ।</li> <li>2. स्थाई अश्वगता निर्धारण हेतु चिकित्सा बोर्ड को भिजवाए गए मामले ।</li> <li>3. पी.वी.डी. के भुगतान की गणना करना ।</li> <li>4. अश्वितों के ल'भों का निपटान करना ।</li> <li>5. बीमजुत व्यक्तियों की शिकायतों का निपटान करना ।</li> <li>6. वेतन, भत्ता, पेंशन, इत्यादि निपटान करना ।</li> <li>7. डक्टरों का चिकित्सा बोर्ड फीस का भुगतान करना ।</li> <li>8. प्रसूति हित ल'भों और अल्ट्रासॉण्ड हित लाभों के मामलों में पत्राचार करना ।</li> <li>9. चिकित्सा निर्देशों और उसके लिपिकों को भर्तव्य का भुगतान करना ।</li> <li>10. स्थाई अश्वगता/अश्वितजन हितल'भों के अंतर्देशीय/स्थानीय स्थानांतरण के मामलों के बारे में पत्राचार ।</li> <li>11. बगूलियों को समाप्त करने के बारे में पत्राचार ।</li> </ol> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सी-18 जारी करना ।</li> <li>2. डी-18 (नूक्सनी का नोटिस)</li> <li>3. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406/409 के अंतर्गत नोटिस ।</li> </ol>
--	--

[सं. ई-11012/1/86-एसएस 1]

आ.र. एन. पुरी, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 24th July, 1986

## ORDER

**S.O.2797.**—In pursuance of sub-rule (4) of Rules 8 of the Official Language (use for official purposes of Union) Rules 1976, the Central Government hereby specifies that the employees of the notified Regional Office of the Employee's State Insurance Corporation, Haryana (Faridabad), who have obtained proficiency in Hindi, shall use Hindi alone in all official work for noting, drafting and for other official purposes, specified in the Schedule annexed hereto with effect from 30th July, 1986.

2. It shall not be construed from this order that no other language will be used in the official work in the said Regional Office, where it is necessary or essential under the said rules or any other law.

## SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Branch	Subject
(1)	(2)	(3)
1.	Administration Branch :	Reference relating to :— (i) Appointment, postings/ promotions/transfers of the Staff. (ii) Earned leave/Half pay leave/Extraordinary leave.

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		(iii) Leave Travel Concession/ Pay/Festival/Motor conveyance/Cycle Advance and Encashment of leave.			(viii) Banking arrangements in local offices/Regional office.
		(iv) Temporary/final withdrawal of Provident Fund Advance.			(ix) Forwarding letters of Bank reconciliation statement of account No. 2.
		(v) Quarterly/Half Yearly Typewriting test/open/ Departmental Lower Division Clerk/Upper Division Clerk tests.	5. Legal & Coordination Branch		References relating to :..
		(vi) Forwarding of instructions received from Headquarters' office.			(i) Certificates attached to the Bills of advocates for payment of fees/honorarium.
		(vii) Probation period.			(ii) Engagement of counsel.
		(viii) Meetings of local Committees and Regional Boards.			(iii) Sanction of legal charges.
		(ix) Entries in Service Books.			(iv) Approval of tour programmes in respect of Inspectors/Manager regarding Inspections etc.
		(x) Approval of tour programmes/training.			(v) Approval of tour programmes in respect of employees/officers appearing in courts in legal cases.
		(xi) Scheduled Castes/Scheduled Tribes;			(vi) Organisation of meetings of Ins. Inspectors/Managers and issuance of Minutes.
2. Cash Branch		References relating to :.			(vii) Action on the basis of Information received from the Chief Inspector of Factories.
		(i) Preparation of Bills.			
		(ii) Transfer of funds from emergency fund to local offices.			
		(iii) Settlement of claims.	6. Insurance I Branch		References relating to :..
		(iv) Settlement of audit objections.			(i) Registration of employees.
		(v) Correspondence relating to various bills.			(ii) Recovery of contributions.
3. General Branch		References relating to			(iii) Submission of re-entry/exit lists.
		(i) Issue of tenders.			(iv) Inter-regional/Local transfer case of insured persons.
		(ii) Purchase and supply of books.			(v) Checking of ESIC-37 received from Asstt. Director Health Services (Social Insurance).
		(iii) Purchase of general articles/liveries/equipment/furniture/perishable articles etc.			(vi) Forwarding of returns of contribution & challans to the revenue branches.
		(iv) Recovery of licence fees			(vii) Allotment of Block of insurance Nos. to the local offices.
		(v) Fixation of standard rent of residential quarters.			(viii) Entries in ESIC-38 Register.
		(vi) Purchase of stationary articles.			(ix) Approval of extended sickness benefit rates.
4. Finance & Accounts Branch		References relating to :..			References relating to
		(i) Issue of cheques.			(i) Accident cases
		(ii) Maintenance of cash book account No. 2 and Bank reconciliation statement.			(ii) References to Medical Board for assessment of permanent disablement payment.
		(iii) Issue of letter of authority for operating bank accounts.	7. Ins. II Branch		(iii) Calculation payment of P.D.B.
		(iv) Handling of papers relating to various bills/claims.			(iv) Settlement of dependent benefit.
		(v) Issue of audit reports.			(v) Disposal of complaints of insured persons.
		(vi) Follow-up actions related to audit objections.			
		(vii) Verification of P.D.B./D.B. rates.			

(1)	(2)	(3)
		(vi) Settlement of audit objections.
		(vii) Payment of Medical Board fees to the Doctors.
		(viii) Correspondence in maternity benefit and funeral benefit cases.
		(ix) Payment of honorarium to medical referee and his clerk.
		(x) Correspondence regarding Inter-regional/local transfer of PDB/DB cases.
		(xi) Correspondence regarding waiver of recoveries.
8. Ins. III Branch :		(i) Issue of C-18
		(ii) D-18 (Notice of Damages)
		(iii) Notice under Section 406/409 of Indian Penal Code.
		[No. E-11012/1/86-SSI]
		R.N. PURI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1986

का. भा. 2798.—मैसर्स डी. सी. एम. डाटा प्रोसेसर्स, बिकांत टावर, 4 राजेंद्रा पैसेज, नई दिल्ली-110008 (डी. एल/3562) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उप-धारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिधाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहज बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभोग्य है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. भा. 2798 तारीख 17-6-1983 के अनुसरण में और इससे उपलब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 2-7-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 1-2-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधान प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक भाग की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उन संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभोग्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशेष अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(146)/83-पी.एफ.-2/एस.एस.-2]

New Delhi, the 24th July, 1986

S.O. 2798.—Whereas Messrs DCM Data Products, Vikrant Tower, 4th Rajindra Place, New Delhi-110008 (DL/3626) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2796 dated the 17-6-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 2-7-1986 upto and inclusive of the 1-7-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under; clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/146/83-PF-II (SS-II)]

का. आ. 3799.—संसद गुजरात अलकलीज एंड कॅमिकल्स लि., पो. धा. पैदाकमिकलज, 391 346, जिन्ना बन्दोरा (जीए जे./10042) (जिसे हमें हमके पञ्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमें इसके पञ्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम का सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से शक्ति अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहवर्द्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पञ्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुकूल है:

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधियुक्त संस्था का. आ. 3405 तारीख 30-7-1983 के अनुसरण में और इसने उपाख्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 27-8-86 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26-8-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि या युक्त गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे निष्ठा रजिस्ट्रार तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक नाम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर भेजना करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के अंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणाली में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अस्तरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रस्ताव, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पढ़ने ही सक्षम है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भेजता रहेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अर्जित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस वषा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि अध्यागत गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन ने कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि अध्यागत, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(134)/83-पी.एफ.-2/एस.एच.-2]

S.O. 2799.—Whereas Messrs Gujarat Alkalies and Chemicals Limited, P.O. Petro Chemicals, 391 346 District Vadodra (GJ/10642) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoy-

ment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3405 dated the 30-7-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27-8-1986 upto inclusive of the 26-8-1989.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under; clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insu-

rance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/134/83-PF-II (SS-II)]

का.प्रा. 2800.—मेसर्स वेस्टर्न इण्डिया एन्टरप्राइजेज लि., सहादरी सदन, तिलक रोड, पुणे-44030 (एम.एच./11278) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निरोप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 ( जिसे हममें हमने पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 3398 तारीख 30-7-1983 के अनुसरण में और इससे उपाकृत अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 27-8-86 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26.8.89 भी सम्मिलित हैं, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निविष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभावों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, और जय कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य शर्तों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले

ही सदस्य है, उसकी स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं, तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी नीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न थी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि को हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण वाचे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम-35014(106)/83-पी एफ. 2/एमएस-2]

S.O. 2800.—Whereas Messrs. Western India Enterprises Limited, Sahyadri Sadan, Tilah Road, Pune-411030 (MH) 11278) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India,



of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3398 dated 30-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27-8-1986 upto and inclusive of the 26-8-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under; clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within, 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/106/83-PF-II (SS-II)]

का.आ. 2801. —नैसर्गिक और अत्यन्त दुर्घटना इन्सुरेन्स प्राईवेट लि., 18 कामगिर्येन कम्पनैयम मालका मारी, नई दिल्ली-21 (बी.एल/5532 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक प्रविष्टि या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन ओवर बीमा के रूप में जो कायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों की उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निशेष सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुमेष हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिलक्षणा संख्या का. आ. 1901 तारीख 30-3-1983 के अनुसरण में और इससे उपाय्यक अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापना को, 4-6-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 5-4-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के तमो उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त देखनी को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्ष के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके सम्बन्धित लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका

नाम गुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायरें वशिये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायरों में सम्मिलित रूप से वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अग्रे उल्लेख फायरें उत फायरों से अधिक प्रचलित हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन प्रत्येक एकम उस एकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सवेय होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों एकमों के अन्तर के बराबर एकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं लिया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिपुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत शरीर के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में प्रसक्त रहता है, और पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दो गई हो, तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायरों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य का मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय सत्परक्षा से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम. 35014(101)/83 पी.एफ. 2/एम. एम.-2]

S.O. 2801.—Whereas Messrs. Oriental Structural Engineers Private Limited, 18-Commercial Complex, Malcha Marg, New Delhi-21 (DL/5532) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in con-

tinuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1901 dated the 30-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 6-4-1986 upto and inclusive of the 5-4-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under; clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure

prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/101/83-PF-II (SS-II)]

का. घा. 2802.—जैसेस मिलन सिनेमा, नजफगढ़ रोड, कर्म पूरा गई विस्सी-110015 (बी एल./3381) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रमाण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिव्यक्ति या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना हा, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी विशेष सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के धर्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 1899 तारीख 30-3-1983 के अनुसरण में और इसमें उल्लेखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 6-4-1986 से तब तक की शर्तों के अधिनियम 5-4-1989 में सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी प्रावधानों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेंगी और ऐसी लेखा रखेंगी तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगी जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रभाव में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अक्षरण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय प्राप्ति भी है, होने वाले मरीजों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुमक्या की भाषा में उक्त मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका मरणा दण्ड करेगा और उसकी बाबत प्राथमिक प्रीमियम भारतीय जीवन निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे वसूले जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में मुक्ति रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा

जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में सन्देश्य होती, तब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के अन्तर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-मुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रह करी जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के अन्तर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालनी का अन्तर हो जाने दिया जाता है तो वह छूट रह करी जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यति-क्रम की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट नहीं गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण राशि की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(99)/83-पी.एफ.-2/एस.एस.-2]

S.O. 2802.—Whereas Messrs Milan Cinema, Najafgarh Road, Karampura, New Delhi-110015 (DL/3381) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1899 dated the 30-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 6-4-1986 upto and inclusive of the 5-4-1989.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/99/R3-PF-II (SS-III)]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1986

का.प्र. 2803.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.डी.आर. पण्डित, 1986 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसका उक्त अधिनियम के ध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और ध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् ।

“कुरुनल जिले में नान्दयाल राजस्व मण्डल के पन्नापूरम के राजस्व ग्राम के संलग्न ग्रामों के क्षेत्र।”

[संख्या एम-38013/25/86-एस.एस.-1]

New Delhi, the 25th July, 1986

S.O. 2803.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the First August, 1986 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“The area within the revenue village of Ponnapuram under Nandyal revenue mandal in Kurnool District.”

[No. S-38013/25/86-SS-I]

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1986

का.प्र. 2804.—मैसर्स गुजरात टैक्टर कारपोरेशन लिमिटेड, विश्वामिती, बडोदरा-390001 (जी.जे./1860) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिधाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विशेष सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुजैय हैं।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रतिपुष्टि मध्या का.प्र. 3338 तारीख 27-8-82 के घनमरण में और इसमें उपाध्यक्ष धनसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन का, 18-9-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 17-9-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसे विवरणों भेजेंगे और ऐसे निष्ठा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधायें प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. निरीक्षण, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क के खण्ड क के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही व्यवस्था है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के जनवर्षों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किता संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अन्तर्गत नहीं रखे जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा नि. द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पात्रता की व्यंगत हो जाने बिना जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमादा रीति के हकदार, नाम निर्देशित विधिक वारिसों को उस राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक

वृत्ति में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर निश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/209/86-एस-2]

New Delhi, the 28th July, 1986

S.O. 2804.—Whereas Messrs Gujarat Tractor Corporation Limited, Vishwamitri, Vadodara-390001 (GJ/1860) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And, whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3338 dated the 27-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 18-9-1985 upto and inclusive of the 17-9-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employee.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/209/86-SS-II]

का.प्र. 2805.—मैसर्स पोलिबैम लिमिटेड, ए. बी. आई. प्लास्ट-18, पी. सी. पी. एरिया, पोस्ट-वेदीहाइल्ट, बडौदा-391347 (जी.जे./10032) (जिसे इसमें इससे परभावत उक्त स्थापन कहा गया है, ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परभावत उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिधाय या प्रीमियम का सन्वाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके परभावत उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभवे हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भ्रम प्रज्ञालय की अधिसूचना संख्या का.प्र. 4656 तारीख 24-11-1983 के अनुसरण में और इससे उपायक अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसे लेखा रक्षणा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन की भीतर सन्वाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के अन्तर्गत (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्वाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों का सन्वाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का प्रवृत्त नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में, उसकी मुख्य बातों का अनुबाब, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले हो सम्बन्ध है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मन्वस्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं, तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम से अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्वय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में सन्वय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामानिर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्वाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन ने कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वही, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्वाय करने में असफल रहता है, और पालिसी का व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्वाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मूल समस्याओं के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्वाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हफ्तवार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्वाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण राशि की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस.-35014/298/83/पी. एफ.-2/एस. एस-2]

S.O. 2805.—Whereas Messrs Polychem Limited, ABI, Plant 18, P.C.C. Area, Post Petroffles, Vadodara-391347 (GJ 10032) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And, whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4656 dated the 24-11-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-1986 upto and inclusive of the 23-12-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. 35014/296/83-PF-II-SS.]

का.घा. 2805—मैसर्स गुजरात स्टेट एम्प्लॉयर्स कांफॉरेंस लिमिटेड, दूसरी मंजिल गुजरात चेम्बर्स बिल्डिंग, ब्राथम रोड, ब्रह्मदाबाद (जो. जे./4895) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों की उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहायक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूते हैं।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 3661 तारीख 19-7-83 के अनुसरण में और इसने उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-9-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-9-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि अध्याक्त गुजरात की ऐसी बिकरणियां सेजिंग और ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी मुद्रियां प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निश्चित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3 क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रवर्तन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का प्रस्तुत, निराक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद, स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत व्यवहार देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमा कूट राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों की उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में हर प्रकार से पूर्ण बाधों की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस.-35014/83/83-वी. एक.-2/एस. एस.-2]

S.O. 2806.—Whereas Messrs Gujarat State Export Corporation Limited, 2nd Floor, Gujarat Chambers Building, Ashram Road, Ahmedabad, (GJ/4895) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption

under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3661 dated the 19-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-9-1986 upto and inclusive of the 23-9-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the



employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/93/83-PF-II-SS-II]

का. प्रा. 2807 :—मैसर्स वी मयुराई जिन्सा को-ऑपरेटिव स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, पी. ओ. नं. 1, मैलूर पोस्ट आफिस मैलूर-625106 (टी. एन./5518) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) के कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो उन्हें कर्मचारी निषेध सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत है;

धतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 1643 तारीख 8-3-1983 के अनुसरण में और इससे उपायुक्त अनुसूची में निर्दिष्ट बातों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 19-3-1986 से तीन वर्ष अवधि के लिए लिए जिसमें 18-3-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणामन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय भेजाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रचारों का सन्दाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया

जाए, तत्तु उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किता स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उक्त स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो बड़ी, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हक्कावर नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/39/83-पी. एफ. -2/एस. एस.-2]

S.O. 2807.—Whereas Messrs The Madurai District Cooperative Spinning Mills Limited, P.B. No. 1, Melur, P.O. Melur-625106 (TN/5518) (hereinafter referred to as the establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1643 dated the 8-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 19-3-1986 upto and inclusive of the 18-3-1989.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/39/83-PF-II-SS-II]

का. प्रा. 4803—मैसर्स उदयपुर विमैस्ट वर्कस, पोस्ट आफिस-वशाजनगर सी. एन. ए-313021, जिला उदयपुर, राजस्थान (प्रार. जे./1548) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवस्त्र अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् प्रविधय या प्रीमियम का समुदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा निगम स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक प्रयुक्त है जो उन्हें कर्मचारी निवेश यद्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अंतर्गत प्रयुक्त है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 1047 तारीख 8-3-1983 के अनुसूची में और इससे उपवस्त्र अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 19-3-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नियमों 18-3-1989 भी सम्मिलित हैं, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गणस्थान को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिवस के भीतर संशय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसमें अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का प्रवर्तन निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, एवं उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की यद्बद्धता की भाषा में उसकी मुख्य शर्तों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का

पहले ही जगस्य है। उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पड़ने अपना मुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिथ्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि वह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्की के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के बराबर नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/28/83- पी. एक-2/एस एस-2]

S.O. 2808.—Whereas Messrs. Udaipur Cement Works, P.O. Bajajnagar, CFA-313021, District, Udaipur, Rajasthan (RJ/1548) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1975 (hereinafter referred to as the said Scheme);

576 GI/86—12

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1647 dated the 8-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 19-3-86 upto and inclusive of the 18-3-1989.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominees of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default if any made by the employer in payment of premium, the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/28/83|PF. II-SS. II]

का.घा. 2809.—मैसर्स हिन्सन्स वर्कशॉप, दी, लोअर माल, पटियाला, पंजाब (पी. एन./3584) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि की प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किमो पृथक् अभिदाय या प्रिमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निरोप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 1621 तारीख 5-3-1983 के अनुसरण में और इससे उपायध्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 19-3-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 18-3-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संशय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगत करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों

को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में, उन भूत सदस्यों के नामनिर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्ति में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस -35014/22/83-पी. एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2809.—Whereas Messrs Hindsons Workshop, The Lower Mall, Patiala, Punjab (PN/3584) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1621 dated 5-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 19-3-1986 upto and inclusive of the 18-3-1989.

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/22/83-PF-II-SS. II]

का. आ. 2810:—मैसर्स धर्मपुरी सैन्डल की-आपरेटिंग बैंक लिमिटेड धर्मपुरी (टी. एन./4147-ए) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभोग्य हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3401 तारीख 30-7-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 27-8-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26.8.1989 में समाप्तित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तामिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का संतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि हो है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट से किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि सा. 35014 बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभोग्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तामिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अर्थात् किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहलू अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारोख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को अस्पष्ट हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन भूत सवस्था के नगनिर्देशितियां या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होता तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नगनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दश में हर प्रकार से पूर्ण दावे का प्राप्त के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/109/83-पी. एन.-2/एस एस-2]

S.O. 2810.—Whereas Messrs. Dharmapuri Central Co-operative Bank Limited; Dharmapuri (TN/4147-A) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3401 dated the 30-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27-8-1986 upto and inclusive of the 26-8-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S. 35014/109/83-PF-II(SS. II)]

का. आ. 2811—मैसर्स सान इंजीनियरिंग एंड लोकमोबिलिटी कंपनी लिमिटेड, [(जो पहले सरि एंड नागर) लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी] पी. बी. सं. -4802, बहब्रह्मर फील्ड रोड, बंगलूर (के. एन./4846) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदे उठा रहे हैं वे ऐसे

कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधि अथवा सहज्य बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं ;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2319 तारीख 6-5-1983 के अनुसरण में और इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 21-5-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 20-5-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी निश्चरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा-पत्रिका निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर तैयार करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके शर्तगत लेखापत्रों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखापत्रों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का गंवाव आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा दिया अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि पर पहले ही सबन्ध है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में सदैव होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रत्येक के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिपत्र अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारिख के भारत प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को ब्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में, उक्त मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हफ्तवार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा दशा में हर प्रकार से पूर्व दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस - 35014/116/83-पो. एफ - 2/एस एस 2]

S.O. 2811.—Whereas Messrs. San Engineering and Locomotive Company Limited, (formerly known as Suri and Nayar Ltd.) PB No. 4802, White field Road, Bangalore (KN/4846), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2319 dated the 6-5-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 21-5-1986 upto and inclusive of the 20-5-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance

Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/116/83-PF. II-SS. II]

का. आ. 2812.—मैसर्स हिन्दमन् प्राइवेट लिमिटेड वी लोथर माल, पटियाला (पंजाब) (पी. एन./1935) (जिसे इसमें उसके पञ्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उप-उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इनमें इसके पञ्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए प्रार्थना किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिषाय या प्रीमियम का सन्दाप किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों की उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निरोप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पञ्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुमेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भ्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3664 तारीख 19-7-1983 के अनुसरण में और इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-9-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-9-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाप करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाप लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाप आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाब, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पट्टन ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाप करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाप करेगा ।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां विगत संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्ति



होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का भुगतान करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के भुगतान में किए गए किसी व्यतिक्रम को दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उस स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के भुगतान का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का भुगतान तत्परता और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/96/83-पी. एफ.-2/एस एम-2]

S.O. 2812.—Whereas Messrs. Hindson Private Limited, The Lower Mall, Patiala (Punjab) (PN/1935) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3664 dated the 19-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-9-1986 upto and inclusive of the 23-9-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed

in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/96/83-PF II-SS.II]

का. घा. 2813—श्रीमत् हिन्दसन प्राइवेट लिमिटेड, 11 वीं मस्जिद, नई दिल्ली रास्ता, 27-नागपुरमा रोड, नई दिल्ली-110001 (पी. एन./1290), (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी शक्ति निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पञ्च गृहिणाय या पीमियस का भुगतान किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की माफ़ि ; बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सन्ध्या बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 1895 तारीख 30-3-1983 के अनुसरण में और इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के

अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 6-4-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 5-4-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्देश करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणामन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्देश, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का सन्देश आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आगत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्देश करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामानिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्देश करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्देश करने में असफल रहता है, और पालिसी को अक्षय हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्देश में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्देश का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्देश तत्परता से और प्रत्येक दशा में दूर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/81/83-बी. एफ.-2/एस एस-2]

S.O. 2813.—Whereas Messrs. Banaras House Limited, 11th Floor, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-110001 (DL/1290) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1895 dated the 30-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 6-4-1986 upto and inclusive of the 5-4-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/81/83-PF.II.SS.III]

का. भा. 2814.—सैयम-होटल रामबाग पैलेस, मरानी मिह मार्ग, जयपुर (भार. जे./166), (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम संज्ञासूचक अधिसूचना संख्या का. भा. 1626 तारीख 5-3-1983 के अनुसरण में और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 19-3-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 18-3-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के अधीन उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

576 G of I/86—13.

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्विष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रभासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत धारित/नामनिर्देशित को प्रतिभर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा ।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रहू की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रहू की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्धाय में किए गए किसी व्यक्तिकम को तथा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जा यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्धाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्धाय तत्परता से और प्रत्येक वषा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/21/83/पी. एफ.-2/एस एस-2]

S.O. 2814.—Whereas Messrs Hotel Rambag Palace, Bhawari Singh Marg, Jaipur (RJ/166) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (1 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1626 dated the 5-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 19-3-1986 upto and inclusive of the 18-3-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to

the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/21/83/PE. II SS. II]

का. घा. 2815.—मैसर्स दी एसोसिएटेड सिमैट कम्पनी लिमिटेड, नया सिमैट बकसे, पोस्ट फाकिम-सिमैट नगर, जिला चम्पा-पुरा (एम. एच./11552), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिधाय या प्रीमियम का सन्धाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं व ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो उन्हीं कर्मचारी विशेष सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभवे है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 4643 तारीख 22-11-1983 के अनुसरण में और इससे उपाज्ज अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-12-1979 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 22-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

## अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रचारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या का भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना बुद्धिकोण स्पष्ट करने का सुविधायुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को

जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों का उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में दूर प्रकार से पूर्ण राशि की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/229/83-पी. एफ.-2/एस एस-2]

S.O. 2815.—Whereas Messrs. The Associated Cement Company's Limited, Chanda Cement Works, P.O. Cement Nagar, District Chandrapur (M.S.) (MH/11552) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4643 dated the 22-11-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-1986 upto and inclusive of the 23-12-1989.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/229/83-PF. II./SS. II]

का.अ. 2816.—मैमर्स इफोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, गंगा भवन, विमान एरिया दरबार गोपालदाम मार्ग नाडियद गुजरात-387001 (जी.जे.-6060) (जिसे हमें इनके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हमें इनके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिव्यक्ति या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये बीमा स्कीम के अधीन जीवन फायदे जन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी विशेष सहवध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभवी हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिवृत्त संख्या का.अ. 4579 तारीख 22-11-1983 के अनुसरण में और इसके उपावध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 17-12-1986 से तीन वर्षों की अवधि के लिए जिसमें 16-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उप-वधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम

का धारा-17 की उपधारा 3-क के अन्तर्गत के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रचारों का संदाय आदि है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम पुरस्त दर्ज करेगा और उसका बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवी हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस वधा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक कारिस/माम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिपुस्तक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है, तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी भविष्य निधि की वधा से उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक कारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, संसाधित राशि हकदार नामनिर्दिष्ट/विशेष चोरसों की उस राशि का संवाय तत्परता से प्रीर प्रत्येक रजा के हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास की भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/222/83-18 ए.क. 2/एसएस-2]

S.O. 2816.—Whereas Messrs Efforts Private Limited, Ganga Bhawan, Mission Area, Darbar Gopaldas Marg, Nadiad-387001 (GJ)6060 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4579 dated the 22nd November, 1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 17th December, 1986 upto and inclusive of the 16th December, 1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/222/83-PF. II.] SS. II]

का.आ. 2817:—वैसय जे.के. सिवेटिक लिमिटेड जे.के. नगर, कोटा राजस्थान (आर. जे./515) (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिधाय या प्रीमियम का संवाय किये बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो कायदे उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें मनजोय है।

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिवचना संख्या का.आ. 2015 तारीख 14-4-1983 के आदेश में और इसके उपबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 30-4-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 29-4-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रचारों की प्रत्येक मास की समाप्ति की 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 3-क के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का संस्तरण, निरीक्षण प्रचारों संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को प्रेषित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमत्त हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किन्हीं कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उन सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पढ़ने अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रिति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट की, रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारिख के भीतर प्रीमियम का सन्वाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्वाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्वाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. एक स्कीम के अन्तर्गत आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/

विधिक वारिसों को उस राशि का सन्वाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक वृत्ति में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/56/83-वी.एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2817.—Whereas Messrs. J. K. Synthetics Limited, J.K. Nagar, Kota, Rajasthan (RJ/515) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2015 dated the 14th April, 1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 30th April, 1986 upto and inclusive of the 29th April, 1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.



8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/56/83-PF. II/SS. II]

का.आ. 2818.—मैसर्स-एम. पी. स्टेट टैक्सटाइल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मजिल 2ए, 6-ए और सी., गंगोत्री कम्प्लेक्स, टी.टी. नगर, भोपाल और इस की सभी शाखाएं (एम.पी./12, 430, 1253, 1862) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अर्जित है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2080 तारीख 18-4-1983 के अनुगुण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 7-5-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 6-5-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजित प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समया-समय पर निश्चित करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 17 की उप-धारा (3) के अन्ध (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाह, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका वास्तव आवश्यक प्रीमियम जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वशा में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक, कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा ।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी नीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पानिसो को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत रशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

S.O. 2818.—Whereas Messrs. M.P. State Textile Corporation Limited, Floor 2A, 6A & C, Gangotri Complex, T.T. Nagar, Bhopal-462003 and all its branches (MP/12, 430, 1253 and 1862) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And Whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A), of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2080 dated 18-4-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 7-5-1986 upto and inclusive of the 6-5-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if life benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund

Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/783-PF.II[SS. II]

का.प्र. 2819:—मैसर्स जे.के. सिमेट वर्क्स, कैलाश नगर, निम्बाहेरा (धार.जे./2054) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कार्यकारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है:

और वैश्वीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कार्यकारी किसी पृथक् प्रमियाय या प्रीमियम का सन्दाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कार्यचारियों को उक्त फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कार्यकारी विशेष सञ्चय बीमा स्कीम, 1976 (1976) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है;

आर. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्र. 2008 तारीख 14-4-1983 के अनुसरण में और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 30-4-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिये जिसमें 29-4-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त राजस्थान की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो वैश्वीय सरकार सम्यक् समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो वैश्वीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन (1) के अधीन सम्यक् समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रभाव में, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय सेवाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी इसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुप्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राजि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राजि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस-350) 4/59/84-वी एफ-2/एस.एस-2]

S.O. 2819.—Whereas Messrs. J.K. Cement Works, Kailash Nagar, Nimbahera (RJ/2054) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

576 GI/86—14.

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2008 dated the 14-4-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 30-4-1986 upto and inclusive of the 29-4-1989.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employee fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/59/83-PF.F. II/SS. II]

क्र.पा. 2820:—मैसर्स की अम्बर को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, वाडपुडेट पोस्ट आफिस-635812, जिला नार्थ अरकोट, तामिलनाडु (टी.एन./3205) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदे उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों की उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूचना संख्या क्र.पा. 4658 तारीख 25-11-83 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 24-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिये जिसमें 23-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम की सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तामिलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणालन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाव, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्ध्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्ध्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तामिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पान्तिमी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में, उक्त मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, धीमाकृत राशि के हक्कार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण भावे से प्राप्त के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/261/83-पी.एफ.-2/एस.एस-2]

S.O. 2820.—Whereas Messrs The Ambur Co-operative Sugar Mills Limited, Vadapudet PO. 635812 North Arcot District Tamil Nadu (TN/3205) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corpo-

ration of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4658 dated the 25-11-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-1986 upto and inclusive of the 23-12-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/261/83-PF. II. SS. II]

का.पा. 2821-मैसर्स सी. जमरल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, स्वास्तिक सुपर मार्केट, आधम रोड, प्रहमदाबाद-380009 (जी.जे./4683) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक प्रभिव्य या प्रीमियम का सन्दाय किये बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी विशेष सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.पा. 4718 तारीख 24-11-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिये जिसमें 23-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रश्नों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहल नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा

और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्धाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुत्प्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्धाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वक्त में सन्धाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्धाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व प्रमुखों के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्धाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्धाय में किये गये किसी ध्वतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट म दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्धाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्धाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/251/83-पी.एफ.-2/एस.एस.-2]

S.O. 2821.—Whereas Messrs The General Co-operative Bank Limited, Swatik Super Market, Ashram Road, Ahmedabad-380009 (GJ/4683) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 4718 dated the 24-11-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-1986 upto and inclusive of the 23-12-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance

benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/251/83/PF. II. SS.II]

का.प्र. 2822.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (ग) के अनुसरण में, श्री एम. एल. मजूमदार के स्थान पर श्रीमती जानकी कठपालिया, वित्तीय सलाहकार, श्रम मंत्रालय को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्र. 545 (घ), दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "[केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (ग) के अधीन नाम निर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 4 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"श्रीमती जानकी कठपालिया,  
वित्तीय सलाहकार,  
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार,  
नई दिल्ली।"

[संख्या यू-16012/8/86-एस.एस.-I]

S.O. 2822.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Smt. Janaki Kathapalia, Financial Adviser, Ministry of Labour as a member of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri M. L. Majumdar;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 545 (E), dated the 25th July, 1985, namely:—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the Central Government under clause (c) of Section 4]", for the entry against Serial Number 4, the following entry shall be substituted, namely:—

Smt. Janaki Kathapalia,  
Financial Adviser,  
Ministry of Labour, Government of India,  
New Delhi"

[No. U-16012/8/86-SS-I]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1986

का. प्र. 2823.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खंड (घ) के अनुसरण में, श्री एम. एल. मजूमदार के स्थान पर श्रीमती जानकी कठपालिया, वित्तीय सलाहकार, श्रम मंत्रालय को कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम

मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्र. 5290, दिनांक 4 नवंबर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "[केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खंड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 3 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"श्रीमती जानकी कठपालिया,  
वित्तीय सलाहकार,  
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार,  
नई दिल्ली।"

[संख्या यू-16012/8/86-एस.एस.-I]

ए. के. भट्टराई, प्रवर सचिव

New Delhi, the 29th July, 1986

S.O. 2823.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (b) of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Smt. Janaki Kathapalia, Financial Adviser, Ministry of Labour, Government of India as a member of Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri M. L. Majumdar;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 5290, dated the 4th November, 1985, namely:—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the Central Government under clause (b) section 8]", for the entry against Serial Number 3, the following entry shall be substituted, namely:—

"Smt. Janaki Kathapalia,  
Financial Adviser,  
Ministry of Labour,  
Government of India,  
New Delhi."

[No. U-16012/8/86-SS-I]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1986

का.प्र. 2824.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, देना बैंक के प्रबंधन से संबंधित निराकरण और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-7-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th July, 1986

S.O. 2824.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Dena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th July, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(57)/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dena Bank, Behind Jairam Talkies, District, Raipur (M.P.) and their workmen S. Shri Anil Kumar Boyar and Neelkanth, Sub-staff represented through

the M.P. Bank Employees Association, Parwana  
Bhawan, Aminpara, District Raipur (M.P.).

#### APPEARANCES :

For workmen . . . Shri S.K. Adhiya.

For Bank . . . Shri V. L. Maniar, Regional Manager,

INDUSRY : Banking DISTRICT : Raipur (M.P.).

#### AWARD

Dated : July 2, 1986

This is a reference made by the Central Government vide Notification No. L-12012/269/84-D.II(A) dated 8th July, 1985, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Dena Bank in relation to their Amogarhi Chowki Branch and Somni Branch in terminating the services of S/Shri Anil Kumar Boyar and Neelkanth, Sub-staff with effect from November 83 and May 83 respectively is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

2. After the parties have filed their pleadings the case was fixed for evidence of parties but instead of adducing evidence parties have filed an application along with a compromise petition duly signed by Shri S. K. Adhiya State Executive and Shri R. K. Mehta Vice President, M.P.B.E.A. Raipur Unit on behalf of the workman and Shri V. L. Maniar Regional Manager on behalf of the Bank, Parties have also verified the settlement before this Tribunal. The terms of the settlement are as under :—

1. That Shri Anil Kumar Boyar & Shri Neelkanth will be taken as part time employees in subordinate cadre of the bank only as a special case. On their employment they will be subject to the terms and conditions of the service regulations as also that of recruitment prevailing in the bank.
2. They being the part time employees the scale of wages shall be fixed in accordance with the scale as prevailing in the bank and such fixation relating to hours of duty shall be entirely at the discretion of the bank.
3. The said employees shall be taken in service at the earliest opportunity i.e. within two months from the date of publication of the award.
4. Wages shall become payable only from the date of appointment as a part time employee.
5. Such appointment has been agreed to only as special case irrespective of educational qualification, age, deviating from the usual norms as an exception. Such privilege to the Union shall not be open in future.
6. The appointment of the concerned part time employees will be prospective. The concerned employees shall have no claim either for back wages, seniority of past services nor such appointment would be deemed to the service as continuous one. The conclude, such appointment shall not be attended with attached benefits to the past.
7. The aforesaid terms have been reached without fraud, force or coercion to resolve the dispute finally without prejudice to the rights in other cases. The union shall not be entitled to claim such special appointments as precedents.

3. I have gone through the terms of the settlement and am of the opinion that they are just, fair, reasonable and in the interest of the workman concerned. I, therefore, record my award in terms of the aforesaid settlement and make no order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer

2-7-1986.

[No. L-12012/269/84-D. II(A)]

मई दिल्ली, 28 जुलाई, 1986

का. सं. 2825.—प्रौद्योगिक विवाद प्रविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट प्रौद्योगिक विवाद में प्रौद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के संघाट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-7-86 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th July, 1986

S.O. 2825.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th July, 1986.

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 53 of 1984

#### BETWEEN

The Workmen of State Bank of Hyderabad, Hyderabad.

#### AND

The Management of State Bank of Hyderabad, Hyderabad.

#### APPEARANCES :

Sarvasri A. K. Jayaprakash Rao and P. Damodhar Reddy—Advocates for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha—Advocates for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/19/84-D. II(A) dated 27th July, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of State Bank of Hyderabad, Hyderabad and their workman to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of State Bank of Hyderabad in relation to their Osmania University Branch in not absorbing the Bank's services and terminating the services of Shri Ahmed Bin Omar, Sub-Staff is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

The reference was registered as Industrial Dispute No. 53 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. The claims statement filed by Ahmed Bin Omar seeking the termination of services as Sub-Staff member of the State Bank of Hyderabad, Hyderabad is not justified and the same is liable to be set aside. He also prayed for reinstatement into service and continuity of service with all attendant benefits and back wages. It is mentioned that he was appointed as Peon-cum-Watchman by the Respondent Bank and worked in various branches from 1st October, 1965 to 1979 and he served the Management with utmost satisfaction. It is his case while working in Osmania University Branch office of the Respondent his services were terminated in the last week of November 1979 and that he worked for more than 240 days and without following the provisions of the Section 25F of the I.D. Act they terminated his services. According to him the Management violated the provisions of Section 25F of the I.D. Act and therefore the Order of termination is illegal and invalid. According to him when he moved the Conciliation Officer under the Industrial Disputes Act the Respondent expressed their inability to consider the case and therefore the matter was referred to this Tribunal for adjudication of the same is in violation of Section 25F, 25G and 25H of the I.D. Act.



3. The Management filed a counter stating that the petition is not maintainable under law or in facts, the Management denied that the Petitioner had ever worked for more than 240 days in the Bank continuously. The Bank questioned the contention that they violated Section 25F of the I.D. Act and mentioned that the same had no application. It is denied that he worked at Bhongir of the Respondent Branch for 247-1/2 days. It is accepted that they mentioned before the Conciliation Officer as per the letter dated 23rd December, 1981 of Government of India that they were directed to make appointment in the Sub-cadre only through the Employment Exchange and any agreement contravention should be terminated forthwith. It is mentioned that there is no violation of any provisions of law.

4. The Management filed an additional counter stating that certain particulars were not available at the Bank while filing the original counter. He gave a number of days worked by the Petitioner at Bhongir in 1974 monthwise for a total period of 169-1/2 days in a calendar year commencing from 1st January, 1974 to 31st January, 1974. It is further mentioned that the Petitioner requested the Branch Office for a certificate for purpose of producing before the Personnel Department of the Respondent Bank in connection with his representation and then the Branch Manager of the Bhongir issued a certificate showing therein the above particulars of the Petitioner along with the other days on which he had worked during the year 1973. However the Petitioner forged the certificate issued by the Branch Manager of Bhongir Branch and altered the certificate. The Petitioner had forged the days of his work in the month of January 1974 as 25 days in the place of 15 days; 12-1/2 days to 22-1/2 days in the month of February; 9 days to 29 days in the month of March; 10 days to 30 days in the month of April; 17 days in the place of 15 days; 12-1/2 days to 22-1/2 days in the month of August; 14-1/2 days to 24-1/2 days in the month of November and 12 days to 22 days in the month of December. Thus the Petitioner forged the certificate dated 12th May, 1980 so as to show 269-1/2 days instead of 169-1/2 for the calendar year commencing from 1st January, 1974 to 31st December, 1974. Without producing the original certificate before the Personnel Department he obtained a forged copy of the certificate dated 12th May, 1980 which he has forged as above stated and approached the Branch Manager, Bhongir and obtained a false certificate dated 12th May, 1980. So the Petitioner had fraudulently misrepresented to the Branch Manager of Bhongir Branch as if he worked for a period of 247-1/2 days during the calendar year 1974. Relying on the photostat copy produced by the petitioner and misrepresentation made by him the then Branch Manager of Bhongir Branch of the Respondent-Bank issued a certificate which is now filed by the Petitioner, on the assumption that the photostat copy produced by the Petitioner is the copy of the original and misrepresentation made by the Petitioner, the then Branch Manager had issued a fresh certificate the photo copy being purport of the original was not available in the records. The photostat copy of the purport earlier certificate is not genuine and it is clearly tempered one and a fresh certificate was the result of manipulation on the part of the petitioner.

5. On behalf of the Workmen, the workman himself is examined as W.W. 1 and he marked Exs. W1 to W8 as the documents concerned. The Management examined two witnesses as M.W. 1 and M.W. 2 and marked Exs. M1 to M18.

6. W.W. 1 is the Peon-cum-Watchman in the State Bank of Hyderabad who worked in the various Branches. It is his case that he joined the service on 1st October, 1965 and worked upto 1980. According to him the Management terminated his services stating that he is temporary employee without giving any notice or paying any compensation. It is his case that he specifically worked for more than 240 days at Bhongir Branch in 1973-74 and he had given representation to the Management also in this connection. He marked Exs. W1 to W4 as the photostat copy attested by him showing that he worked at Osmania University Branch Office in 1966 and again in 1967-68 and again in 1976 and finally in 1978 respectively. Of course the photostat copy and the marking of the documents was objected by the Management. According to the witness the said originals were given to Sitarama Rao who was the Union leader and they were misplaced and they were not given by the Union leaders stating that they were misplaced. Ex. W5 is another photostat copy attested by him filed to show that he worked for 247-1/2 days at Bhongir Branch. This is also objected by the Managements

counsel. According to him as per Exs. W6 and W7 the Management issued departmental circulars for regularising the staff and he represented the matter to the Conciliation Officer under Ex. W7 and as there was no relief and alternative unemployment he was forced to be unemployed and prayed for reinstatement with back wages. It is suggested to him that all the documents Exs. W1 to W5 were manipulated and they are forged so as to suit his convenience, he denied the same. According to him it is not correct to say that he manipulated the figures in Ex. M1 and filed it before the Management. He identified Exs. M2 to M12 as the vouchers of payment at Bhongir Branch containing his signatures showing payment receipts and he also admitted under Ex. M13 he was shown that 158 days in 1974 of the calendar year. The witness tried to say that he worked at the Godowns at Bhongir and those particulars are not shown. He denied the suggestion that whenever he worked at the godown the owners of the godown used to pay him and Bank had nothing to do with the said payment. He denied that he worked as shown in Ex. M14 for the number of days mentioned therein in 1965-66.

7. M.W. 1 is the Instructor of Staff Training Centre who worked previously in the Planning Department at Head Office from 1978 to 1982. According to him he did not know the workman personally who is present in the Court but he came with the Branch Secretary with an application requesting that his service particulars may be forwarded to the Head Office and he gave an application in this context marked as Ex. M15 dated 14th December, 1978 and he simply forwarded the particulars under Ex. M16 dated 23rd December, 1978. According to him he forwarded with Ex. M16 with a covering letter and again corrected himself that no covering letter was sent. He marked Ex. M17 as the reply sent by the Head Office to him on 6th February, 1979. He deposed that Ex. M16 particulars are prepared by him based on the charges register maintained at the Bhongir Branch and the said charge register is maintained from January 1973 to April 1975 and the same is marked as Ex. M18. According to him the workman worked for 79 days in 1973 and 169-1/2 days in 1974 with breaks. He denied the suggestion that Ahmed Bin Omer continuously worked throughout 1973-74 and the breaks shown at the instance of the Manager officially. He admitted that Ex. M18 shown payment but not the days worked and on 12th May, 1980 he was admitted that he was at Bhongir as Branch Manager but he did not sign Ex. W5 but some other officer signed. He asserted from the amounts paid from the charge register Ex. M18 it can be worked out to show number of days each individual worked.

8. M.W. 2 is the Accountant in the State Bank of Hyderabad, Kamareddy who previously worked at Bhongir from 1979 to 1981 when Ahmed Bin Omer worked at that Branch. According to him that Ahmed Bin Omer came for a duplicate letter addressed by the Personnel Department and he simply certified it as per Ex. M16 and other than that he did not issue any other certificate. He denied the suggestion that he issued Ex. M1. According to him Ex. M1 is issued by another Branch Manager and he was not the Branch Manager. But admitted that he issued duplicate copy of Ex. M16 to Ahmed Bin Omer and he denied that service of Ahmed Bin Omer were utilised as Godown Keeper during 1973-74 at Bhongir Branch. According to him the charge register will not indicate the work and godown keeper wages and further mentioned that in Bhongir there is no godown in 1973 and 1974 and no godown register were maintained during 1973 and 1974.

9. The interesting point to be seen is the circulars Ex. W6 and W7 will come into operation with reference to temporary employees who have worked for 270 days during the period 1st July 1972 to 30th June 1975. Now Exs. W1 to W5 were disputed by the Management and they are only photostat copies. The originals are not filed by the workman stating that they were lost. It is strongly contested as forged documents by the management and the Management contended that they cannot be looked into. They filed charge register for the relevant period as Ex. M18. There is no dispute that he worked for some time for intermittent periods as Peon-cum-Watchman of the State Bank of Hyderabad. The strong and main contention of the workman is that he worked for a period of more than 240 days in a calendar

year at Bhongir Branch in the year 1973-74 and therefore he should be treated by virtue of the circulars and awards that he is protected workman under the I.D. Act and that Section 25F, 25G and 25H of the I.D. Act comes into operation and that he should be reinstated. For this he relied upon Exs. W1 to W5 the Management disputed these documents as Ex. W1 to W5 as the originals were not produced. Especially the period of contention when he worked at Bhongir Branch. For all other periods even according to Ex. W1 to W4 it was not his case that he worked for any time for more than 240 days. But his case is that he worked since 17th August, 1973 to 30th December, 1974 in a calendar year for about 247-1/2 days and relied upon greatly on Ex. W5. The Management disputed this document and further filed an additional counter stating that in 1974 he worked only for 169-1/2 days and that the petitioner forged the certificates issued by the Branch Manager of Bhongir Branch i.e. Ex. W5 and altered the certificate and he forged the dates of his work in the month of January 1974 as 25 days in place of 15 days; 22-1/2 days instead of 12-1/2 days in the month of February 1974; 29 days instead of 9 days in the month of March 74; and 30 days instead of 10 days in the month of April 1974; 27 days instead of 17 days in the month of May 1974; 27 days instead of 17 days in the month of August 1974; 24-1/2 days instead of 14-1/2 days in the month of November 1974 and 22 days instead of 12 days in the month of December 1974 and thus he forged the certificate Ex. M1(Ex. W5) dt. 12th May, 1980, so as to show 269-1/2 days instead of 169-1/2 days for the calendar year commencing from 1st January, 1974 to 31st December, 1974. Now to substantiate that it is a certificate issued by the Branch Manager but it is only that the same was merely forwarded the particulars prepared by him based upon the charge register maintained at Bhongir Branch. M.W. 1 deposed that he filed Ex. M15 which is the application given by the workman dated 14th December, 1978. It is mentioned therein that the worker wanted the Manager to give service particulars and also asked him to forward his letter to the Personnel Department. On this evidence of M.W. 1 is that he prepared the particulars furnished under Ex. M16 dated 23rd December, 1978. He forwarded Ex. M16 with a covering letter and again corrected himself that he did not send the covering letter. Now Ex. M16 is signed by the Branch Manager and it is officially marked by the Management. Now Ex. M1 and Ex. W5 are the documents of the workman and Ex. W5 is the photostat copy is Ex. M1 and Ex. W5 itself is a photostat copy. The Management's case is where there is possibility to correct the figure 1 there is a forgery by correcting 1 as 2 and wherever there is single digit figure the worker forged the document by adding one or two in front of it and thus he made it to appear as 269-1/2 days instead of 169-1/2 days. For this Management greatly relied upon Ex. M16. To substantiate Ex. M16 as the correct service particulars they filed Ex. M18 which is the charge register maintained by the Management regarding payment and it is admitted that he received payment under Ex. M2 to M12 and further Ex. M13 would show that he worked for 159 days in 1974. Of course he disputed April 1974 voucher for 10 days as it did not contain his signature. But he could not say in April 1973 he worked for 30 days. In the cross examination done to M.W1 or M.W2. Therefore when the payments receipt tally with Ex. M16 and Ex. M2 to M12 also tally with the dates shown under Ex. M16 and when Ex. M13 showing that he worked for 159 days in 1974 is also found from the records, even if at the worst if he worked in the month of April 1974 for whole month it would be another 30 days which was not his contention. The charge register which was maintained properly as the officials who deposed showed that he worked for only 10 days in April 1974 it cannot be fairly disputed as incorrect. So as per Ex. M13 he worked for 159 days and if April 1974 payment are also taken he should have worked only for 10 days and thus the Management corroborated Ex. M16 with corresponding Ex. M18 register which contains vouchers of payment for the work done by the Sub-Staff. Therefore the workers evidence that he gave original of Ex. W1 to W5 to his Union Leader and Union Leader asked them and misplaced them and he sent Ex. W5 original to the Management under Ex. M1 are all incorrect; Exs. W1 to W5 cannot be looked into as reliable documents. Ex. M1 is photostat copy of Ex. W5 and the Branch Manager who worked at the relevant time men-

tioned that he prepared only Ex. M16 and he was not responsible for Ex. M1 as it was merely forwarded by somebody basing upon Ex. W5. Therefore when Exs. W1 to W5 were not proved by proper legal evidence as genuine documents and when Ex. M16 showing the actual working days tallied with the charge register Ex. M18 and it showed that he worked for 169-1/2 days in the calendar year 1973-74 with breaks he cannot have the benefit of Section 25F of the I.D. Act, and the question of non-considering him in the principle of first come last go either Section 25G or 25H of the I.D. Act for reinstatement when others were appointed is not a matter to be decided in his favour when he is only a temporary appointed for a specific period and when Section 25F of the I.D. Act is not attracted and evidence of the Management that if he worked in Godowns of the private party during the periods when he was not appointed when it is not rebutted by tangible evidence and he did not examine the two workers Prabhakar and Pentiah to show that the Godown register maintained by the Management whereunder there is a separate attendance register maintained for such godown work, it is impossible to concede that there is a separate attendance register maintained for the godowns stock. Infact the Management case is that they had nothing to do with the godowns and the godowns are maintained by the private parties. This is not rebutted and there is no statement even under Ex. W1 to W5 or Ex. M1 segregating any period as if he worked for any period in godowns during those years. This would also show that there was nothing working in the godowns separately with separate attendance register. Thus it is lucky that the Management had not taken action for filing forged documents against the workman whose service were terminated. He should thank his stars for the same. Having regard to these circumstances that the action of the Management of State Bank of Hyderabad in relation to their Osmania University Branch in not absorbing the Bank's services and terminating the services of Sri Ahmed Bin Omer, Sub-Staff is justified, valid and proper. Therefore the workman is not entitled for any relief.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 24th day of June, 1986.

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL

##### Appendix of Evidence

##### Witnesses Examined :

for the Workmen :

Witness Examined  
for the Management :

W.W1 Ahmed Bin Omer.

M.W.1 R. H. Siddiqui.

M. W2 B. Srinivas Murty.

##### Documents marked for the Workmen :

Ex. W1—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Peon State Bank of Hyderabad Osmania University Branch furnished by Branch Manager during the years 1965 and 1966.

Ex. W2—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Peon State Bank of Hyderabad Osmania University Branch furnished by Branch Manager during the years 1967 and 1968.

Ex. W3—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Peon State Bank of Hyderabad Osmania University Branch furnished by Branch Manager during the years 1976.

Ex. W4—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Peon during the year 1978 in Osmania University Branch.

Ex. W5—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman worked since 17-8-73 to 30-12-74 at Bhongir Branch.

Ex. W6—Circular Letter No. 67/80 dt. 24-4-80 with regard to Temporary Employees.

Ex. W7—Circular Letter No. 233/79 dt. 29-11-1979 with regard to Temporary Employees.

Ex. W8—Petition filed under Sec. 2A of the I.D. Act by Ahmed Bin Omer before the Assistant Commissioner of Labour (C) at Hyderabad.

Documents marked for the Management.

Ex. M1—Service particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman worked since 17-8-1973 to 30-12-74 at Bhongir Branch.

Ex. M2—Debit Voucher dt. 31-1-74 for Rs. 153-75 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman at Bhongir Branch by the Manager, State Bank of Hyderabad, Bhongir Branch.

Ex. M3—Debit voucher dt. 28-2-84 for Rs. 14-2-73 paid to Ahmed Bin Omer, Casual Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M4—Debit Voucher dt. 30-3-74 for Rs. 103-68 paid to Ahmed Bin Omer, Casual Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M5—Debit Voucher dt. 31-5-74 for Rs. 191-25 paid to Ahmed Bin Omer, Casual Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M6—Debit Voucher dt. 28-6-74 for Rs. 118-13 paid Ahmed Bin Omer, Casual Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad, Bhongir Branch.

Ex. M7—Debit Voucher dt. 31-7-74 for Rs. 225 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M8—Debit Voucher dt. 31-8-84 for Rs. 213-04 paid to Ahmed Bin Omer, Casual Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad, Bhongir Branch.

Ex. M9—Debit Voucher dt. 30-9-74 for Rs. 256-66 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M10—Debit Voucher dt. 31-10-74 for Rs. 143-98 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad, Bhongir Branch.

Ex. M11—Debit Voucher dt. 30-11-74 for Rs. 194-88 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad, Bhongir Branch.

Ex. M12—Debit Voucher dt. 30-12-74 for Rs. 161-28 paid to Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman by the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch.

Ex. M13—Letter dt. 6-8-83 addressed by Branch Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch to the Manager, Personnel Administration Department State Bank of Hyderabad, Hyderabad with regard to Service particulars and amount paid to Ahmed Bin Omer.

Ex. M14—Service Particulars of Ahmed Bin Omer for the years 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1976, 1978, 1979, 1980 and 1973 at Osmania University Branch and Panjagutta Branch respectively.

Ex. M15—Letter dt. 14-12-78 addressed by Ahmed Bin Omer to the Manager, State Bank of Hyderabad Bhongir Branch requesting for furnishing the service particulars and at the same time forward application and letter Personnel Department for necessary action.

Ex. M16—Service Particulars of Ahmed Bin Omer, Temporary Watchman worked since 17-8-73 to 30-12-74 at Bhongir Branch of State Bank of Hyderabad.

Ex. M17—Letter No. PER/Temps/743, dt. 6-2-79 addressed by Manager, Personnel Administration Head

Office to the Branch Manager, Bhongir Branch with regard to absorption of Temporary Employee Ahmed Bin Omer.

Ex. M18—Charges Register.

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer

1-7-86

[No. L-12012/19/84-D. II(A)]

क. अ. 2826.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुवर्त में, केन्द्रीय सरकार, बैंक ऑफ़ बड़ोदा के प्रबंधन से संबंधित विवादों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुवर्त में विवादित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिक्रिया कानून के तहत का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 22-7-86 का प्रावण हुआ था।

S.O. 2826.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen, which was recorded by the Central Government on the 22-7-1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 12/83

Reference No. L-12012/398/81-D. II(A) dated 6-1-83  
In the matter of dispute between Shri Shiv Babu

AND

The Regional Manager, Allahabad Group of Branches, Bank of Baroda, Hazratganj, Lucknow.

APPEARANCES :

Shri V. N. Sekhri for the workman.

Shri S. K. Malaviya—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012(398)/81-D. II(A) dated 6-1-83 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in relation to their Allahabad Branch is not absorbing Shri Shiv Babu, Sub-staff on regular basis and termination his services with effect from 21-4-1978 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled."

2. Workman submitted his statement of claim and the management filed written statement thereon.

3. At later stage parties submitted settlement verified the same before the court and requested for giving award in terms of the settlement.

4. The case was ordered to be decided in terms of settlement.

5. In consequences of the settlement filed and verified before court Award is hereby given in terms of settlement, as under :—

Terms of Settlement

(1) That the workmen, concerned Shri Shiv Babu will be appointed as regular peon at Allahabad de novo subject to medical fitness.

(2) That Shri Shiv Babu will not make any claim for his service prior to this settlement including back wages, leave increments, medical aids etc.

(3) That if Shri Shiv Babu has studied beyond 9th standard he will not claim promotion to clerical cadre on the date of settlement for the period of five years on joining.

(4) That Shri Shiv Babu will be appointed within 15 days from date of this settlement and all his representations in this matter to various authorities shall be treated as withdrawn, and

(5) That, this is in full and final settlement of this dispute.

6. I, therefore, give my settlement Award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/398/81-D. II(A)]

Dated : 16-7-1980.

S. S. SHARMA, Secretary

2. Briefly narrated case of the workman is that the workman Shri Makhan Singh was initially appointed as guard on temporary capacity and worked for 458 days from 1976 to 1978 to the entire satisfaction of the management; that the bank management terminated his services without assigning any reason therefor or giving any notice or retrenchment compensation as provided for in the I. D. Act 1947 and sub clause (iv) and clause 522 of Sastri Award. That the workman have completed 240 days service in a calendar year and as such fall under the category of protected employee; that the workman Shri Rawat has worked against permanent vacancy from 1976 to 1978 without artificial breaks in service, and his services were wrongfully terminated by the bank management. That the Central office of the bank management has issued instructions from time to time to all the Local and Head Offices that those temporary employees who have completed 240 days service in one calendar year should be appointed in the bank on regular basis. The concerned authorities have violated its central office instruction being biased and vindictive posture. Thus the bank management has violated all the provisions of bipartite settlement. Sastri Award and Industrial Dispute Act and in the end is it proved that the workman be reinstated in services with full back wages.

3. Bank management has contested the petition of the workman and has filed its written reply. It is averred by the bank management that the workman was appointed in a temporary capacity against relief arrangement and against leave vacancy. It is denied that he worked 458 days in total during the period 1976 to 1978. According to the banks record he worked for 436 days. It is denied that the conduct of the workman was to the entire satisfaction of his superiors and there was no lapse irregularities on his part. It is further averred that the services of the workman were terminated on 15-11-1978 as his services were no longer required by the bank. It is further denied that the termination of his services by the bank was wrongful. The management has further denied that the workman worked against permanent vacancy and has reiterated that the workman worked against leave vacancy and as relief arrangement, and his services were lawfully terminated by the bank. It is further averred by the management that since the workman has not completed 240 days of work in a block of 12 calendar months, he has not been appointed and there has been no violation of the internal instruction issued by the bank. The management has further denied that the authorities in any way biased or vindictive against the workman. It is alleged by the management that the workman was not subjected to illegal breaks. Lastly it is averred by the bank management that the management has not violated any provisions of Sastri Award Bipartite Settlement or Industrial dispute Act and it is requested by the management that the claim statement of the workman is liable to be rejected as he is not entitled to any relief as claimed by him.

4. Both the parties in support of their contentions filed documentary evidences and affidavits. In the instant case 19-11-1985 was fixed for filing affidavit evidence of workman witness. On 19-11-1985, management representative was present and workman moved application for adjournment and the case was adjourned to 20-1-1986 ordering that issue notice to the workman that in case workman did not appear the case will be decided ex parte. On 20-1-1986 despite notice workman Mr. Rawat did not present himself, and the management representative Shri I.K. Yadav was present. It appears that the workman is not interested to pursue his case and the case is accordingly decided against the workman for want of prosecution.

5. I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the government for publication.

Dt. 14-7-86

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/6/84-D. II(A)]

का. अ. 2827.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से संबद्ध नियोजक और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में विवाद औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकार कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-7-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2827.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th July, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, KANPUR

Reference No. L-12012/6/84-D. II(A) dt. 17th July, 1984

Industrial Dispute No. 190 of 1984

In the matter of dispute between :

Shri P. P. Tripathi Deputy General Secretary, State Bank of India Staff Association, 7/1184 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

AND

The Regional Manager-I, State Bank of India, 52 Rajpur Road, Dehradun.

APPEARANCE :

Mr. J. K. Yadav for the management &

None for the workman.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/6/84-D. II(A) dt. 17th July, 1984, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of State Bank of India, Region I Dehradun in relation to their Branch in terminating the services of Shri Makhan Singh Rawat Guard from 15-12-76 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

क. म. 28/88—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का भाग 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार, हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लि. कानपुर के प्रबंधन में तत् तत् नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, कानपुर में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिकारण कानपुर के पंचाट का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-7-1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2828.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Commercial Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th July, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 56 of 1984

Reference No. : L-12012/12/52/83-D IV(A) dt. 30-6-1984

In the matter of dispute between

Shri Naumi Lal C/o Shri J. C. Dhawan 8/75 Arya Nagar,  
Kanpur.

AND

The Chairman Hindustan Commercial Bank Limited 2  
Sarvodaya Nagar, Kanpur.

APPEARANCE :

Shri J. C. Dhawan—for the workman.

Shri J. P. Bajpai—for the management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/52/83-D IV(A) dt. 30th June, 1984 has referred the following dispute for adjudication;

Whether the action of the management of Hindustan Commercial Bank, Limited Head Office, Kanpur in relation to their Safdarganj Branch, District Barabanki in terminating the services Shri Naumi Lal, Peon-cum-waterman with effect from 3-7-82, is justified. If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

2. The case of the workman is that he was appointed in the management bank as peon cum waterman on 30-10-73 on its safdarganj branch district Barabanki and thus appointment was made against a permanent vacancy, that the workman performed the duty of peon cum waterman upto 3-7-82, that the workman completed uninterrupted service from 3-10-73 to July 3rd 1982 and on the same day his services were terminated without giving him notice, notice pay as required under law. The workman approached the management to recall his termination and reinstate him in service but the same did not find favour, that the management in utter disregard of the law filled in the post of workman by appointing fresh hand in August/September 82. That after illegal termination of the workman the bank management appointed so many other hands without giving an opportunity to the workman to serve. That the management bank has not observed the provisions of para 20.8 of the bipartite settlement and section 25 G and H of the Industrial Dispute Act and also did not comply with the provisions of paras 493, 495, 522(1) and 522(5) of the Sastri Award. He has consequently prayed reinstatement with effect from 3-7-82 with past benefits and full back wages and also consequential benefits of his past services and bonus etc. The workman has also requested that for this unfair labour practice a suitable order by way of penalty be also passed against the management.

3. The management contested the claim statement of the workman on the ground that when ever permanent vacancy in the management bank has to be filled in It was filled in from the penal of approved temporary employees on probation of six months and if the work of the concerned employee is found to be satisfactory he is confirmed and that the said penal is made after adjudging the suitability of the candidates through interview. As the said procedure took some time the branch managers have been authorised to engage any person on purely temporary basis and on day to day basis to carry out the urgent work which is made known to the person engaged. Such engagements are also done by branch manager in case any peon goes on leave so that the bank's work may not be hampered. The bank management continues appointment of workman as peon cum waterman on 3-10-73 and ascerts that no appointment letter was issued to him by the bank management in his favour. It is further admitted that the permanent peon cum water man was on leave on 3rd and 4th October 73 consequently workman was engaged for two days purely on daily wages. Thereafter, upto 1978 the workman was never required to work in the bank. In the year 1979 he was engaged for four days and again in 1980 for 28 days in different months and again for few days in the year 1981. By circular No. 23 dated 24-2-82 it was required that persons who have been engaged in the bank on daily wages on or after 1-11-81 may apply for their impenallment as sub staff in state of U P to be selected through an interview. Shri Naumilal workman was not impenalled and only 54 candidates were selected in the interview held on 25-7-82 and as such the workman was not the employee of the bank and is not entitled for reinstatement. It is further averred that safdarganj branch of the bank was opened in the year 1970 and one Keshav Prasad was appointed as peon-cum-waterman in the said branch from the date of its creation. Subsequently on 14th October 73, Shri Keshav Prasad promoted as Daftari cum peon. Said Keshav Prasad worked in that branch in that capacity till August 82 and on his transfer one Jageshwar was appointed as peon cum water man. During the aforesaid period i.e. 73 to 82 one Shri Sarjoo Prasad was working as temporary employee in the said branch. That Sarjoo Prasad was appointed as peon cum water man in the bank on 8-5-78 since till the end of 82 the said Sarjoo Prasad worked in the safdarganj branch of the bank management as peon-cum-waterman. Hence there was no vacancy for appointment of workman Shri Naumi Lal and he was only engaged in leave vacancy or for fetching water from the hand pump or well.

4. The workman has filed statement paper no. W-20 showing that in the entire span from January 82 to July 1982 the workman had worked for more than 90 days at Barabanki.

5. The admitted position is that the safadarganj branch in District Barabanki of the bank management was opened in 1970. One Keshav Prasad was appointed as peon cum water man initially. He was promoted as daftari cum peon on 14-10-73. One Sarjoo Prasad worked as temporary peon cum waterman during the period and after promotion of Keshav Prasad and worked as such till 7-5-78 when by settlement he was made a permanent peon cum water man w.e.f. 8-5-78 and was posted to take charge at Varanasi. He however, was allowed to work as peon cum water man at Safadarganj branch and did not join Varanasi, meanwhile one Shri Jageshwar Prasad was appointed as peon cum water man on casual basis on 17-7-80 and he was made permanent on his post after 11-10-82 by settlement Ext-W-22. The admitted position further emerges that the workman worked as casual labour at safadarganj branch of the bank management initially for two days in the year 1973 and then for four days in November 79 and thereafter, some times in the year 1980 till 21-10-81 commencing from 27-1-81 thereafter he did no work in safadarganj branch but worked at barabanki branch right from 4th July 82 till the date of alleged termination on 2-7-82, where he worked for more than 90 days with breaks.

6. The case of the workman is that he was initially appointed for two days in October 73 as casual workman for bringing water and thereafter after five years he was again employed as casual labour for four days in 79 and

as he was known person he was called for casual work of bringing water when ever there was need and on that count worked for 28 days in 1980 in the entire year and for 43 days in the year 1981.

7. It is argued by the counsel for the management that bringing water from hand pipe or well is not a work connected with the banking industry and hence workman Naumi Lal is not workman within the meaning of section 2(s) of the I. D. Act. According to him all casual labour employed for purpose not connected with the banking industry would not be a temporary employee of the management as there engagement comes to an end with the completion of the work and it was on that account that he was paid his daily wages of casual workman by voucher. In support of his contention he has referred me a ruling 1975 Lab. I. C. page 1006. The management of Crompton Engineering Company Madras Versus The presiding Officer Labour Court Madras wherein it was observed thus;

Temporary or casual employees employment automatically ends on expiry of the period for which employed on completion or on completion of specific work.

It was further observed in para 5 of the said ruling thus;

Essentially an order of the reinstatement postulates the existence of the post in which the particular person was working and that reference to which is employment was not terminated, where there was no post there was no termination of employment but only there was the employment of a particular individual for a specific period for a specific work, the employment automatically came to an end on the expiry of such period or after the work was over and consequently there was not termination and there was no question of reinstatement.

This ruling was considered in another case of Madras High Court, The Management of Tractor and Form Equipment Limited Versus 1st Additional Labour Court Madras in which a judgement of the High Court of Kerala Modern Spinning and Weaving Mills Vs. Industrial Tribunal Lab. J. C. 1573 was also considered in which workman was employed for loading and unloading which was a work of permanent nature were held not casual employee. It was held therein that the second respondent was not a workman within the meaning of the industrial disputes act and that consequently the second respondent could not be granted the relief of reinstatement. The latter objection was also over ruled by the Labour Court and it ordered the second respondent to be reinstated with all back wages and attendant benefits. In the last paragraph of the ruling it was observed thus;

I am therefore, convinced on the materials placed before me that the second respondent is a workman within the meaning of section 2(s) of the I.D. Act.

Even if it be taken that in the year 1973 the workman was employed for two days for bringing water and again in 1979 for four days for bringing water he was employed all along in the year 1980, 82 and 81 employed for bringing water from the hand pipe or from the well and not doing job of peon cum water man as averred by the workman.

8. The management witness Shri Rakesh Singhal along with his affidavit filed the appointment letter of Shri Saroo Prasad Annexure A which shows that he was given permanent appointment in view of settlement dt. 25-4-78 and was posted as peon cum water man at Varanasi w.e.f. 8-5-78. He has further filed photo copies of the four vouchers showing that he was paid wages for those days specifically at the rate of Rs. 6 per day for doing work in place of Shri S. P. Kashyap which suggests that he worked on those days in the leave vacancy of Shri S. P. Kashyap. On these vouchers Naumilal has signed on the back side. If it was really true that he was appointed in a permanent vacancy he should have raised objection soon after and not accepted the payments of daily wages by vouchers. In his claim statement in para 3 he averred that he performed duties of peon-cum-water man upto 3-7-82 at branch office Safadarganj

District Barabanki but he did not assert in his claim statement that from Jan. to July 82 he had actually worked at Barabanki branch. Though he filed documents alongwith his claim statement ext. W-1 that he worked from 3-10-73 and Ext. W-20 filed to show that he worked at Barabanki Branch from 4-1-82 to 2-7-82. The fact that the workman worked on all those days at Barabanki is also corroborated by vouchers Ext-W-4 to Ext-W-9 in the payment vouchers filed by the workman relating to Barabanki wherein it is not mentioned if he worked in the leave vacancy of any one.

9. On the point if there was any vacancy of peon cum water-man it has come in evidence that since creation of the branch of Safadarganj in the year 1970 one Keshav Pd. was appointed as water man-cum-peon and when Keshav Prasad was promoted as Daftari on 14-10-73 one Saijoo Prasad Keshav admittedly real brother of the workman Shri Naumi Lal was appointed as peon cum water man. He raised industrial dispute for his permanent appointment as peon cum water man on which there was a settlement on 25-2-78 and he was given permanent appointment as peon cum waterman but was required to join at Varanasi but said Shri S. P. Kashyap instead of joining at Varanasi remained as peon cum water man at Safadarganj branch of the bank management. It may be mentioned here that after working for two days in 73 the workman never worked at Safadarganj branch of the management and so long Shri S. P. Kashyap was working there as temporary peon cum water man and for the first time workman worked for four days in the year 1979. As observed earlier the four vouchers filed by the management Ext. B to E attached with the affidavit of Shri Rakesh Singhal the workman worked in the leave vacancy on 11, 12, 13 and 29 February 80. In the vouchers Ext. 11 filed by the workman himself the workman worked in place of Shri S. P. Kashyap. Thus it may be as ascerted by the management that the workman worked in the leave vacancy of S. P. Kashyap. Workman has filed vouchers ext. 12 which shows that the workman was paid 13 rupees for doing work on 8-5-81 for file punching. In the statement ext. W-1 given by the management, the workman is shown to have work on 8-5-81. All these documents lends support to the management contentions that the workman was required to work as extra labour when there was a particular work and was paid for that and that at time he worked in leave vacancy of Shri S. P. Kashyap. The workman moved an application on 4-7-82 summoning charged vouchers for the year 1973, 80 and 81 of branch office Safadarganj and charged vouchers of 7-7-82. It was specifically ordered that the management will file the same on next date i.e. 22-7-85. The document summoned were never filed by the management.

9-A. Now coming to the oral evidence on behalf of the management two witness have been examined on affidavit. In their affidavit the witnesses have testified the stand of the management taken in their written statement. He has stated that the branch manager has wrongly designated the workman as peon cum water man in the certificate Ext. W-1 issued to him. Shri Rakesh Singhal in his affidavit has averred that workman Shri Naumilal was infact engaged by bank only when peon cum water man was on leave. He has further admitted that at time when hand pipe was out of order water was to be brought from other sources and that in the absence of peon cum water man the other staff employed as Daftari declined to bring water from hand pump or well and it was under these circumstances that the manager had to engage persons temporarily on contractual basis and it was on such occasion that the workman was required to work on casual basis. In cross examination he has stated that though he was never worked at Safadarganj from records workman was never engaged in any capacity thereafter in 1981. He further stated that no engagement letter was issued to the workman when he was engaged nor was given any letter that he was no more required and workman was never told that he required to work for so many days. He further stated that temporary employees are paid scale rate and not on daily rate wages. He admits that peon cum water man or any sub staff works in the bank to take drinking water for customers and employees. According to him the workman only worked at Safadarganj branch and in no other branch and was never terminated. He stated that



without record he is not able to say that Sarjoo Prasad appointed temporary prior to 8-5-78 the date when he was required to join. He denied the suggestion of the workman that on promotion of Keshav Prasad as daftri in October 73 Shri Naumilal was appointed in his place as peon cum water man. He has however, stated that on transfer of Keshav Prasad Peon Jageshwar Prasad was appointed as peon cum water man. He further admits that Sarjoo Prasad was detained on the request of his own though he was appointed at Varanasi. This implies that till appointment of Jageshwar as peon cum water man Sarjoo Prasad was detained in Safadarganj branch of the bank, though he was given appointment for Varanasi on 8-5-78. He has further stated that when ever workman worked in place of Sarjoo Prasad for bringing water he was paid for the work done.

10. The management bank also gave the evidence affidavit of Shri S. C. Shukla the manager of Safadarganj branch of the bank between period April 76 to May 81. He has averred that the workman Shri Naumi Lal was engaged by him in the said branch purely on temporary (day to day) basis for fetching water from hand pump or well as other sub-staff refused to bring water from hand pump or well. He has further stated that there were two post of sub staff at the time of opening of the branch in 1970 and Keshav Prasad and Kishan Pal Singh were appointed there and said Keshav Prasad promoted as peon cum daftri in October 73 and consequently in August he was transferred from that branch and in his place one Jageshwar was appointed as peon cum water man. The other sub staff Kishan Pal Singh was transferred in 80 from that branch. He admits that for some times during the aforesaid period i.e. 73 to 82 one Sarjoo Prasad the real brother of the workman was continued to work as temporary employee in the said branch. He was given appointment as water man cum peon on 8-5-78 to join at Varanasi but on his special request he was allowed to join at Safadarganj branch. Thus it is clear that from May 78 to 82 S. P. Kashyap worked as permanent peon cum water man at Safadarganj branch. He has however, admitted that workman was engaged on purely contractual basis for fetching water from outside the bank's premises which may at the most termed as one of the item of duties of peon cum water man. He categorically averred that the workman never performed the duty of peon cum water man nor deponent ever asked the workman to do this job. He has also stated that there was no control of the bank over the workman and that the branch manager has wrongly described the workman as peon cum water man in the certificate issued to the workman which the workman has filed Ext. W-1. He has categorically averred that Shri Naumi Lal was never directed to work at Barabanki branch. It does not appear as to how the workman worked at Barabanki branch from 4-1-82 till July 2-7-82 or even 7-7-82 with breaks carrying the total number of work done by him till 2-7-82 about 96 days and till 7-7-82 101 days as his apparent by Ext. W-20. The vouchers of February and March filed by the workman testify that the workman worked at Barabanki for all those days. Despite summoning vouchers of Barabanki for the year 1982, the management has not filed any of them for the reasons best known to them.

11. In cross examination he has stated that when he joined Safadarganj Branch Sri Sarjoo Prasad was working there as peon cum water man on leave vacancy. Regarding workman he said that he asked him to bring water and only then the workman to used to bring water. The learned council for the management has laid emphasis on the word only then used by the witness in his deposition that the workman then used by the witness in his deposition that the workman paid and thus he never worked for the bank nor performed any of the duties connected with the banking work/industry.

12. On the other hand the workman filed his own affidavit ascertaining his case of claims statement and in his support has filed affidavit evidence of Krishna Pal who had worked in Safadarganj Branch for some time. The workman admits in his cross examination that he worked in the bank only for two days in 1973 but does not remember for how many days he worked in the year 1979. He admits that when ever he worked he was paid. He admits in his cross examination that S. P. Kashyap is his real brother and is an

employee of branch office at Safadarganj since 1978. He further admits that he did some electrical repairs work in this branch and was paid for it. He admits that he is still persuing with the officers and hardly earn about Rs. 100 per month. He admits that one Kishan Pal was there in the subordinate cadre but denied that he was engaged only for fetching water from out side the bank's premises rather he was working as peon and placed ledgers on the counters and used to bring tea for the staff. He further states that when ever Shri Keshav Prasad was on leave he used to work at his place and carried duties out side the bank. He has denied the suggestion that he never performed duties of peon cum water man.

13. Shri Kishan Pal in his affidavit has averred that till July 80 he worked as peon cum guard in Safadarganj Branch of the bank and there after he was transferred to Barabanki. He has further averred that after promotion of Keshav Prasad as daftri in October 73 workman was appointed in his place as peon cum water man. It may be mentioned here that from the records it does not appear that workman ever worked in the bank from 73 to 78 except two days in 1973. The averments of the workman/witness Shri Kishan Pal that he saw working Naumilal from 73 till end of July 1980 working as peon cum water man does not appear to be correct as admittedly from 8-5-78 Shri S. P. Kashyap was working in the branch as peon cum water man and the vouchers filed shows that in place of Shri S. P. Kashyap, Shri Naumilal workman has worked. He has further testified that from 6-1-82 he saw workman Naumilal working at branch office at Barabanki and workman continued to work till June 82 and on being told by branch manager Barabanki to go back to his Safadarganj branch workman appeared there on 3-7-82 and on that day his services were terminated. In cross examination witness corroborated the management's stand that at the time of opening of the branch in the year 1970 he alongwith one Keshav Prasad were employed as sub staff. He further admits that Shri S. P. Kashyap is known to him but is not friendly to him. On being enquired his source of income he stated that workman told him that he was required by branch manager to go at Barabanki and work there. He has no personal knowledge if workman worked in Safadarganj branch in the year 1981. He further states that it was Naumilal who told about his termination of service from Safadarganj branch. He has denied defence suggestion that he was telling a lie. I am not inclined to rely on his testimony except that the workman worked at Safadarganj branch as according to him workman was appointed in the year 1973 on promotion of Shri Keshav Prasad from peon cum water man. It appears that he was inimical to Sarjoo Prasad and that is why he is not naming that Sarjoo Prasad was made to work as peon cum waterman in 1973 who was ultimately through settlement made permanent in the year 1978 which fact is also testified by vouchers annexure B to E that workman Naumi Lal worked in place of Shri S. P. Kashyap.

14. From the entire evidence it emerges that there was no vacancy even temporary of peon cum water man at Safadarganj branch of the bank management and when the vacancy arose on the promotion of Shri S. P. Kashyap, Shri Sarjoo Prasad was working as peon cum water man who was ultimately made permanent and continued to work there till 82 when Shri Jageshwar was appointed as peon cum waterman by way of settlement. Further for the number of days workman worked at Safadarganj branch he was engaged for bringing water for which he was paid or in leave vacancy of Sarjoo Prasad or for repairing electrical work or for fetching water.

15. Now the question remains under what capacity the workman worked at Barabanki branch for about 96 days with breaks from January 82 to July 82. He has asserted that he is out of employment after 3-7-82 when his services were terminated by the bank management though from the chart Ext. W-20 it appears that the workman worked at Barabanki till July 82. It may be that when Safadarganj branch refused to take him on permanent basis and was in mood to appoint Jageshwar as permanent peon cum water man, the workman raised this industrial dispute. There is nothing on record that he worked at Barabanki branch in leave

vacancy. In a span of 6 or 7 months the workman worked for 96 days. The management circular Ext. W-19 dated 18-9-81 clarifies that no temporary employees will allow to stay in the bank beyond 88 days during the 12 consecutive months. In circular no. 9 ext. W-16 filed by the management dt. 24-2-83 as amended by Ext. W-17 dated 25-7-83, the directive was that no one should be employed beyond 90 days even with breaks in twelve consecutive months. The workman has proved that he worked for more than 90 days in Barabanki Branch. This engagement could be termed as casual as management has not lead evidence to that effect. Under para 20.7 of the bipartite settlement temporary employee means a workman who has been appointed for a limited period for work which is essentially of temporary nature. There is no such evidence that he was employed for temporary period and for temporary nature of work though there are also temporary employees who are employed temporarily as an additional workman in connection with temporary increase in work of permanent nature. There is no evidence to this effect also and includes the workman other than a permanent workman who is appointed in a temporary vacancy caused by the absence of particular permanent workman. Thus if the workman was appointed in leave vacancy he will be deemed to be a temporary workman. There is nothing on record to show that the workman worked at Barabanki branch for over 90 days for work not connected with the banking industry. Thus he acquired temporary services and his services could have been discontinued from 3-7-82 or if he was allowed to work till 7-7-82 even after 7-7-82 without giving him 14 days notice as required under section 522(4). He will not be entitled to retrenchment compensation as he was not in continuous service of the bank for over one year.

16. Fresh permanent appointment was also given to Jageshwar in the same unit of the bank management in August, hence workman should have been considered first before giving permanent appointment to Jageshwar, on that count provision of section 25H are hit and the retrenchment of the workman Nauri Lal would be illegal and on that count retrenchment of the workman from July 82 would be void ab initio and he will become entitled to reinstatement.

17. I accordingly held that the workman was never peon cum waterman at Safadarganj branch district Barabanki nor his services were terminated w.e.f. 3-7-82. He may have his right adjudicated for the work done at Barabanki branch in the year 1982 where he worked from January 82 to July 82.

18. I accordingly give my award that the management of Hindustan Commercial Bank Limited Head Office Kanpur in relation to their branch Safadarganj District Barabanki did not terminate the service of workman Nauri Lal w.e.f. 3-7-82 nor he was working as peon cum waterman there.

Reference is answered accordingly.

Dated : 15-7-1986.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/52/83-D. 1V(A)]

का.प्र. 2829.—औद्योगिक विवाद प्रविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इलाहाबाद बैंक के प्रबंधक से संबंधित निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-7-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2829.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 86.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR.

Industrial Dispute No. 168/81

Reference No. L-12012/127/81-D.II (A) dated 6-11-81

In the matter of dispute between

Shri Shyam Sunder Sharma

AND

The Regional Manager,

Allahabad Bank, The Mall, Kanpur.

APPEARANCE :

Shri V. N. Sekhri—for the workman.

Shri M. K. Verma—for the management.

AWARD

1. The Central Govt. Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/127/81-D.II.A dated 6-11-81 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Allahabad Bank, Kanpur, in terminating the services of Shri Shyam Sunder Sharma, Sub-Staff from 25-1-80 is justified ? If not, to what relief is the workmen concerned entitled ?

2. Workman submitted his statement of claim and the management filed written statement there on.

3. At later stage parties submitted settlement verified the same before the court and requested for giving Award in terms of the settlement.

4. The case was ordered to be decided in terms of settlement.

5. In consequences of the settlement filed and verified before Court Award is hereby given in terms of settlement as under :—

TERMS OF SETTLEMENT :

(1) It is agreed that the workman concerned Sri Shyam Sunder Sharma will be absorbed afresh with prospective date hereafter in the permanent cadre of Peon-Cum-Farrash.

(2) It is further agreed that the workman concerned said Sri Shyam Sunder Sharma voluntarily relinquishes his claim of back wages and benefits whatsoever.

(3) It is further agreed that said Sri Shyam Sunder Sharma will be absorbed as aforesaid within fifteen days of this settlement.

(4) Thus this fully and finally resolved the entire matter of dispute under reference.

6. I, therefore, give my settlement Award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Govt. for its publications.

Dt. 16-7-86

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/127/81-D.II (A)]

का. प्र. 2830.—औद्योगिक विवाद प्रविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, केनरा बैंक (नर्सरी कमर्शियल बैंक लि.) के प्रबंधक से संबंधित निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-7-86 को प्राप्त हुआ था।



S.O. 2830.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank (Lakshmi Commercial Bank Limited) and their workmen, which received by the Central Government on the 18th July, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRI-  
BUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR, UTTAR  
PRADESH

Adjudication Case No. 110 of 1983

Reference No. L-12012/1582-DIV(A) dt. 25-11-1982

In the matter of dispute between

Shri Kedar Nath C/o State Vice President U. P. Bank  
Employees Congress Vijay Hotel, Railway Road,  
Allgarh.

AND

The General Manager, Luxmi Commercial Bank Limited  
H-54 Canaught Circus New Delhi.

APPEARANCE :

Shri N. C. Sikri—for the management.

Shri G. S. Gupta—for the workman.

AWARD

1. The Central Government vide its notification referred above dated 25th November, 1982 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of the Lakshmi Commercial Bank Limited in relation to their Ferozabad Branch, in not absorbing as clerk in the banks service Shri Kedar Nath, part time pass book writer and terminating his services with effect from 6-5-81 is justified? It not to what relief is the workman concerned entitled?

2. The case of the workman is that he was appointed as part time pass book writer vide office letter dated 15-7-80 at its Ferozabad branch on temporary basis for a fixed period of nine months, on fixed emoluments of Rs. 194.70, and the banks higher authorities has fixed his working for two hours a day. In the appointment letter para III it was mentioned that the actual working hours have been fixed by branch manager meaning thereby that the branch manager will fix span of two hours from a particular time to particular time during the banking hours.

3. According to the workman this power was abused by the branch manager and he compelled the workman to work full day and that he performed various type of clerical duty but the workman was not paid wages for full days work. It is further averred that the bank's contractual services were confined to discharge of specified duty i.e. is writing of pass book but the branch manager compelled the workman to perform other clerical duties, thus the contract was turned down by the management itself. that though the appointment as pass book writer was for a fixed period of nine months the services were not to be terminated on the expiry of 9 months, thus the appointment on contractual was turned into a regular appointment. On being requested to make him permanent the management terminated the services of the workman on 6-5-81, further it is averred that the workman worked for more than 240 days regularly performing all types of clerical duties and as retrenchment benefit u/s 25F was not given to him the termination is void and inoperative thus the termination is also violative of section 25-II of the I. D. Act by not inviting the workman for further reemployment in the banks service, he has consequently prayed for reinstatement.

3A. The management raised preliminary objection that the reference is bad in law and that the espousal by U. P. Bank Employees Congress of the dispute is untenable as they have no locus standie. It is admitted on behalf of the management that the engagement of the

workman as part time pass book writer was for a fixed period and on the expiry of the fixed duration the assignment automatically came to and end, thus he was given longer notice in respect of cessation of assignment to expire with the efflux of time. Further it is averred that it would be wrong to say that the thing of two hours a day of work for the workman was left to the discretion of the branch manager was a blanket power and it would be wrong to say that the workman was compelled to work full day and performed various type of clerical duties. The management has without prejudice admitted that the workman had attended some clerical work as alleged but he might have done so of his own without the permission or knowledge of the branch manager apparently with oblique motive. It is further contended that the bank has its own recruitment policy duly settled with the Lakshmi Commercial Bank Employees Federation which lays down graduation as minimum qualification and a written test and interview. That the management has not violated the provision of sec. 25F, as alleged.

4. In the rejoinder filed by the workman it is averred that the branch manager took advantage of clause III of the appointment order entitling him to fixed actual working hours and forced him to perform all type of clerical duties as whole time clerk and as he was under threat of discontinuance of service he actually worked as clerk for full time.

5. The workman has filed the original appointment letter dt. 15-7-80 ext D-1, whereby he was appointed as pass book writer on temporary basis for nine months on fixed emoluments and that he was required to work for two hours a day and that the actual working hours was to be fixed by the manager of that branch. The workman has also filed the termination letter Ext D-2 dated 6-5-81 signed by the branch manager Ferozabad mentioning that as per head office letter dated 15-7-80 you are hereby relieved from pass book writers duty with immediate effect with full and final payments.

6. The workman gave his affidavit dt. 29-7-84 in which he admitted that as per appointment letter dt. 15-7-80 he joined service on 7-8-80 and that his services were terminated on 6-5-81, when he had actually worked for 274 days.

7. In order to substantiate its case that the workman had worked not only two hours a day as pass book writer but had worked for full day as clerk, he summoned production of bank records of period 15-7-80, 6-5-81 comprising of ledger of saving bank account from 1 to 4, check book register and general ledger, draft payment register cash credit ledger token book and balance book, counter foil of cash vouchers.

8. As the documents summoned were quite voluminous a commission was issued to Shri V. K. Gupta to examine the alleged bank record at banks premises and submit report. On 24-4-85 Shri V. K. Gupta the commissioner was submitted his report. He after looking to the records reported as follows :

I found from all these books registers and ledger pertaining to the year 1980-81 that Shri Kedar Nath had actually posted debit and credit entries in saving banks, recurring register from the general ledger. I found that he had made summation through out these years from the balance book. Besides these workman has also made occasional entries in token registers and prepared drafts and cash orders.

9. During the pendency of this case there had been moratorium of the bank which was later amalgamated with Canara Bank. Canara Bank also files its written statement adopting the pleadings of the erstwhile LCB Limited. On behalf of the workman it was urged that the report of Sri V. K. Gupta to be treated as void. LCB in its statement of reply admitted the Shri Kedar Nath performed clerical duties on his own option but not with the permission of the branch manager. Management witness Shri M. C. Jain who was the manager at the relevant time has given his

affidavit evidence on affidavit he has filed copy of the attendance register ext. M-2/1 to M2/10 and have proved the photo copy of the attendance register which shows that the workman started work from 7-8-80 till 6th May, 1981 and during that span he worked between 2.30 to 4.30 p.m. He has further filed saving bank account of the workman Ext. M2/10A showing that every month his account was credited with salary amount of Rs. 194.60. He has further filed the order dated 7-8-80 passed by him that in pursuance of the appointment letter issued by AGM Personnel that Shri Kedar Nath appointed as temporary part time pass book writer will be from 2.30 p.m. to 4.30 p.m Ext M2/10B. He has further proved the relieving order Ext. M-2/10B showing that the workman was relieved from the duties of pass book writer with immediate effect on 6-5-81. The management submitted the report of Shri Satish Chandra Dhawan dated 14-11-85 addressing that on the dates mentioned in his report certain entries have been made by some one other than the clerical staff of the branch and that it can not be confirmed whether these entries are effected by Kedar Nath as none of staff was present to authenticate his writing. According to this report such one entries each was made on 24-10-80 in SB a/c 1712, in SB a/c no 2006 on 17-10-80 and in November 80 in saving bank a/c nos 1450/1629. Regarding casting of balance of cash credit balance book on 13-12-80 he simply remarks that reported to be copied by workman Sri Kedar Nath but staff does not confirm the hand writing. He further stated that one entry each is said to be effected by Shri Kedar Nath on 24-10-80 and on 17-10-80. Management witness Shri Dhawan does not recognise the hand writing of workman Kedar Nath and it is mostly based on hearsay evidence and says that none was left to take responsibility that it was written by Shri Kedar Nath.

10. Another management witness Shri M. C. Jain who was the branch manager at the relevant time appeared in the witness box he has deposed that the workman has been asking him to work in the bank as clerk to learn work but he always denied. He further stated that out of 70 or 80 entries in all books and registers in a day the workman had made one or the entry voluntarily said these entries he made between 2.30 to 4.30 and Saturday 12.p.m to 2 p.m. when he appeared in bank for pass book writing. He further stated that it might be so that on one or two occasion the workman might have casted and tallied balance which he might have checked and signed. He admits that he never given workman in writing to work and learning. He admits that he never objected in writing as to how the workman did that work which work he checked. In the end he stated that a report is sent to the head office mentioning that who had tallied the balance and not as Kedar Nath who had tallied the balance. From his statement it emerges that though there had been no permission in writing for the workman to do anything or write anything in the bank records besides writing pass book for which he was engaged, the workman did make entries in bank records which was not a part of pass book writer because the manager has no checks to deny that the workman never made any entries in any way in any of the pass books of the accounts.

11. On the other hand the workman has given his affidavit that including sundays and holidays he worked for 274 days and that too full days work. In support of his contention he has appended 4 pages of work allegedly done by him. He has given general list that between 7-8-80 to 29-10-80 he had entries in the saving bank account and cash credit ledger and general ledger on 30-10-80 he made 4 postings in RD Register or saving bank ledger. All four particular accounts on 4-11-80 he made two entries in saving bank account in two different saving banks account. On 5-11-80 he made posting in ledger of two different cells and accounts and in current account ledger. On 6-11-80 he made entries in the cash log book from token no. 36 to 48 i.e. in all 12 entries. In this way he has given details of work done by him till 10-4-81 and not beyond that. The work allegedly done by him does not justify that he has given responsibility of any particular counter or account book but he utmost was working or making entry here and there or copying out. It can not be said that he did full days work from 10 a.m. to 5 p.m. and appears that during his working hours a part time pass book writer made entries in bank account books just

to assist other clerical staff and to learn the work of the bank industry. In the absence of any specific writing asking him to work as temporary clerk for the banking industry he will not acquire status of full time temporary clerk and simply remains part time clerk for which he was appointed and paid and which was terminated by efflux of time given in the appointment letter after completion of nine months.

12. In these circumstances and for the reasons discussed above the action of the management bank is justified and the reference is answered in negative.

13. The result is that the workman is not entitle to any relief as claimed.

14. I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of the award be sent to the Government for its publication.

Dated : 14-7-1986.

[No. L-12012/15/82-D.IV (A)]

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1986

का. अ. 2831.- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, अलहाबाद बैंक के प्रबंधन से संबंध निवृत्त और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-7-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th July, 1986

S.O. 2831.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR

Reference No. L-12012/286/83-D.II(A) dated 30-3-84

Adjudication Case No. 32/84

In the matter of Shri Reoti Prasad C/o State Vice President UP Bank Employees Congress Vijai Hotel Railway Road, Aligarh.

VERSUS

The Deputy General Manager Allahabad Bank Hazaratgani, Lucknow.

APPEARANCE

Shri P. C. Jain—for the workman.

Shri M. K. Verma—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour vide its notification no. L-12012/286/83-D-II(A) dt.

30-3-1984, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the management of Allahabad Bank, Lucknow in relation to their Aligarh Branch in not taking into account the temporary service of Shri Keoti Prasad, Peon cum Farrash during the period from 2-8-71 to 4-3-79 as part of his probationary period is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?

2. The case of the workman is regarding predating of his service on the basis of settlement dated 4th March, 78. According to the circular all those temporary workmen who were given permanent appointment are entitled to predating if there had been no break in their service exceeding 15 days at a time. The workman has claimed predating from 2-8-71, during that span till his permanent appointment in February 79 there had been no break of 16 days and if any, there had been artificial break which has to be whittled down on the ground of unfair labour practice or for want of correct particulars by the management.

3. Both the parties have filed circular dated 8-5-78 in which there is a reference that as per the statement dated 4-3-78 arrived at between alleged management and All India Allahabad Bank employees confederation committee regarding predating appointment of permanent award staff the following guidelines are appended;

1. The permanent member of the award staff, who worked for a continuous period against temporary vacancies with intermittent breaks, will be considered for having their appointments predated ignoring the breaks in service not exceeding 15 days at a time. The appointment may be predated to such date wherefrom there was no break in service not exceeding 15 days at a time, till the concerned employees had been absorbed in permanent vacancies.
2. Individual case of predating of appointment will be considered on receipt of application from the concerned employee. Such application, when received by branch office should be forwarded through Regional Office.
3. On receipt of such application the same may be forwarded by the concerned Regional Office to Head Office. Administration Department together with the details of the period of work and breaks allowed to the respective employees after proper scrutiny for approval and sanction.
4. Each case will have to be judged individually on its merit and factual position before approval and sanction for predating of appointment will be accorded by the head office.

4. Management witness Shri S. C. Sharma along with his supplementary affidavit appended the statement date wise work done by the workman during the year 1970 to 1979. According to this statement the

workman worked in leave vacancies upto 4-2-1979. Looking to the data supplied there does not appear to be a break of more than 15 days upto 2nd August 1971 going back words from 4-2-79 except April 76 and November 74 when the workman is shown to have been worked for 15 days and 16 days respectively. In the absence of clear dates on which 15 or 16 days workman worked it can not be said that there had been a break of 15 days in between two appointment in leave vacancies. Thus for want of evidence which could be available only when the management benefit has to be given to the workman and I am not inclined to hold that had better particulars been given the same would have gone in favour of the workman.

5. The management realising the implication to its circular ext. W-1 dated 8-5-78 while giving permanent appointment to the workman vide letter dated 22-1-79 added a clause that the workman will have to give a break certificate from its employer that he was not in service of the bank 16 days prior to joining his new assignment and further he will have to give undertaking that he was not in the service of any of the branches of the management bank at least 16 days prior to joining his new assignment.

5. Admittedly the workman was not given work after 4-2-79 the appointment letter dated 22-1-79 itself was issued beyond 16 days and as precautionary measure a certificate was also required to be given by his employer that within 16 days from his new appointment he was not in bank service and also that he himself give undertaking to that effect.

6. The management was within its right not to have given him appointment without insuring the break of 15 days between his permanent appointment and his last temporary appointment in leave vacancies or other but if the workman had acquired any right by virtue of working continuously and for more than 240 days in a year the termination from 4-2-79 without giving retrenchment compensation and notice or notice pay would be illegal and it will be deemed that he was continuing in service. The details supplied by the management itself shows that the workman worked for more than 240 days in the year 78, 79, 77, 76, 74 and lastly in 1973. Further it has come in evidence that besides other leave vacancies of the post of one Mohan Lal Bathom Peon cum farrash who was arrested some times in the year 1969 and never joined the management services. Though there is no cogent evidence as to who actually worked on the post of Mohan Lal Bathom in his absence but the fact remains that a permanent vacancies was declared in management's Aligarh branch vide letter dated 5-1-71 Ext. W-6 whereby the General Manager Administration wrote to the Chief Manager, Lucknow regarding filling up the vacancies of farrash cum peon at Aligarh Branch. As observed earlier and as it appears from the records no permanent appointment was made on the post of farrash cum peon in Aligarh branch prior to the permanent appointment given to the workman vide appointment letter Ext. W-2 dated 22-1-79 which he immediately joined some times in February 1979. Whole question arises as to why this permanent vacancy of farrash cum peon was allowed lingering from 1979 and temporary hands were appointed to fill that post also alongwith other leave vacancies.

7. In view of section 25 F of the Industrial Dispute Act as admittedly the workman was not given notice **pay or retrenchment compensation when his temporary services were terminated from 4-2-79** he will be deemed to be in continuing in service as sub staff which converted in permanent appointment after permanent appointment later on 22-1-1979 which post he joined some times in 1979. There was a permanent declared vacancy of the post of peon cum farash on 2-8-71. Admittedly the workman was working **as temporary sub staff in vacancy existing on account of leave and otherwise from 2-2-72 till his permanent absorption**, though it is not clear as to who actually worked in the vacancy created by absence of Shri Bathom but the vacancy was there and Reoti Prasad was working as temporary staff when such temporary vacancy was existing. Under para 20.8 of the bipartite settlement a temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that **such temporary appointment shall not exceed for period of three months during which the bank shall make arrangement for filling up vacancies permanently**, the management never cared to fill up the permanent declared vacancy at Aligarh branch and denied that the vacancy till it was filled by the appointment of the workman in February 79 by appointment letter dated 22-1-79. The latter part of para 20.8 lays down that if such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy the period of such temporary employment will be taken into account as part of his probationary period. As in the instant case it is not clear that the workman was working under permanent vacancy created since Jan., 71, the workman will not be entitled to benefit of this subsequent clause for the purpose of taking his previous employment as part of his probationary period, but the staff circular dated 8-5-78 ext. W-1 will come into play and as it has been shown above that the workman is working as a temporary sub staff from 2-8-71 to 4-2-79 without a break of more than 15 days he will be entitled to the benefit of predating which will as his termination **on 21-2-79 for any reason whatsoever for want of compliance of section 25 F of the act would be illegal** and the workman will be deemed to be continuing in service at the date he joined as a temporary sub staff.

8. My attention has been drawn by filing photo copy of the ruling of Patna High Court in Civil Writ 2730 of 80 decided on 24-11-82 and on its basis it has been argued that the acceptance of the appointment letter by workman amounts to waiver of his earlier rights, if any, and he would not be entitled to predating as claimed. The law of waiver is a general law where civil rights are taken into consideration and while complying general law of the land principal of waiver would apply. But in cases where matter is adjudicated before industrial tribunal which are courts of social justice such court will go to the roots of the appointment letter previous circular and the intent of the employer. If the intent is mala fide and appointment brought to an end in the way that the workman may not be able to avail any of his rights under the social law such clauses which have the effects of waiver shall be whittled down not allowed to prevail on the grounds of unfair labour practice. It is on that count that the clause no. II appended to the appointment letter Ext. W-2 would be whittled down on the ground of unfair labour practice.

9. Similar circumstances arose in Central Bank of India Versus State of Jammu & Kashmir 1968 II LLJ page 646 wherein it was held;

“Where an order of discharge was passed by an order in such case which gives rise to an industrial dispute, the form of the order by which employees services are terminated would not be decisive, industrial adjudication would be entitled to examine the substance of the matter and to decide whether the termination is in fact discharge simpliciter or it amounts dismissal which has put a clock on.....was unfair labour practice it is competent to set aside the order.

10. In these circumstances and for the reasons discussed above I hold that the action of the management of the Allahabad Bank, Lucknow in relation to their Aligarh Branch in not taking into account the temporary service of Shri Sri Reoti Prasad Peon cum farash during the period from 2-8-71 to 4-3-79 as part of his probationary period is not justified. The result is that he will be deemed to have joined his services on 2-8-71 and would acquire the status of permanent staff after expiry of six months from 2-8-71 i.e. from 2-2-72.

11. I therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

Dated 15-7-1986

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012|286|83-DII(A)]

का. प्र. 2832.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, इस हद तक के प्रबंधन में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-7-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2832.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 1986

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 4/1984

Reference No. L-12012|314|83-D.II (A) dated Nil  
In the matter of dispute between :

Shri Ashok Kumar

AND

The Deputy General Manager, Allahabad Bank  
Hazratganj, Lucknow.

**APPEARANCE :**

Shri V. V. Mangalvedhekar for the workman

Shri Rajiv for the management.

**AWARD**

1. The Central Government Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/314/83-D.II(A) dated Nil has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Allahabad Bank, Zonal Office, Lucknow in relation to their Kidwai Nagar Branch, Kanpur in terminating the services of Shri Ashok Kumar, Peon-Cum-Farrash with effect from 13-11-82 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. Workman submitted his statement of claim and the management filed written statement thereon.

3. At later stage parties submitted settlement verified the same before the court and requested for giving Award in terms of the settlement.

4. The case was ordered to be decided in terms of settlement.

5. In consequences of the settlement filed and verified before court Award is hereby given in terms of settlement as under :—

- (1) It is agreed that the workmen concerned Shri Ashok Kumar will be absorbed with prospective date here after in the permanent vacancy of Peon-cum-Farrash in terms of settlement dated 13-5-1982 arrived at between the Management of Allahabad Bank and All India Allahabad Bank Employees Co-ordination Committee.
- (2) It is further agreed that the workman concerned said Ashok Kumar voluntarily relinquishes his claim of back wages, dues of past services/or any right or claim of any benefits connected with past services.
- (3) It is further agreed that Shri Ashok Kumar will submit Bank's printed application form duly completed seeking permanent employment in the Bank's service in the cadre of Peon-cum-Farrash within a week of this settlement.
- (4) It is further agreed that Shri Ashok Kumar will be absorbed as aforesaid within 20 days submission of duly completed Bank's printed application.
- (5) Thus this fully and finally resolves the entire dispute, in reference No.
6. I, therefore, give my settlement Award accordingly.

Let six copies be sent to the Government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/314/83-D.II(A)]

Dated 16-7-86

का.भा. 2833.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार, केन्द्रीय बैंक (सर्वोच्च कर्मशायल बैंक लि.) के प्रबंधन से संबंध नियंत्रकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रिय सरकार को 23-7-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2833.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank, Lakshmi Commercial Bank Limited) and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd July, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR, UTTAR PRADESH

Adjudication Case No. 41 of 1983

Reference No. L-12012/1/82-D-IV(A), dt. 17-9-1982

In the matter of dispute between Munna Lal C/o The Assistant General Secretary U. P. Bank Employees Association 36/1 Kailash Mandir, Kanpur.

**AND**

The Manager, Lakshmi Commercial Bank Limited, Birhana Road, Kanpur.

**APPEARANCE :**

Shri V. N. Sekhari for the workman.

Shri N. C. Sikri for the Management.

**AWARD**

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/1/82-D. IV(A) dated 17th Sept. 1982 has referred the following case for adjudication to this tribunal;

Whether the action of the management of Lakshmi Commercial Bank Limited, Birhana Road, Kanpur, in terminating the services of Shri Munna Lal, Peon cum Waterman with effect from 11-2-81 and not paying him scaled wages is justified? If not to what relief the workman entitled?

2. The case of the workman is that he joined the management bank as peon cum water man on 7-3-80, and worked till 11-2-81, that no appointment letter and termination letter was given to him and that he had put in work of 342 days during the above mentioned period, he was not given retrenchment compensation, notice of retrenchment was given to him nor wages in lieu of notice. That after the termination of the services of the workman fresh hands were recruited and he was denied the opportunity of re-employment in the management bank. That this action of the management being violative of the provision of para 495 and 522 of the Sastri Award, para 20.7 and 20.8 of the bipartite settlement and section 25 FG and H of the I. D. Act and rule 77 and 78 of the I. D. Rules. That though the workman had put

in work of 342 days but he was paid waged at the scale rate only for 81 days and for remaining days of work he has worked full time employee and is entitled to receive scale wages on the scale rate for the remaining 261 days. In the end it is averred that the workman be reinstated in service with full back wages.

3. Management opposite party has filed its written statement in reply to the petition of the workman and has raised objection that the reference is bad in law. It is further averred by the management that the workman was employed in the bank service as casual labour on daily wages to serve water at its branch and he worked as such during the calendar year 1986 and two days only in the year 1981 and as such the question of retrenchment compensation in lieu thereof does not arise. It is further averred that the workman worked only for 59 days during the calendar year 1980 and for two days in 1981 as peon and the assignment of the workman being of casual nature on daily basis for serving water he had been rightly paid in terms of the arrangement. It is further averred by the management that it being commercial organisation has to arrange its affairs. The workman was appointed for a fixed duration and he can not claim as matter of right of his permanent absorption with the bank and thus lastly management has prayed that the application/claim of the workman be rejected as he is not entitled to get any relief sought for.

4. In the rejoinder it is admitted that the workman worked during the period 7-3-80 to 11-2-81 as part time worker and thus as daily rated worker. As the sponsoring union raised some new objection/pleas in the rejoinder the management was permitted to file additional written statement thereon. The management averred in its additional written statement that the workman Munna Lal was engaged during the summer season on purely temporary assignment to serve as water boy at branch office on fixed employments on Rs. 150 per month and he worked as such during the summer season from May to August. The management has quoted the comments filed before ALC (C) in this case in which it was stated that during his assignment as temporary part time boy he was required to serve water to the customer and staff of the bank. He was not required to discharge the duties of a peon and he did not performed the duties of the peon during this period. The management however admits that the workman was appointed in leave vacancy for 62 days from 22-10-80 to 2-1-81 and was paid scale rate wages. Their main contention is that the assignment of Shri Munna Lal as water boy can not be clubbed as temporary and leave arrangement showing as peon. They further clarified that the workman actually worked for 58 days in leave vacancy as 4 days leave salary was paid to him twice i.e. for 10-12-80, 12-12-80 and for 30-12-80 hence there was no question of applying 25 G and H of the Act.

5. On behalf of the management Shri Satish Dhavan officer in the personnel department in the management bank filed his affidavit in support of his contention and has filed photo copies of the vouchers ext. MW1/1 to Ext. M1/9 except W1/5 which is the management's comments before ALC(C) and some as annexure B filed with the rejoinder. Annexure MW1/1 relates to cash payment of Rs. 150/- to the

workman on account of salary paid to water boy for the month of May 1980 M1/2 is regarding payment of workmen for the month of June and similarly MW1/3 is payment vouchers for the month of July M1/4 is the amount paid to the workman on 23-8-80 and Ext MW1/4 is the payment of Rs. 75 to the workman on account of temporary water man for the period as 15 days salary and it was credited in his account no. 1472. He has further filed Ext. MW1/6 is the photo copy of the voucher of leave salary amounting to Rs. 542.11 and depositing the same in the workman account no. 1472. Similarly he was paid salary amounting to Rs. 191.86 vide Ext. W1/7 and amount deposited in his account. Again he was further paid salary by voucher amounting to Rs. 275 which was credited in his saving bank account. The management has proved all these payments. The management has thus substantiated 4½ months payment to the workman from May to ½ of September at the rate of Rs. 150/- per month and for leave salary for the workdone between the period.

6. In cross examination he deposed that water boy are not member of sub staff. He has expressed ignorance if few peons are appointed after termination of the workman.

7. The workman has filed documents which are not helpful as they relate proceedings before the ALC(C) and minutes of negotiations in which according to the list of union Munna Lal workman had worked for more than 240 days which stand is maintained before this Tribunal also. The workman filed school leaving certificate that he is high school fail.

8. Workman has come in the witness box and deposed his case on affidavit he has filed circular that persons appointed temporarily should not be allowed beyond 60 days. He has averred in his affidavit that he was appointed as peon cum water man w.e.f. 7-3-80 and his services were terminated on 11-2-81. The workman neither summoned any document nor filed any document to substantiate that he was appointed as peon cum waterman on 7-3-80 rather the management case is that he was given appointment for five months as temporary waterman for serving water to the staff and customers in the summer season at the fixed wages at Rs. 150 per month from May to September which he could not complete and had to leave 15 days earlier on account of health. The management has substantiated its stand by filing paid vouchers for May, June, July, August and Sept. 80. The workman has further failed to file any document or summon attendance register or documents from the management to show that he was terminated on 11-2-81 on the other hand management has shown that the workman was paid leave salary last of all amounting to Rs. 192.36p on 27-1-81 for work done during the period 23-12-80 to 2-1-81. He has deposed that after his termination S/Shri Parmatma Ram, Ved Prakash and Dinanath Singh were appointed as temporary peon at Birhana Road branch of the management. He has deposed that he was doing the duties of farrash in the banking hall besides water peon. This stand has been taken by the workman for the first time and is not in the claim statement or in the rejoinder, he merely averred that he was peon cum waterman and never performed other work besides work of water boy or that of bank peon also. The

management witness was suggested if the workman was paid for conveyance allowance for taking cash to the Reserve Bank of India, this could have been amounted to one of the duties of the peon but workman has not filed or summoned any such document to substantiate this point. However, it is admitted that the workman was working as peon for the period he was paid leave salary and was working in leave arrangement. But there is nothing to show that he worked as peon also and carried some of the duties as peon also beside serving as water boy to the customers and staff of the management under the management contract of five months which may utmost be called as one of the duties of the peon cum water man.

9. In the absence of any cogent evidence, I agree with the management's contention and not inclined to club the duties performed by the workman during the period May to September 80 as water man and serving water to staff and customers that the work done as peon while working in the leave vacancy for the period 22-10-80 to 2-1-81 as asserted by the management and proved by filing the leave salary vouchers.

10. The opposite party respondent went in monitorium and was subsequently amalgamated with Canara Bank. Canara Bank filed its written reply and almost adopted the stand of erstwhile bank Lakshmi Commercial Bank Limited and took two additional pleas that in view of recent amendment of section 2(00) of the act; (i) that the present additional will apply to the facts of the present case. The workman also filed its rejoinder to the additional w.s. of the management of Canara Bank.

11. The workman in his cross examination admitted that he was first appointed as water boy and thereafter, he was appointed as peon and he was paid Rs. 542 in the leave vacancy of Shri P. K. Mishra. He has later stated voluntarily that even while working in the leave vacancy of P.K. Mishra he was not paid separately for it. The duties of a peon apart from those peons who are peon cum-Daftri was Peon cum Guard. He also served drinking waters to customers and staff and in that way it is called as one of the duties of peon but by itself a man is engaged purely for serving water to the staff and customers in summer season on a fixed monthly rate that will not amount to doing some working connected with the banking industry though it may amount working for the banking industry.

12. As the workman has failed to substantiate that he started working in the management bank from 7-3-80 and as the management has substantiated that he was purely engaged as temporary water boy for bank for five months at the rate of Rs. 5/- per day and was paid monthly at the rate of Rs. 150 but actually worked for four and half months and it was on that count that in September 80 he was paid only Rs. 75/-. Thus believing the management's contention and holding that merely engagement for the banking industry for serving water to the customers and for the staff in summer season will not amount to serving in the banking industry as peon cum water man as the workman has failed to show that he performed any of the duties of peon during that period.

13. Thus agreeing with the management I am not inclined to club this period while working as water

boy in summer season with the period he worked as a temporary leave vacancy peon. Admittedly the period he worked in leave vacancy is less than 240 days, thus he will not be entitled to retrenchment compensation etc. under section 25 F of the Act. I do not agree with the arguments of the learned counsel of the management that amendment of section 2(00) of the act while adding sub clause (bb) as retrospective effect. All the legislation apply prospective unless specifically mentioned therein to have retrospective effect.

14. Now coming to section 25G and H, I do not agree with the contention of the management that 25 G and H apply to workmen who have worked continuously for one year. The section speaks only on retrenchment and it may be for any reason whatsoever. Thus there had been retrenchment of the workman when he was ceased to work after leave vacancy on 2-1-81. It is specifically proved that new hands were appointed under the management after the termination of the workman on 2-1-81, rather the workman deposed that three persons were employed after his termination namely Dinanath Singh, Parmatma Ram and Ved Prakash. As the workman was not called for work and new hands were appointed, there had been infringement of section 25 H of the ID Act and the workman will have preference over new hands employed, thus on account of violation of section 25 H of the Act, the retrenchment on account of re-employment of others will be rendered void and he will be entitled to be reinstated in service with full back wages.

15. There is no evidence that there were other persons Jr. to him working in the leave vacancy on 2-1-81 who should have been terminated first, hence the question of last come first go does not apply in this case.

16. I, accordingly holds that the action of the Lakshmi Commercial Bank Limited, Birhana Road, Kanpur, now taken over by Canara Bank in terminating the services of Munna Lal Peon cum Water man not w.e.f. 11-2-81 but from 2-1-81 is not justified. The result is that he will be entitled to be reinstated in service w.e.f. 2-1-81 instead of 11-2-81 with back wages, as 25 F of the Act has been violated by the management bank.

17. I, therefore, give my award accordingly.

Let Six copies of this award be sent to the Government for this publication.

Dated 16-7-1986

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/1/82-D.IV(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1986

का. प्रा. 2834.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार, सर्वार्थ सिमरणी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, रामा गुण्डम डिविजन II डा. गोदावरी जिला करीमनगर (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक विचारण, हिवराव के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16 जुलाई, 1986 को प्राप्त हुआ था।



New Delhi, the 25th July, 1986

S.O. 2834.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd. Ramagundam Division—II P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (AP) and their workmen which was received by the Central Government on the 16th July, 1986.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD**

Industrial Dispute No. 73 of 1984

**BETWEEN**

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited  
Ramagundam Division-II P.O. Godavarikhani, Karimnagar Distt.

**AND**

The Management of Singareni Collieries Company Limited  
Ramagundam Division-II, P.O. Godavarikhani, Karimnagar Distt.

**APPEARANCES:**

Sarvasri V. Jagannadha Rao, V. Venkata Ramana and  
V. Srinivasa, Advocates for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Miss  
G. Sudha, Advocates for the Management.

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/21/34-DIII(B) dated 28-8-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II and their workman to this Tribunal for adjudication:

*"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Co. Ltd., Ramagundam Division-II P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (AP) are justified in awarding the punishment of dismissal from service with effect from 17-4-1983 to Shri Isikilla Poshamallu, Coal Filler, GDK 5A Incline ? If not, to What relief is the workman concerned entitled ?"*

This reference was registered as Industrial Dispute No. 73 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. The workman filed a claims statement represented by its President, Tandur Coal Mines Labour Union stating that the order of dismissal passed on 13-4-1983 against the workman Isikilla Poshamallu, Coal Filler should be set aside and the workman should be reinstated with full back wages, continuity of service and all other attendant benefits and grant such other relief as it deems fit. The claims statement was filed on 3-1-1984 and it is part of the record. A counter was filed by the Management on 19-2-1985 i.e. after more than one year. It is contended in the counter that Isikilla Poshamallu, Coal Filler was dismissed from service on the charges established during the enquiry wherein it was found that he not only participated in the illegal strike from second shift on 3-1-1982 but also incited and instigated the other coal fillers to stage a strike thereby causing loss of production to the tune of 900 tons of coal and that Isikilla Poshamallu who belong to M. No. 8 though did not work on 2-11-1982 took active part on 3-11-1982 to demand musters for the Fillers of Mines 2 and 8 who refused to work in alternative working place on 2-11-1982 and further continued to threatened the strike beyond two months and that he fully participated in the domestic enquiry and that the said proceedings were perfectly in order and punishment of dismissal is considered as appropriate in the given circumstances of the case.

3. When a Memo is filed by the Management to decide whether the domestic enquiry is conducted fair or not which is numbered as M.P. No. 189/85. The counsel for the Workmen

endorsed that they were not questioning the validity of the domestic enquiry and that the same was conducted fairly and properly and that they conceded that aspect without prejudice to the other contention regarding the merits of the case.

4. The Management examined only one witness and marked Exs. M17 to M-11 while the workman neither examined any witness nor marked any documents.

5. M. W1. is one Sri G. Sridhar Reddy, Personnel Officer in Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani since 1978. He deposed that he knew Isikilla Poshamallu, Coal Filler, GDK 5A Incline and that he conducted the domestic enquiry relating to the said workman. According to him Ex. M1 is the charge sheet dated 5-11-1982 issued to him and Ex. M2 is explanation submitted by the workman and he mentioned that the enquiry date is given as 21-11-1982 in the charge sheet itself and the petitioner participated in the enquiry on 21-11-1982. The Personnel Officer stated that he examined two witnesses for the management in the domestic enquiry and the worker cross examined the said witnesses and thereafter he gave statement also on the same date which was cross examined by the management when he was examined. It is his case that as sought for by the Petitioner the matter was adjourned to 28-11-1982 for defence witnesses with notice of adjournment is marked as Ex. M3 and again on 28-11-1982 he requested for further adjournment under Ex. M4 and the enquiry was again adjourned to 26-12-1982 under Ex. M5. It is further deposed when the worker did not turn up on the schedule date the matter was adjourned to 2-1-1983 under Ex. M6. On 2-1-1983 the worker was present and requested for further adjournment under Ex. M7 and at his request the enquiry was again adjourned to 9-1-83 under M-8. On 9-1-1983 the said worker produced the defence witnesses and examined them. The said statement are Ex. M-9 and M-10 and the enquiry report was marked as Ex. M-11. So it is his case that he gave reasonable opportunity and conducted the domestic enquiry according to law. He admitted in the cross examination that the coal filler is an illiterate person and marksman. He denied the suggestion that the said workman wanted the assistance of the Trade Union leader to assist him and sought for time otherwise there is no further evidence.

6. As it is conceded in MP No. 129 of 1985 that the domestic enquiry was held proper. The only question left out is whether the punishment is disproportionate in awarding the dismissal and whether the Management has not taken any relevant circumstances for giving a lesser punishment on the explanation given by the workman or his witnesses with reference to the charge sheet. The charge sheet Ex. M-1 would show that on 3-11-1982 at the beginning of second shift he was instructed by D. Kistiah, Under Manager to go down to the Mine for work but he disobeyed the lawful instruction and left the Mine without doing his duty and further the evidence of the two witnesses examined for the Management would show that he instigated the other coal fillers of Mine Nos. 2 and 8 and that they should not go for their duties. It is a well-known fact that the coal industry is a Public Utility Service, any strike without giving notice is illegal and therefore when the strike continued admittedly in third shift on 3-11-1982 and first shift on 4-11-1982 resulting in loss of output of coal, the violation alleged by the Management under Standing Order 16(1), (9), (19) and (2) are held to be proved and it cannot be said that there is punishment of dismissal is proportionate punishment or punishment is in excess of the gravity of the misconduct in the given circumstances after considering the entire record and the enquiry report I hold that the order of punishment awarded "dismissal from service" from 17-4-1983 to Isikilla Poshamallu, Coal Filler is proper and he is not entitled for any relief.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Steno transcribed by him, corrected by me and given under my hand and seal of this Tribunal, the 23-6-1986.

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer.



## Appendix of Evidence

## Witnesses Examined

for the Management :

M.W1 G. Sridhar Reddy

Witnesses Examined  
for the Workmen:

NIL

## Documents marked for the Management:

Ex. M1 Charge Sheet dt. 5-11-82 issued to Isikalla Poshamallu by Dy. CME/Col. Manager, GDK No. 5A Incline of SC Company Limited.

Ex. M2 Representation dt. 19-11-82 made by Isikalla Poshamallu to the Dy. Chief Mining Engineer, G. DK No 5A Incline.

Ex. M3 Notice dt. 24-11-82 issued to Isikalla Poshamallu by the Dy. CME/Col. Manager, GDK 5A Incline of SC Company Limited, Ramagundam Division.

Ex. M4 Letter dt. 28-11-82 addressed by Isikalla Poshamallu to the Dy CME GDK 5A Incline requesting for postpone the enquiry.

Ex. M5 Enquiry Notice dt. 23-12-82 issued to Isikalla Poshamallu by the Colliery Manager Dy CME GDK No. 5A Incline of SC Company Limited, Ramagundam Division.

Ex. M6 Enquiry Notice dt. 30-12-82 issued to Isikalla Poshamallu by the Colliery Manager, GDK No 5A Incline SC Co. Ltd. Ramagundam Division.

Ex. M7 Letter dt. 2-1-83 addressed by Isikalla Poshamallu to the Dy. CME GDK 5A Incline requesting to postpone the enquiry.

Ex. M8 Enquiry Notice dt. 6-1-83 issued by Colliery Manager GDK No. 5A Incline/Dy. CME GDK 5A Incline, SC Company Limited, Ramagundam Division to Isikalla Poshamallu.

Ex. M9 Statement of D. Kishtiaiah.

Ex M10 Statement of Isikalla Poshamallu.

Ex. M11 Enquiry Report.

## Documents marked for the Workmen:

NIL

Dt. 30-6-86.

J. VENUGOPALA, RAO, Presiding Officer.

[No. L-22012/21/84-D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer.

का.नं. 2825 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, ईस्टर्न कोलफील्ड लि. की गोपालपुरा कोलियरी के प्रबंधन संबंधी नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविदा औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबद के पंचट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-7-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2835.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Govt. hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gopalpura Colliery of Nirsha Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd July, 1986

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAD

Reference No. 114 of 1985

In the matter of industrial dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Gopalpura Colliery Nirsha Area of M/s. Eastern Coalfields Limited and their workmen.

## APPEARANCES:

On behalf of the employers: Shri R. S. Murthy, Advocate.  
On behalf of the workmen : Shri J. D. Lall, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 18th July, 1986

## AWARD

The Govt. of India Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d) of the ID Act 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(81)/85-D.III(A) dated the 30th July, 1985.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Gopalpura Colliery in Nirsha Area of Messrs. Eastern Coalfields Limited P.O. Mugma, Dist. Dhanbad in denying the post of Assistant Foreman to Shri D. K. Banerjee from the date he joined the Nirsha Area Office is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. documents etc. Thereafter the case was fixed for evidence of parties on 8-4-86. Thereafter both the parties took several adjournments for filing settlement and ultimately on 10-7-86 both the parties appeared before me and filed a memorandum of settlement. I have gone through the terms of settlement which appears to be fair and proper and accordingly I accept the same and pass an Award in terms of the memorandum of settlement which forms part of the Award as annexure.

Dt. 18-7-86

I. N. SINHA, Presiding Officer.

[No. L-20012/81/85-D.III(A)]

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 DHANBAD

In the matter of Reference No. 114 of 1985

## PARTIES:

Employers in relation to the Management of Nirsha Area, P.O. Mugma, Dist. Dhanbad,

AND

Their workman.

## JOINT COMPROMISE PETITION OF THE EMPLOYERS AND WORKMEN

The above mentioned employers and workmen most respectfully beg to submit jointly as follows:—

- (1) That the employers and workmen have jointly negotiated the matter covered by the aforesaid reference with a view to coming to an amicable and overall settlement.
- (2) That as a result of such joint negotiations, the employers and workmen have arrived at a mutually acceptable and overall settlement of the matter

covered by the aforesaid reference on the following terms and conditions :—

- (a) It is agreed that the workman concerned, Sri D.K. Banerjee, Electrician, Category-V, Nisha Area Office will be placed in the Adhoc post of Asstt. Head Fitter (Electrical) in Tech. and Supvr. Grade-C with effect from the 1st April, 1984.
- (b) It is agreed that since the workman concerned has stated that he is making efforts to obtain the Electrical Supervisorship certificate valid for mines, his designation will be changed to Asstt. Foreman (Electrical) from the date he produces such a certificate to the Management.
- (c) It is agreed that the workman concerned will be paid wages as per Technical and Supervisory Grade-C in the post of Asst. Head Fitter (Electrical) from the date 1st April, 1984.
- (d) It is agreed that after the workman concerned is redesignated as Asstt. Foreman as specified in clause (b) above, subject to the fulfilment of the conditions stipulated therein, he will be allowed notional seniority in the post of Asstt. Foreman (Elect.) with effect from 1st May 1981 but if in the meantime, and before he is placed in the post of Asstt. Foreman (Electrical) any other Asstt. Foreman (Electrical) is promoted to the post of Foreman (Electrical), the workman concerned will not be entitled to claim any benefit on that account.
- (e) It is agreed that this is an overall settlement in full and final settlement of all the claims of the workman concerned and the sponsoring union arising out of the aforesaid reference.
- (3) That the parties consider that the aforesaid terms and conditions are fair just and reasonable to both of them.
- (4) In view of the above, the employers and the workman jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and dispose of the above reference accordingly, by giving an award in terms thereof.

ARUN SINGH, Vice President

Colliery Mazdoor Sabha of India

DEEPAK KUMAR BANERJEE, workman concerned

Witnesses:

1. Illigible.

2.

Dated:—

K. L. GHOSH, General Manager  
Eastern Coalfields Limited,

For and on behalf of employers.

RAL. S. MURTHY, Advocate  
For Employers.

Sd/- I. N. SINHA, Presiding Officer

दई दिल्ली, 28 जुलाई, 1986

का. अ. 2836.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में केन्द्रीय सरकार व राजापुर ओपन कास्ट प्रोजेक्ट में सई बी.सी.सी.एल. के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-2 धनबाद के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-7-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th July, 1986

S.O. 2836.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad

as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajapur Open Cast Project of M/s. Bharat Coking Coal Limited P. O. Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st July, 1986.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 32 of 1984

In the matter of industrial disputes under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

### PARTIES :

Employers in relation to the management of Rajapur Open Cast Project of M/s. B.C.C. Ltd., P. O. Jharia, Distt. Dhanbad and their workmen.

### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S. Union.

On behalf of the employers—Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 14th July 1986

### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(43)/83-D.IV(B), dated, the 18th June, 1984.

### SCHEDULE

“Whether the demand of the workmen of Rajapur Open Cast Project of M/s. BCCL, P.O. Jharia, Distt. Dhanbad that Shri Ram Charitar Singh should be designated as Crane Operator and placed in grade ‘A’ (excavation) with effect from 1st September, 1982 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?”

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Ram Charitar Singh was appointed as Dumper Operator in Grade-D in September, 1977. He was entitled to be promoted as a Dumper Operator in Grade-C from 2-5-79 and Dumper Operator Grade-B from 14-10-80 but the management denied promotion by superseding him by his junior colleague. Thereafter he was asked to undergo training as Crane operator vide letter dated 1-9-81. The concerned workman successfully completed the training of one year of crane operator and since then he has been operating crane (Zones) of 15 tonnes capacity regularly to the satisfaction of the management. The concerned workman is therefore entitled to be designated as crane operator Grade-A from September, 1982 as he was operating the crane (Zones) of 50 tonnes capacity. The said claim of the concerned workmen is supported by the management's letter dated 3-10-82 issued to the concerned workman but the

concerned workman has not been designated as Crane operator Grade-I. The concerned workman demanded his designation as a crane operator in Grade-A from September 1982 from the management vide his letter dated 1-9-82 but the said designation was denied to him. The concerned workman was also discriminated in the past in his promotion in Grade-C and B of Dumper Operator. The concerned workman approached his union and thereafter his union RCMS demanded his promotion vide letter dated 6-11-82 from the management but the management paid no heed to his demand. Thereafter the union raised an industrial dispute before the conciliation machinery for the promotion of the concerned workman as Crane operator Grade-A vide letter dated 9-3-83. The conciliation failed and thereafter the present reference was made by the Govt. of India on receipt of the failure report from the conciliation officer. The management has indulged in non implementation of the relevant Coal Wage Board agreement and promotion rules prejudicial to the interest of the concerned workman causing great loss to the concerned workman. The case of the concerned workman has been discriminated and he has been victimised inspite of entitlement of crane operator Grade-A for his active participation in the trade union activities of the union. The workman have claimed crane operator Grade-A to the concerned workman with effect from 1-9-82.

The case of the management is that the concerned workman was appointed as Dumper Operator in Grade-D on 20-9-77 and was promoted as Dumper Operator Grade-C with effect from 1-10-80 and thereafter he was promoted to Dumper Operator Grade-B vide office order dated 22-2-83. After the nationalisation of the Coking coal mines and non coking coal mines M/s. BCCL started excavation projects including Raipur Open Cast Project. Coal was being raised from Raipur Open Cast Project by means of Crane dumper, dozers etc. prior to the nationalisation of the Coal Mines machineries were not being used for raising coal. The Raipur Open Cast Project was started in 1977. M/s. N. C. D. C Ltd. had introduced excavation projects before its merger with M/s. CC Ltd. Under the recommendations of the coal wage board the workmen employed in those excavation works were placed in 5 grades of which Grade-A was the highest and Grade-E was the lowest in the Coal Wages Board recommendation. The job description, qualification, experience etc. for the different categories of workmen employed in the excavation project of M/s. NCDC were prescribed and the same has been adopted by M/s. Coal India Ltd. and its constituent unit—BCCL and CCL under the NCWAs. The crane operators have been placed in different grades. The job description for the crane operator Grade-A shows that he should be highly skilled workman having, not less than 7 years experience in the operation of handling of heavy duty mobile crane with a capacity of not less than 40 tonnes. He should in addition have general knowledge of the mechanical equipment and should undertake minor running repairs. The concerned workman do not possess the experience and qualifications for the job of Crane operator Grade-A. The concerned workman was asked to learn the job of crane operator for a year with effect from 1-9-81 vide management's office letter dated 1-9-81. The concerned workman

does not even possess the requisite qualification for Grade-C for which the minimum experience prescribed is 4 years in the Coal Wage Board Recommendation. The concerned workman has been rightly placed in Grade-B of Dumper Operator with effect from 22-2-83. The concerned workman was not found suitable for Grade-C Dumper Operator in the year 1978 and therefore the question of his promotion in the year 1978 did not arise. The promotion of a workman is a managerial function and it cannot be claimed as a matter of right. The demand of the concerned workman is not justified.

The question to be determined in this case is whether the concerned workman Shri Ram Charitar Singh is entitled to be designated as Crane Operator in Grade-A excavation with effect from 1-9-82.

The workmen and the management have each examined one witness in support of their respective case. The workmen have produced two documents which have been marked Ext. W-1 and W-2. The management have produced document which have been marked Ext. M-1 to M-6.

Admittedly, the concerned workman joined BCCL as Dumper Operator in Grade-D on 20-9-77 and ultimately he was promoted as Dumper Operator Grade-B from 22-2-83. WW-1 Ramcharitar Singh is the concerned workman himself. He has stated that he joined BCCL as Dumper Operator at Rajapur Open Cast Project of BCCL and he possesses a heavy vehicle driving licence. He has stated that there was a crane in Rajapur Open Cast Project on which he was trained. He has further stated that he was authorised to work independently on the said crane was Crane Operator by Shri S. K. Sen, Sr. Executive Engineer and has produced the authority given to him which is marked Ext. W-2 in this case. He has stated that he got Dumper Operator Grade-B when he was operating crane. He has demanded crane operator Grade-A as he is working as Crane Operator MW-1 is Shri B. Kar a P.O's Clerk of Raipur Open Cast Project. As his work is confined to the office of the P.O. his evidence on the fact of the case is of no relevancy. However, MW-1 has proved some of the management's documents. Ext. W-1 dated 22-2-83 is the same as Ext. M-3. This is an office order by which on the recommendation of D.P.C. the concerned workman who was working in Rajapur Open Cast Project was promoted from Dumper Operator Grade-C to Dumper Operator Grade-B excavation. Ext. M-4 dated 5/24-6-83 is another office order by which the basic wages of the employees named in Ext. W-1 and M-3 were fixed on their promotion. Formerly the old basic was less than the new basic wages. It will appear from Ext. M-4 that the concerned workman is shown in Sl. No. 4 designated as Dumper Operator Grade-B and that he was fitted in the new basic wages. Ext. M-5 is dated 15-10-80 which shows that the concerned workman was promoted from the post of Dumper Operator Grade-D to Grade-C. Ext. M-6 dated 6-11-82 is a letter from the Manager to the concerned workman by which the concerned workman was informed that the DPC did not find him suitable for promotion and as such he was not promoted last year and that his promotion will again be considered in the current year. Ext. M-4, M-5 and M-6 is of no aid for deciding the present issues involved in this case. Ext. M-2 dated 30-9-77 is an office

order which shows that after the concerned workman joined in Dande Division, Bihar Building on 28-9-77 from Personnel Directorate as Dumper Operator in excavation Grade-D is being posted at Rajapur Project with immediate effect. It is an admitted position that after the concerned workman joined his services he was posted at Rajapur Project. Ext. M-1 is the office order dated 13-3-84 by which the concerned workman along with three others were transferred to work in Kustore patch and were released with immediate effect. They were asked to join their duties to the Agent Kustore Colliery from 14-3-84. The concerned workman has made his claim on the basis of Ext. W-2. Ext. W-2 is a letter dated 3-10-82 written by the Senior Executive Engineer S. K. Sen Rajapur Open Cast Project to the concerned workman addressing him as Dumper Operator. This is an authorisation given to the concerned workman to work as a Crane Operator. It is stated that since the concerned workman has completed the training as Crane Operator with the entire satisfaction he was authorised to operate crane (Zone) independently from 3-10-82. So on this basis it is claimed by the workmen that the concerned workman was working as Crane Operator independently and regularly from 3-10-82. The management, on the other hand have submitted that after the concerned workman completed his training as Crane Operator he was only authorised to operate the crane from 3-10-82 whenever required and that his was not an appointment given to the concerned workman to work regularly as a crane operator. The submission made on behalf of the management appears to be convincing. Had the concerned workman been appointed as crane operator from 3-10-82 the concerned workman or his union would have objected to his promotion to Dumper Operator Grade B which he got vide office order dated 22-2-83 (Ext.W.1). If the concerned workman was already working as a Crane Operator he would have represented before the management soon after the office order dated 22-2-83 that his promotion as Dumper Operator in Excavation Grade-B was not called for as he was already working as a crane operator in excavation Grade-A from 3-10-82.

The concerned workman WW-1 has stated in his cross-examination that in 1983 the crane of Rajapur Open Cast Project had been sent to Tasra along with the crane operator Gurubachan Sharma who was operating the said crane. It will thus appear that in 1983 the only crane which was working in Rajapur Open Cast Project was sent to Tasra along with its operator Gurubachan Sharma. MW-1 has also stated that there was one crane at Rajapur Open Cast Project which was sent to Tasra Open Cast Project along with the crane operator Shri G. C. Sharma and that another crane is working in Rajapur Open Cast Project since only about 7 months ago which has already an operator working on it. The concerned workman WW-1 has stated in the last line of his cross-examination that he along with others was transferred from Rajapur Open Cast Project to Kustore colliery and he was also released from Rajapur Open Cast Project. Ext. M-1 is the order of transfer dated 15-3-84. So it is apparent that since 13-3-84 the concerned workman was not operating any crane. He has already stated that in 1983 the crane working in Rajapur Open Cast Project was sent to Tasra Open Cast Project. Thus

after the said crane was sent to Tasra in 1983, the concerned workman was not working on any crane as the other crane was brought in Rajapur Open Cast Project only about 7 months prior to April, 1986. It is thus clear since the transfer of the crane of Rajapur Open Cast Project in 1983 to 13-3-84 the concerned workman was not operating on any crane as there was no crane in Rajapur Open Cast Project during that period. The claim of the concerned workman therefore that he was regularly working on the crane as crane operator is also belied.

There is absolutely no order showing that the concerned workman was appointed as a crane operator. What has been produced by the concerned workman is Ext. W-2 which is an authorisation to work as a Crane operator. An authorisation to work as crane operator is not the same thing as an appointment to the post of Crane Operator. The authorisation only was given which entitled the concerned workman to work as Crane operator from 3-10-82 whenever the management requisitioned his services.

Chapter VIII of Coal Wage Board Recommendation deals with collieries of NCDC including the categories of the excavation section. The wage board in para 14 at page 62 of the recommendation recommended the scales of basic pay for Cat. E to Cat. A. In para 10 of the W.S. of the management it is stated that all the constituent units of Coal India adopted the Coal Wage Board Recommendation under NCWA. The job description of Crane Operator Grade-I which was stated as Cat. A in the Wage Board Recommendation is stated at page 56 of NCWA-I. The job description of Crane operator Grade-I is as follows in NCWA-I "A highly skilled workman with not less than 7 years experience in the operation of handling of heavy duty mobile crane with a capacity of not less than 40 tonnes. He should in addition have general knowledge of the mechanism of the equipment and should undertake minor running repairs." The concerned workman had not 7 years experience in the operation and handling of heavy duty mobile crane after he was given training as crane operator as is apparent from Ext. W-2. So on this score alone the concerned workman cannot claim to be designated as Crane Operator Grade-I with effect from 1-9-82.

Considering the evidence on all its aspects I hold that the concerned workman cannot be designated as Crane Operator in Grade-I with effect from 1-9-82.

In the result, I hold that the demand of workmen of Rajapur Open Cast Project of M/s. BCC Ltd that the concerned workman Shri Ram Charitar Singh should be designated as Crane operator and placed in Grade-A (it should be grade-I according to NCWA) with effect from 1-9-82 is not justified and consequently he is not entitled to any relief.

This is my Award.

Dated 14-7-86

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-24012/43/83-D.IV(B)]  
R. K. GUPTA, Desk Officer

ई ई विल्ली, 28 जुलाई, 1986

का. प्र. 2837.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, टाटा आयरन एंड स्टील लि. का 6 और 7 पिट्स जमदोबा कोलियरी के प्रबंध तंत्र से संबंधित नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिक्रिया, नं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-7-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th July, 1986

S.O. 2837.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd July, 1986.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD**  
Reference No. 101 of 1985

In the matter of industrial disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Co. Ltd., and their workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers : Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen : Shri B. K. Lath, Advocate.

**STATE :** Bihar. **INDUSTRY :** Coal.

Dated, Dhanbad, the 18th July, 1986.

**AWARD**

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(109)/85.D.III(A), dated the 9th July, 1985.

**THE SCHEDULE**

“Whether the action of the management of 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, P. O. Jamadoba, Distt. Dhanbad in dismissing from service Shri Bharat Singh, Underground Trammer with effect from 15-10-84 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

The case of the management is that the concerned workman Shri Bharat Singh was initially appointed 576 GI/86—18.

as-Cat. I Mazdoor with effect from 25-10-76. He was promoted to the post of Underground trammer in Cat. III with effect from 21-11-78. At times the concerned workman used to be deputed as a belt khalasi in Cat. III and had acquired knowledge and skill to operate the belt as a belt khalasi. According to the exigency of the situation an employee is asked to work in different jobs of the same category. On 30th June 1984 the concerned workman was employed to work as a belt khalasi in 'C' shift and was deputed to operate the conveyor belt No. 1406. At about 6.45 A.M. the above belt got folded to the length of about 1700 feet. As a result the tension trolley got derailed due to his negligence damaging the belt putting the company to a loss of about 40,000/- besides loss of production to the extent of about 100 tonnes of coal. The damage of the belt could have been prevented if the concerned workman had been careful and stopped the operation of the belt as soon as it was noticed that the belt was getting twisted. The concerned workman failed to do so and operated the belt carelessly and negligently even when it was folded causing damage to the company's property. As the damages were due to the negligence on the part of the concerned workman, he was chargesheeted on 5/16-7-84. The concerned workman submitted his explanation to the charge sheet denying the allegation. The explanation of the concerned workman was found to be unsatisfactory and the management ordered for a domestic enquiry. A departmental enquiry into the chargesheet was conducted against the concerned workman in his presence and he was given full chance and opportunity to defend himself. The misconduct mentioned in the chargesheet was satisfactorily established in the domestic enquiry. The misconduct being of serious nature, the concerned workman was dismissed from service with effect from 15-10-1984 by a letter dated 10-12-1984. On the basis of the facts it is submitted on behalf of the management that the action of the management in dismissing the concerned workman with effect from 15-10-84 was justified and that the concerned workman was not entitled to any relief.

The case of the workmen is that the concerned workman was submitted with a false chargesheet. He had denied all the charges vide his interim explanation dated 14-7-85 and he had reserved to file a detailed explanation after getting the vagueness of the charges removed. The management without taking the final reply of the concerned workman held a perfunctory and empty enquiry which was a mere show. The concerned workman did not commit any act of misconduct and no material particulars of negligence was disclosed in the chargesheet against the concerned workman. The management had no right to depute the concerned workman as belt khalasi as he was an underground trammer. The report of the enquiry officer is perverse and not based on any evidence on record. No notice under Section 9A of the I.D. Act changing the shift and nature of duty from underground trammer to belt khalasi was ever served on the concerned workman and consequently the action of the management in taking the work of belt khalasi which is a skilled job by the management was itself an illegal act. The management itself was negligent in taking the work of belt khalasi from the concerned workman who was an underground trammer

and the loss, if any, can be attributed to the negligence of the management for taking the work of belt khalasi from the concerned workman. The trolley did not get derailed due to the negligence of the concerned workman but it was because of some mechanical defect in the conveyor belt and the trolley. The concerned workman who was an underground trammer cannot be deputed to work as belt khalasi without first giving him training and changing his condition of employment. The charge was not established in the enquiry proceeding. On the basis of the above plea it is submitted on behalf of the workman that the dismissal of the concerned workman with effect from 15-10-84 was illegal arbitrary and unjustified and he should be reinstated with full back wages and all other benefits accruing to him. In any case the punishment meted out to the concerned workman is not proportionate to the alleged act of misconduct.

At the very outset both the parties submitted that it first be decided as a preliminary issue whether the enquiry proceeding was fair and proper. Accordingly the said issue was taken up first for decision and by an order dated 19-2-86 it was held that the domestic enquiry held against the concerned workman was fair and proper and thereafter the case was fixed for hearing on merit on the materials which were already there in the domestic proceeding.

Now the point for decision is whether the charge against the concerned workman was established in the domestic enquiry and whether the punishment inflicted upon him was proportionate to the act of misconduct established against him.

The management has produced all the materials which were led before the enquiry officer. The said documents are marked Ext. M-1 to M-9.

Some of the facts in the case are admitted. The concerned workman was an underground trammer in Cat. III with effect from 28-11-77. He was deputed to work as a belt khalasi on 30-6-84 in 'the night shift ('C' shift) duty as belt khalasi to operate 1406 belt conveyor. It is also admitted that at about 6.30 A.M. the conveyor belt on which the concerned workman was deputed to work got folded as a result of which the belt was damaged and the tension trolley got derailed. Thus the only question to be determined is whether the conveyor belt was damaged and the tension trolley got derailed due to the negligence of the concerned workman. In order to find out that the conveyor belt was damaged and the tension trolley got derailed due to the negligence of the concerned workman we have to look into the evidence of the witnesses examined on behalf of the management before the enquiry officer in the enquiry proceeding.

The management examined S/Shri Mahadeo Singh, Mechanical Fitter, T. K. Roy, Mechanical Fitter and thereafter the enquiry officer examined Ram Nagina Prasad Mechanical Fitter of 67 Pits Colliery and Shri Y. P. Singh Foreman as independent witness. The concerned workman also had given his statement before the enquiry officer but he did not examine any witness in his defence.

Shri Mahadeo Singh was on duty on 1-7-84 in A shift and had gone to attend the break down of 1406

conveyor belt. He was not present at the time when the conveyor belt was damaged and was not on duty at that time. He has stated that the conveyor belt of 1406 had folded in 'C' shift of 30-6-84 when the concerned workman as belt khalasi was operating it. He has stated that the break down occurred due to the negligence of Shri Bharat Singh as there was no complain of any mechanical defect of the conveyor till the 'A' shift of 30-6-84. His evidence of negligence is just a surmise and not based on any cogent facts.

The other witness T. K. Roy is also a mechanical fitter. He was on duty on 30-6-84 in 'A' shift on conveyor belt No. 1409. He was not deputed to attend the breakdown of conveyor belt on 1-4-84 and has stated that Shri Mahadeo Singh was deputed to attend the breakdown. He was deputed on 2-6-84 to attend the conveyor belt No. 1406 as it could not be repaired on 1-6-84. He has stated that he got report that since the scrapper was not working properly the breakdown occurred and belt folded. Thus it appears from his evidence that he had a report that the scrapper was not working properly, due to which the breakdown occurred and the belt was folded. He has further stated that the belt had run in folded condition and the belt was not stopped when the defect was observed by the belt khalasi and that when the tension trolley got derailed the belt stopped. As T. K. Roy was not present at the time when the conveyor belt folded and was damaged it was not possible for him to say whether the defect was observed by the concerned workman when the belt had folded. Again it is a surmise of his to state that the concerned workman did not stop the conveyor belt when the defect was observed by him.

Shri Ram Nagina Prasad is the Mechanical Fitter of 6/7 Pits Colliery and on 30-6-84 he was in 'C' shift duty and was deputed to attend all the breakdown of the conveyors. He has stated that at about 6 A.M. on that day the concerned workman informed him over telephone that scrapper is not working properly and the concerned workman requested for one person to clean the coal dust at drive head. This witness advised the concerned workman to clean the coal dust himself as no person was available. He also told the concerned workmen to run the belt as there was no major defect in the scrapper and that the defect in scrapper had nothing to do with the belt folding. It will thus be clear from the evidence of Ram Nagina Prasad who was actually on duty that the concerned workman had taken precaution in informing the mechanical fitter regarding the defect in the scrapper. It will also appear that there was some defect in the scrapper but it was not a major defect. Thus it is clear from the evidence of Ram Nagina Prasad that the scrapper was defective. He has also stated that the concerned workman rang up Shri Y. P. Singh, Foreman at 6.15 A.M. and that Shri Y. P. Singh advised the concerned workman to clean the coal dust and to keep the belt running. He has stated that at about 6.45 A.M. the Tension Trolley got derailed. He along with Shri Y.P. Singh, Foreman had gone to see the conveyor belt and found that the coal dust had not been cleaned by Bharat Singh due to which the belt got folded. He has also attributed the negligence of the concerned workman in the damage of the conveyor belt and the derailment of the tension trolley.

Shri Y. P. Singh, Foreman of 6/7 Pits Colliery as on duty in 'C' shift on 30-6-84. He has stated that the concerned workman rang him up on telephone at 6.15 A.M. requesting him that the concerned workman required a cleaner to clean the coal dust at the drive head. He told the concerned workman that it was not possible for him to find a cleaner at that hour and that he would try to provide a cleaner if possible. He has further stated that he told the concerned workman to check whether it was possible to run the belt or not and if it was possible then he should run it and that the concerned workman should clean the coal dust and run the belt if possible or to stop it. He has stated that at about 6.40 A.M. he was informed that the belt had folded and tension trolley got derailed. Thereafter he went to the site and found that the coal dust was in the pulley and the belt had folded and the tension trolley derailed. His conclusion was that all these happened due to the negligence of the concerned workman.

It will appear from the evidence of Ram Nagina Prasad and Shri Y. P. Singh that the concerned workman had told him about the defect while he was running the conveyor belt. It appears that the concerned workman had taken precaution to inform the mechanical Fitter and the Foreman on duty about the defect which appeared to him. It also appeared from the evidence of Ram Nagina Prasad that there was, in fact, some defect in the scrapper and the concerned workman was asked to remove the coal dust himself. We have no witness who was present at the time when the incident actually took place and what has been stated by Shri Ram Nagina Prasad and Shri Y. P. Singh is their conclusion after seeing the position at the site. The fact that the concerned workman had informed the mechanical fitter and the Foreman itself shows that he was not negligent and had taken proper care to inform the person who could attend to the repair of the conveyor belt and provide him with a helper who could clean the coal dust. But strangely enough the mechanical fitter although detecting some defect in the scrapper did not repair it and the Foreman did not provide any person to clean the coal. It is stated that the concerned workman should have stopped the conveyor belt when he had detected folding of the conveyor belt. It is also asserted that the concerned workman could have observed the folding of the belt. Shri T.K. Roy has stated in his cross-examination that after the belt folded, it was in the centre of the drum and as such it continued running till it became one sided and derailed the tension trolley. It appears that as the belt was running even in the folded condition as stated by Shri T. K. Roy it was not possible for the concerned workman to observe whether there was any folding or defect in the conveyor belt and that he could only detect it when the tension trolley derailed. Thus it cannot be said that the concerned workman was negligent and that he had not stopped the running of the conveyor belt even when he had observed the folding of the belt.

It will appear from the facts as stated in the W.S. of the parties that the concerned workman was actually an underground trammer in Cat. III. There is

no assertion by the management that the concerned workman had been given training to run conveyor belt. It appears from para-3 of the W.S. of the management that according to the exigency of the situation an employee is asked to work in the different jobs of the same category and, accordingly, the concerned workman used to be deputed as a belt khalasi in Cat. III. Thus only if a workman is on the same category the management was taking work from him in respect of the work which required technical skill and knowledge and even without giving such technical training the management was taking work which appears, to me, to be highly irregular being done by some irresponsible officer of the management. It is just like giving a dog bad name and then shoot it. The concerned workman was not trained for the job of running a conveyor belt and he was deputed to run the conveyor belt and when there was damage to the conveyor belt, the concerned workman is being held up for being negligent causing damage to the management's property. It appears that some person was to be fixed with the responsibilities of the damage and the concerned workman being a lower category employee has been chosen to bear the brunt so that others who may have the responsibility be saved. As I have discussed above it appears that the mechanical fitter and the Foreman on duty were informed about the defect by an unskilled person like the concerned workman and in fact some defect was found in the machines by the mechanical fitter but even then defect was not removed and now when the damage has been caused, the concerned workman is being punished for the same. I think the Foreman, Mechanical Fitter and the officer in authority who deputed an untrained underground trammer to run the skilled job of conveyor belt are equally responsible for the damage caused to the property of the management and it is too much to put the entire blame on the concerned workman finding him to be in the lowest, ladder of the employees concerned with the affair.

It appears from the evidence of Shri Ram Nagina Prasad and Shri Y. P. Singh that the Coal dust was not cleaned from the machine run by the concerned workman although both of them had instructed the concerned workman to clean the coal dust from the belt. At best this much of the fact may be an act of negligence on the part of the concerned workman and for which the punishment of dismissal appears to be quite disproportionate specially in view of the fact that probably the work of cleaning of coal dust had to be done by some other workmen.

Taking all the facts evidence and circumstances of the case into consideration it appears that the charge of negligence that the conveyor belt was damaged and the tension trolley was derailed due to the negligence of the concerned workman is not fully established although it appears that the concerned workman had not cleaned the coal dust as directed by the mechanical fitter and the Foreman. The punishment of dismissal inflicted upon the concerned workman in the circumstances of the case is quite unjustified and improper and in any case it is disproportionate to the negligence established in the case that the concerned workman had not cleaned the coal dust from the conveyor belt.



In the result I hold that the action of the management of 6/7 Pits of Jamadoba colliery of M/s. Tisco. Ltd. in dismissing from service the concerned workman Shri Bharat Singh with effect from 15-10-84 is not justified and therefore the concerned workman is reinstated in his service with effect from 15-10-84. As the concerned workman is found to be somewhat negligent in not cleaning the coal dust from the belt and has not worked for the management from 15th October, 1984, the concerned workman will be entitled to half his wages for the period till he is allowed to join his services with continuity of service and other benefits.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012|109|85-D.III(A)]  
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1986

का. प्र. 2838.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार, एच. डी. प्रो. कोन, कानपुर के प्रबंधन से संबंधित निम्नलिखित और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारी, कानपुर के पंच द का प्रकाशित करता है, जो केन्द्रिय सरकार का 18-7-86 का आदेश द्वारा था।

New Delhi, the 29th July, 1986

S.O. 2838.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S. D. O. (Phones), Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th July, 1986.

BEFORE SHRI R. R. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT  
117-H-1-378-A DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 233 of 1985

Reference No. L-40012|13|84-D-II(B) dated the 12th February 1985.

In the matter of dispute between :

Shri Binda Prasad c/o Secretary Mazdoor Union  
Office Civil Lines, Unnao (U.P.).

AND

The S.D.O. (MAX) Behari Niwas, Kanpur.

APPEARANCE :

None for the management.

Sh. D. N. Shukla for the Workman.

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its notification No. L-40012|13|84-D.II(B) dated 12-2-1985 has referred the following dispute for adjudication :

Whether the action of the management of SDO (Phones) Behari Niwas, Kanpur in terminating the service of Shri Binda Prasad Line Coolie with effect from 9-10-79 is justified? If not to what relief the concerned workman is entitled ?

2. The case of the workman is that he was working as line coolie in management department since May 1973 and after about 6 years of service he was arrested by police for alleged theft of telephone cables on 9-10-79. He was granted bail on 16-10-79 and reported for duty on 8-10-79. For the period of his absence he has sent an application for leave for a week. On 18-10-79 when he reported for duty he was told by the management that the management had kept him under suspension from 9-10-79 and that he should come after his acquittal. He was subsequently acquitted from the court of Chief Judicial Magistrate, Unnao on 15-7-83 and when he approached the management for duty he was told to bring a copy of the judgment. He obtained copy of the judgment on 27-7-83 and arrived for duty on 29-7-83 but he was not allowed to resume duty and was told that his matter was pending before the Administrative Officer of the department. He made repeated requests in writing on 10-8-83 and 1-10-83 when he was told that his services stand terminated w.e.f. 9-10-83. The workman asserts that no departmental charge sheet was ever given to him nor any enquiry was ever conducted. That during span of his service he had completed 240 days and was being paid at the rate of Rs. 213 per month and since he was in continuous service and had performed his duties for more than 240 days and as such he was entitled to be reinstated with full back wages w.e.f. 9-10-79, together with consequential benefits.

3. The management in their written statement contended that the period of employment admitted in view of certificate submitted but no leave application was received by the management during his arrest. That question of suspension of a casual labour does not arise and it does not come under the purview of CCS(CCA) Rules 1965 and that on that account question of termination of service of a casual labour does not arise. That working for 240 days will not entitle a casual labour for permanent absorption unless and until he poses regular grade and special allowances. It is strange that the opposite party has filed 3 written statement in this case. One is dated 2-5-85, the other is dated 27-12-85 and the third is dated 15-2-86. The management was given sufficient time to file settlement or to appear for cross but nothing was done, hence the case proceeded ex parte.

4. On the admitted facts it emerges that the workman was a casual labour in the department for the period aforesaid till he was taken in police custody on 9-10-79, preceding his date of arrest he has completed more than 240 days and had performed more than 240 days, it is in almost every year except 74 and 75. Thus he acquires the status not of permanent workman but at least of a temporary workman as telephone department carrying but work of installation of telephone etc for public goods and for remuneration comes under the definition of industry hence Industry Dispute Act would apply and as the management has not complied with the provisions



of section 25F of the Act and terminated his services w.e.f. 9-10-79 treating him to be a daily worker on daily wages. The said termination would be illegal and void ab initio for non compliance of the provision of section 25F. The result is that he is entitled to be reinstated in service with full back wages, as the workman had acquired temporary status under section 25F of the act.

5. I accordingly give my ex parte award and I hold that the action of the management of SDO (Phones) Bahari Niwas, Kanpur, in terminating the service of Sri Binda Prasad Line Coolie with effect from 9th October 1979 is not justified. The result is that the workman be reinstated in service with full back wages.

I, accordingly give my award.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-40012/13/84-D.II(B)]  
HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1986

का. प्र. 2839.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब एंड सिंध बैंक, नई दिल्ली, के संबंधित से संबंध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 23-7-86 की प्राप्ति हुआ था।

New Delhi, the 29th July, 1986

S.O. 2839.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab & Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd July, 1986.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI.

I.D. No. 37/85

In the matter of dispute between :  
Shri Rajbir Singh,  
Village Matiala,  
P.O. Uttam Nagar,  
New Delhi-59.

Versus

The Punjab & Sind Bank,  
New Delhi.

APPEARANCES :

None for the workman.  
Shri Jagat Arora for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/52/84-D-4(A) dated 22nd August, 1985 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Management of Punjab & Sind Bank, New Delhi, Account & Audit Section, Main Office, Naraina, New Delhi in refusing to give emoluments of Daftary in terms of Bipartite Settlement dated 19-10-1966 and in terminating the services of Shri Rajbir Singh on 22-4-1983 is justified? If not to what compensation the workman is entitled?"

2. Notice of the reference was sent to the workman but he has not appeared. Thus it appears that the workman is not interested in pursuing this reference. No Dispute Award is given.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

G. S. KALRA, Presiding Officer  
[No. L-112012/52/84-D.IV(A)]

का. प्र. 2840.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सिंधी बैंक एम. ए. के संबंधित से संबंध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट की प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार की 23-7-86 की प्राप्ति हुआ था।

S.O. 2840.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of City Bank N.A. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd July, 1986.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 55/80

In the matter of dispute between :  
Smt. Manju Juneja,  
Through The General Secretary,  
First National Citi Bank Staff Association,  
3, Parliament Street, New Delhi.

Versus

The Manager,  
Citi Bank N.A.,  
3, Parliament Street,  
New Delhi.

APPEARANCES :

Shri S. K. Maini—for the workmen.  
Shri J. K. Mehra—for the Management.

## AWARD

The Central Government, in the Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/101/80-L-I.A dated 20th June, 1980 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Citi Bank, N.A. 13, Parliament Street, New Delhi-110001 in assigning the duties of Assistant Trader to Smt. Manju Juneja with effect from 1-6-1978 ignoring employees senior to her is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled and from which date?"

2. The workman in the statement of claim has stated that Smt. Manju Juneja has been working in the respondent bank as a clerk-cum-typist and she stands at serial No. 21 in the seniority list (Annexure I) of clerk-cum-typist. In addition to the seniority list of Clerk-cum-Typist there is another category of workmen that is Special Assistants and Head Clerks for whom a separate seniority list is maintained (Annexure II). There is a post Assistant Trader in the respondent bank which carries an additional allowance of Rs. 100 p.m. basic and this post is being treated as higher to the post of Special Assistant as the allowance of Special Assistant carries Rs. 91 p.m. basic. As per promotion policy accepted and followed by the Management Special Assistant is being promoted as Assistant Trader on the basis of seniority. The Management in most arbitrary manner promoted Mrs. Manju Juneja to the post of Assistant Trader by superseding 20 workmen in the category of Clerk-cum-Typist and many senior Special Assistants and Head Clerks. The promotion of Mrs. Manju Juneja has been done with mala fide intentions and ulterior motives illegally and unconsequentially ignoring whole norms of promotion policy and seniority rules and is liable to be set aside.

3. The Management in its written statement raised the preliminary objection that the dispute referred to this Tribunal is not an industrial dispute in as much as none of the persons mentioned in the term of reference has been promoted to any other category and they all continue to remain in the category of workman and that even on the basis of allegations contained in the statement of claim there is admittedly no settlement with regard to the question raised in the statement of claim. On merits it was submitted that a clerk or clerk-cum-typist may be assigned to do additional duties such as Head Clerk, Special Assistant or Assistant Trader or Stenographer as the case may be and such additional duties attract special allowance. It was denied that there is seniority list maintained as alleged. The assignment of special allowance duties cannot be termed as promotion as such persons like Head Clerks, Special Assistant, Stenographers or Assistant Traders continue to belong to the category of workman clerks and it is Management's prerogative who assigns special allowance duties. It was denied that there is any promotion policy accepted and followed by the Management or that on the basis of seniority, special assistants are being promoted to the post of Assistant Traders. It was also denied that assignment of

special allowance duty to Mrs. Manju Juneja amounted to promotion or was done with mala fide intention or ulterior motive. It was further stated that the demand of quashing the assignment of duties with retrospective effect is not only without any merit but is perverse in as much as the special allowance is paid for performing additional duties and the workman having performed such additional duties, this court has no jurisdiction to order withdrawal of such allowance with retrospective effect and thus depriving the workman of what was her due legal rights for having carried out a particular assignment.

The following issues were settled on 29-10-81 :

- (1) Whether the dispute is properly espoused?
- (2) Whether the dispute referred amounts to Industrial Dispute?
- (3) As in terms of reference?

## ISSUE NO. 1

5. This issue was not pressed at the time of arguments. Moreover, the dispute has been espoused by the First National Citi Bank Staff Association of which the affected workmen are the members. Apparently there does not appear to be anything wrong with the espousal of this dispute. Hence this issue is decided in favour of the workmen.

## ISSUE NO. 2

6. Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947 gives the definition of industrial dispute as under :

"Industrial dispute" means any dispute or difference between employers and employers or between employers and workmen, or between workmen and workmen, which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour, of any person ;"

The present dispute relates to the alleged promotion of Mrs. Manju Juneja by superseding as many as 20 clerk-cum typists and many special assistants and head clerks. On the face of it the dispute is connected with the employment and is clearly an industrial dispute. Hence there is no merit in the contention of the Management and this issue is decided against the Management and in favour of the workmen.

## ISSUE NO. 3

It may straightaway be noted that the Management has not denied that Mrs. Manju Juneja who has been appointed as Assistant Trader stands at sl. No. 21 in the seniority list Annexure I of the statement of claim. Similarly it has not been denied that there are as many as 19 special assistants and four Head Clerks as per Annexure II of the statement of claim. The very designation special assistant and Head Clerk equates seniority over the post of clerk-cum-typist. Although the Management has denied that

any special seniority lists are maintained, yet, the Annexures I and II leave no manner of doubt that there are as many as 20 Clerk-cum-Typists senior to Mrs. Manju Juneja besides 19 special assistants and four head clerks. It has also not been disputed by the Management that the post of special assistant carries an allowance of Rs. 91 basic whereas the post of Assistant Trader carries an additional allowance of Rs. 100 basic. There cannot be any two opinions that the emoluments attached to a post is the chief consideration for treating the post senior or junior. In other words a post carrying higher emoluments will always be regarded as senior appointment than a post carrying lesser emoluments and the appointment of a person from a post carrying lesser emoluments to a post carrying higher emoluments would be treated as a promotion. Therefore, the contention of the Management that the appointment of Mrs. Manju Juneja to the post of Assistant Trader does not amount to a promotion is devoid of any force. The Management has not given any reason as to why Mrs. Manju Juneja was selected for the post of Assistant Trader carrying higher allowances over the heads of 43 other employees senior to her. It has not been specified whether she was possessed of any special qualifications or that the 43 senior officials did not possess the qualifications which were essential for the post of Assistant Trader. Prima facie it does not appear to reason that as many as 43 persons senior were found less qualified to hold the post of Assistant Trader than Mrs. Manju Juneja. From the evidence on record it is not possible to hold with certainty whether there is any promotion policy or whether there was any agreement on promotions between the Management and the employees, yet it is surprising that an organisation like the respondent should not have a clear

promotion policy so that the employees can know as to when and whether they will get any promotion. Therefore, if the Management of respondent does not have a promotion policy it will be advisable for it to have one at the earliest so as to ensure industrial peace, and in the meantime follow the principles of seniority in the matters of promotion. As the facts stand, there is considerable substance in the claim of the workmen that the promotion of Mrs. Manju Juneja has been done in a most arbitrary manner and against the principles of natural justice which unduly favours Mrs. Manju Juneja and ignores the reasonable claims of as many as 43 employees who were senior to her. Hence the action of the Management of the Citi Bank N.A. 3, Parliament Street, New Delhi-110001, in assigning the duties of Assistant Trader to Mrs. Manju Juneja w.e.f. 1-6-78 is not justified. The result is that the Management should appoint the senior most among the special Assistants or Head Clerks as Assistant Trader in place of Mrs. Manju Juneja with immediate effect and pay the difference between allowance payable to the post of Assistant Trader and to the post of clerk-cum-typist and Special Assistants and Head Clerks from 1-6-78 till she is replaced by the senior most Special Assistant or Head Clerk to all the employees who are senior to her. The workmen shall also be entitled to costs which are assessed as Rs. 250.

Further ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

July 18, 1986.

G. S. KALRA, Presiding Officer.

[No. L-12012/101/80-D.II(A).D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer.

